THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 244 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.11 2080 गुरुवार, 23 नवंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वोट कार के लिए तेलंगाना के लिए वोट

वोट कार के लिए तेलंगाना के लिए वोट

15 गुणा ज्यादा नौकरियाँ हमसे पहले 10 साल की सरकार के मुकाबले.

हमने अवसर बनाया.
हमने एक भविष्य बनाया.
एक साथ मिलकर.

चाहे वह सरकारी नौकरियाँ हों, निजी क्षेत्र हों, या उद्यमिता के अवसर हों. हमने एक ऐसी दुनिया बनाई, जहां हर कोई फल-फूल सकता है. आइए उन लोगों के खोखले वादों में न पड़ें जो अपने ही राज्यों में विफल रहे हैं.

42,652 अतिरिक्त नौकरियों के लिए, चयन प्रक्रिया जारी है.

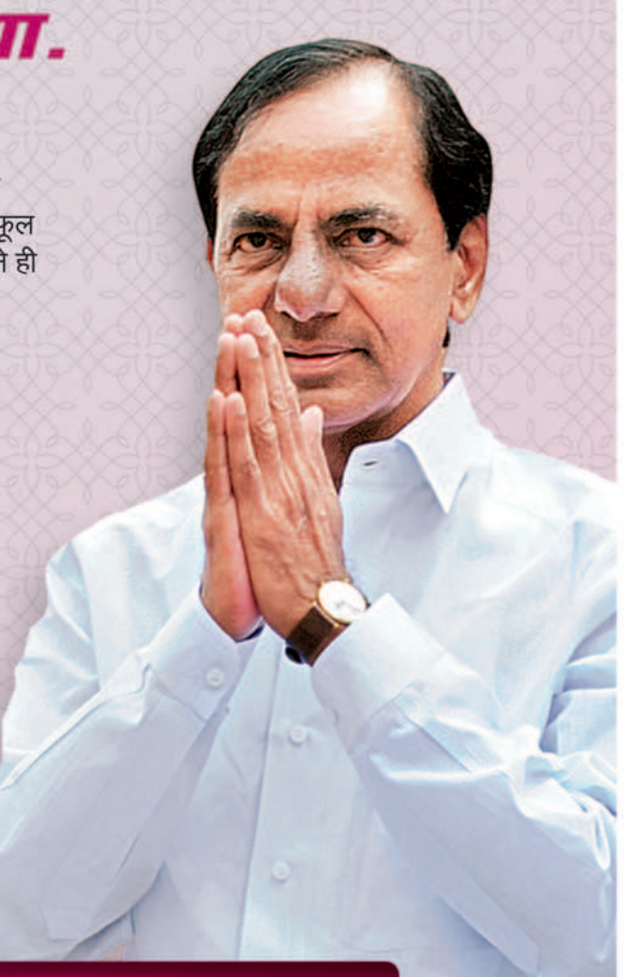

क्यूआर कोड का पालन करें
विभाग के अनुसार नौकरियों और भर्ती की स्थिति के बारे में जानें.
2014 से 2023 तक.
TelanganaJobStats.in

नं. 1 राज्य आईटी नौकरियों के लिए
10 लाख नौकरियों का सृजन । भारत में 100 नई आईटी नौकरियों में से 44 हैदराबाद से । हैदराबाद ने लगातार 2 वर्षों से नई आईटी नौकरियों के सृजन में बेंगलुरु को पीछे छोड़ दिया

सर्वोत्तम भारत का निवेश स्थल
24,000 उद्योगों को अनुमति टीएस-आईपास के साथ प्रदान । 4 लाख करोड़ का निवेश । 24 लाख नये निजी क्षेत्र में नौकरियाँ

सर्वोत्तम देश का स्टार्ट-अप इकोसिस्टम
टी-हब । वी हब । टीएसआईसी । टी-वर्क्स । टास्क । टी-आइडिया । टी-प्राइड

आइए अच्छे से और बेहतर की ओर चलें.

वोट कार के लिए तेलंगाना के लिए वोट

भारत राष्ट्र समिति

केसीआर भरोसा

- सौभाग्य लक्ष्मी: ₹3,000 प्रति माह गरीब महिलाओं के लिए
- आसरा पेंशन: ₹5,016 प्रति माह बढ़ाया जाना है
- गैस सिलिन्डर: ₹400 वंचितों के लिए सब्सिडी युक्त
- अन्नपूर्णा योजना: सन्ना बियम सफेद राशन कार्ड धारकों के लिए
- रैतु बंधु: ₹16,000 प्रति एकड़ प्रति वर्ष तक बढ़ाया जाना है
- केसीआर आरोग्य रक्षा: स्वास्थ्य बीमा ₹15 लाख तक बढ़ाया जाएगा

350 रुपये लूटने के लिए नाबालिग ने कर दी युवक की हत्या, इलाके में दहशत

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में 350 रुपये लूटने के लिए नाबालिग ने एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जायजा लिया फिलहाल पुलिस मृतक युवक की शिनाख्त में जुटी है यह घटना उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुई पुलिस ने हत्या के आरोपी किशोर को पकड़ लिया है उससे पूछताछ की जा रही है पुलिस के अनुसार, यह घटना वेलकम इलाके में जनता मजदूर कॉलोनी में हुई पुलिस उपायुक्त (पूर्वोत्तर) जॉय तिर्की ने कहा कि रात करीब 11:15 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि वेलकम इलाके में जनता मजदूर कॉलोनी में एक नाबालिग ने करीब 18 साल के युवक की हत्या कर दी है आरोपी ने लूटने के इरादे से इस वारदात को अंजाम दिया सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटना का जायजा लिया पुलिस तुरंत युवक को घायल अवस्था में अस्पताल लेकर पहुंची,

केरल और तमिलनाडु के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

पुडुचेरी में भारी बारिश के कारण स्कूल बंद

पुडुचेरी, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बुधवार को भारी बारिश के पूर्वानुमान के कारण पुडुचेरी और कराईकल में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। केरल और तमिलनाडु सरकारों ने मंगलवार को लोगों को सतर्क रहने की सलाह जारी की, क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दोनों राज्यों के कुछ हिस्सों में ऑरेंज अलर्ट जारी की है, क्योंकि तेज होते पूर्वोत्तर मानसून के कारण क्षेत्र में भारी बारिश हुई है। और गुरुवार (23 नवंबर) को भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि तमिलनाडु और पुडुचेरी में बुधवार को भारी बारिश होने की संभावना है। भारी बारिश के कारण पुडुचेरी और कराईकल में स्कूलों को बंद घोषित कर दिया गया है। चेन्नई में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने तमिलनाडु के 10 से अधिक जिलों में अगले दो दिनों में रुक-रुक कर बारिश की भविष्यवाणी की है। बुधवार को राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है> आईएमडी के नवीनतम बुलेटिन से संकेत मिलता है कि केरल में पहले ही काफी बारिश हो चुकी है, पथानामथिट्टा और तिरुवनंतपुरम जिलों में क्रमशः 7 सेमी और 5 सेमी बारिश हुई है। आईएमडी ने तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और यनम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की भी भविष्यवाणी की है।

गुजरात समेत इन राज्यों में चार दिन बरसेंगे बादल, मौसम विभाग ने दी चेतावनी

सूरत, 22 नवंबर (एजेंसियां)। सर्दियों की दस्तक के बीच मौसम विभाग ने गुजरात के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान जताया है आईएमडी ने बताया कि 24 से 27 नवंबर तक गुजरात के कुछ इलाकों में बारिश की संभावना है सर्दियों में बेमौसम बारिश के पूर्वानुमान ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से 24 से 27 नवंबर के दौरान बारिश की संभावना व्यक्त की गई है 24 नवंबर को गुजरात के सूरत, नवसारी, वलसाड और डांग जिले में आंधी तूफ़ान के साथ बारिश की संभावना व्यक्त की गई है वहीं, 25 और 26 नवंबर को गुजरात के कुछ जिलों में भारी बारिश का अनुमान जताया गया है

कैसा रहेगा आपके शहर का मौसम

25 नवंबर को सुरेंद्रनगर, राजकोट, बोटाद, अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ में हल्की बारिश तो आनंद, वडोदरा, पंचमहल, तापी, दाहोद, नर्मदा, भरूच, सूरत, वलसाड और नवसारी में भारी बारिश की संभावना है वहीं, 26 नवंबर को जूनागढ़, सुरेंद्रनगर, राजकोट, बोटाद, अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ में हल्की बारिश, तो अहमदाबाद, गांधीनगर, अरवल्ली, आनंद, वडोदरा, पंचमहल, तापी, दाहोद, नर्मदा, भरूच, सूरत, वलसाड और नवसारी में भारी बारिश का अनुमान व्यक्त किया गया है 27 नवंबर को गिर सोमनाथ, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ, नवसारी, वलसाड और डांग में बारिश की मौसम विभाग ने संभावना व्यक्त की है एक तरफ़ ठंडी तो दूसरी तरफ़ बारिश की संभावनाओं ने किसानों में चिंता बढ़ा दी है

इन राज्यों में भी बारिश का पूर्वानुमान

मौसम विभाग की मानें तो महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों, तटीय कोंकण क्षेत्र और गोवा में 23 नवंबर से 27 नवंबर तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है तेज़ पूर्वी लहरों के चलते मौसम में ये बदलाव देखने को मिलेगा साथ ही, पुणे में 24 से 27 नंवबर के बीच गरज के साथ हल्की से माध्यम बारिश की गतिविधियां देखने को मिलेंगी

मानहानि मामले में

भाजपा विधायक नीतेश राणे के खिलाफ जमानती वारंट जारी

मुंबई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई की एक अदालत ने शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत द्वारा दी गयी मानहानि की शिकायत के सिलसिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक नीतेश राणे को मंगलवार को जमानती वारंट जारी किया। मझगांव मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने 15000 रुपये का जमानती वारंट जारी किया, क्योंकि नीतेश राणे मंगलवार को अदालत में पेश नहीं हुए। अदालत ने पिछले महीने नीतेश राणे को समन जारी कर पेश होने का निर्देश दिया था। अदालत ने मंगलवार को कहा कि नीतेश राणे अनुपस्थित रहे और उनका पक्ष रखने के लिए कोई वकील भी उपस्थित नहीं हुआ। राउत के वकील ने तब एक आवेदन दाखिल कर विधायक के खिलाफ वारंट जारी करने का अनुरोध किया। अदालत ने यह आवेदन स्वीकार कर लिया और मामले की अगली सुनवाई की तारीख 15 दिसंबर तय की। नीतेश राणे को अब उस तारीख पर हाजिर होना होगा और वारंट रद्द कराना होगा। इस साल मई में केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे नीतेश राणे ने कथित रूप से राउत को 'सांप' बताया था और कहा था कि वह उद्धव ठाकरे का साथ छोड़ देंगे और राकांपा में शामिल हो जाएंगे। राज्यसभा सदस्य राउत ने मजिस्ट्रेट अदालत में शिकायत दीतथा कथित 'मानहानिकारक एवं सरासर झूठी ' टिप्पणी करने को लेकर नीतेश राणे के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया।

आम चुनाव से पहले यूपी के 22 जिलों में फिर गरमाएगा बड़ा मामला

प्रयागराज, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी यूपी के 22 जिलों के वकील पश्चिमी यूपी में इलाहाबाद हाई कोर्ट की एक बेंच के लिए अपना आंदोलन तेज करने और अगले महीने 'दिल्ली मार्च' करने की योजना बना रहे हैं। दरअसल पिछले चार दशकों से पश्चिमी यूपी के 22 जिलों के वकील पिछले हाईकोर्ट बेंच की मांग कर रहे हैं। पश्चिमी यूपी के 22 जिलों से पश्चिमी यूपी हाईकोर्ट बेंच स्थापना आंदोलन के पदाधिकारी पिछले हफ्ते इस मुद्दे पर चर्चा के लिए मुरादाबाद में एकत्र हुए। आंदोलन के पूर्व संयोजक सचिन चौधरी ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। उन्होंने कहा, पश्चिमी यूपी में बेंच की स्थापना के लिए सरकार पर दबाव बनाने के लिए 'दिल्ली मार्च' करने का निर्णय लिया गया। चौधरी ने कहा कि मार्च की तारीख के बारे में अंतिम निर्णय 16 दिसंबर को बिजनौर में आंदोलन की आगामी बैठक में तय किया जाएगा। पश्चिमी यूपी के 22 जिलों के वकील पिछले चार दशक से बेंच की मांग कर रहे हैं। चौधरी ने कहा कि वकीलों ने अपनी मांग पूरी होने की उम्मीद में संसदीय और विधानसभा चुनावों से पहले अपना आंदोलन तेज कर दिया था, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ है। मांग के पीछे तर्क यह है कि इलाहाबाद पश्चिमी यूपी के विभिन्न जिलों से 700 किलोमीटर से अधिक दूर स्थित है, जिससे वादकारियों पर भारी वित्तीय बोझ पड़ता है और उनका काफी समय बर्बाद होता है। पश्चिमी यूपी में उच्च न्यायालय की एक पीठ उन्हें उनके मूल क्षेत्र में न्याय दिलाने में मदद करेगी।

श्रीनगर में हथियार बरामद, दो लोग गिरफ्तार

श्रीनगर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीनगर के बेमिना इलाके से सुरक्षा बलों ने आतंकवादी संगठनों से जुड़े दो संदिग्ध लोगों को पकड़ा है और उनके पास से हथियार एवं विस्फोटक बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने यहां बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि दोनों संदिग्ध कुपवाड़ा जिले के रहने वाले हैं। उन्हें मंगलवार रात को श्रीनगर के बटमालू में बेमिना में जांच के दौरान पकड़ा गया। उनके पास से हथियार एवं विस्फोटक भी बरामद हुए। उन्होंने बताया कि बरामद किए गए हथियारों में दो पिस्तौल और 10 ग्रेनेड शामिल हैं। उन्होंने बताया कि संदिग्धों से सुरक्षा बल पूछताछ कर रहे हैं।

'शेयरधारक तो मालिक नहीं बन सकता'

ईडी की गांधी परिवार से जुड़ीं संपत्तियां कुर्क करने पर सिब्बल

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा धन शोधन के मामले में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और यंग इंडियन (वाईआई) की संपत्ति कुर्क किए जाने के बाद लगातार विवाद गहराता जा रहा है। विपक्षी नेता लगातार भाजपा सरकार और जांच एजेंसियों पर हमलावर हो रहे हैं। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि ईडी को पता होना चाहिए कि कानून क्या कहता है। शेयरधाकर कभी मालिक नहीं बन सकते हैं। वहीं, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने भाजपा पर निशाना साध कहा कि जो लोग वॉशिंग मशीन में आए जाएंगे, उनकी संपत्ति बच जाएगी।

प्रॉपर्टी कंपनी की होती है

कपिल सिब्बल ने कहा, 'ईडी को पता होना चाहिए कि कानून क्या कहता है। ईडी तो वकीलों के इशारे पर चलते हैं। यंग इंडियन का कहना है कि उन्होंने सारे एजेएल के 99 फीसदी शेयर ले लिए है, इसलिए वो एजेएल की 752 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक बन गए। जबकि कानून के आधार पर यह गलत है। अगर मैं किसी कंपनी के शेयर ले लेता हूं तो क्या मैं उस कंपनी का मालिक बन जाऊंगा। शेयरधारक तो शेयरधारक होता है। प्रॉपर्टी कंपनी की होती है। शेयरधारक मालिक नहीं बनते हैं।

कानून के आधार पर गलत

उन्होंने कहा, 'यह कहना कि एजेएल के यह (यंग इंडियन) मालिक बन गए तो कानून के आधार पर गलत है। दूसरी बात तो यह रही कि न तो यंग इंडियन ने कहा कि घोटाला हुआ और न ही एजेएल ने। तो किसके साथ धोखा हुआ है? किसपर विश्वास का उल्लंघन हुआ? हमें बताएं कि कौन सा कानून कहता है कि शेयरधारक संपत्ति के मालिक बन जाते हैं।'

नेशनल हेराल्ड मामला एक राजनीतिक मामला

वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा, 'चुनाव चल रहे हैं। नेशनल हेराल्ड ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान दिया। भाजपा के नेताओं पर भी कई मामले हैं, लेकिन उनकी संपत्ति जब्त नहीं की जाएगी। जो लोग आपकी (भाजपा) वॉशिंग मशीन में आएंगे, उनकी संपत्ति बच जाएगी। नेशनल हेराल्ड मामला एक राजनीतिक मामला है। आप (भाजपा) हमारी आवाज दबाना चाहते हैं, लेकिन यह आसान नहीं है। यह लड़ाई देश के लोकतंत्र के लिए चल रही है और जारी रहेगी। अंग्रेजों के जमाने में भी ऐसा होता था।'

निज़ामुद्दीन इलाके में झुग्गियों पर चला बुलडोजर, भारी पुलिस बल तैनात

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार के अधीन आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, भूमि और विकास कार्यालय ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की, जिसमें प्रशासन ने झुग्गियों पर बुलडोजर चलवाया। इस कार्रवाई के दौरान स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। विभाग के अनुसार, पहले झुग्गीवासियों को 20 नवंबर तक अतिक्रमित जगहों को खाली करने का नोटिस दिया गया था, जिसके बाद आज कार्रवाई की गई। प्रशासन ने इस इलाके में जाने वाले रास्ते को भी बंद कर दिया है, जहां कार्रवाई की गई है।

लालू यादव के करीबी को कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा, ईडी ने किया था गिरफ्तार

पटना, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू यादव को एक झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू के करीबी अमित कात्याल को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

आरोप- रेलवे में नौकरी लगवाने के बदले लिखवा ली थी जमीन

बता दें कि इस मामले में आरोप है कि रेलवे में नौकरी लगवाने के बदले में कई लोगों से उनकी जमीन लालू यादव और उनके परिवार के सदस्यों के नाम लिखवा ली गई थी। जमीन के बदले नौकरी घोटाले में राजद सुप्रीमो लालू यादव और उनके परिवार की मुश्किलें घटने का

नाम नहीं ले रही हैं। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े इस मामले में कार्रवाई करते हुए बीती 11 नवंबर को लालू के करीबी अमित कात्याल को गिरफ्तार किया था।

कात्याल को 5 दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा

जानकारी के अनुसार, इस मामले में बुधवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने अमित कात्याल को 5 दिसंबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अमित कात्याल कारोबारी हैं।

अमित की कंपनी का नाम जमीन के बदले नौकरी मामले में मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर सामने आया था। इससे पहले कोर्ट ने अमित कात्याल को 16 नवंबर तक के लिए केंद्रीय एजेंसी की हिरासत में भेजा था। बता दें कि ईडी और सीबीआई इसकी जांच कर रही हैं।

दिल्ली में सामने आया पुलिस का अमानवीय चेहरा, नाबालिग को पीटता दिखा कांस्टेबल

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के महरौली में पुलिस का अमानवीय चेहरा सामने आया है आरोप है कि पुलिसकर्मी ने 7 साल के मासूम की जमकर पिटाई की जिसका वीडियो भी सामने आया है एक मिनट के वीडियो में पुलिसकर्मी सिविल वर्दी में नजर आ रहा है उसने पहले बच्चे को थप्पड़ मारा फिर उसके सिर को दीवार में पटक दिया आरोपी कांस्टेबल का नाम छोटे लाल मीणा बताया जा रहा है जानकारी के अनुसार 7 वर्षीय नाबालिग अपने परिवार के साथ महरौली में रहता है नाबालिग के पिता ने बताया कि सोमवार शाम करीब 730 बजे बच्चा अपने एक साथी के साथ ट्यूशन जाने के लिए घर से निकला था गली में एक बाइक खड़ी थी ठोकर लगने से बाइक गिर गई जिसके बाद गुस्से से तमतमाए बाइक के मालिक ने उन्हें डांटना शुरू कर दिया इतने से मन नहीं भरा तो उसने वार्ड नम्बर 2 के बीट आफिसर कांस्टेबल छोटे लाल मीणा को फोन कर दिया कुछ देर बाद सिविल वर्दी में छोटे लाल मीणा मौके पर पहुंचा उसने आते ही बच्चे की पिटाई शुरू कर दी

शिवसेना विधायकों की अयोग्यता मामले में उद्धव गुट के नेता से क्या-क्या सवाल-जवाब किया गया?

मुंबई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता और पार्टी के मुख्य सचेतक सुनील प्रभु से अविभाजित शिवसेना के विधायकों को अयोग्य ठहराने से संबंधित एक मामले में सवाल-जवाब किया गया प्रभु से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना का प्रतिनिधित्व कर रहे वकीलों ने सवाल-जवाब किया यहां राज्य विधानमंडल में सुनवाई के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए शिवसेना (यूबीटी) के विधान परिषद सदस्य अनिल परब ने कहा कि बुधवार को भी यह सवाल-जवाब जारी रहेगा

क्या बोले अनिल परब?

परब ने कहा, ''आज सुनील प्रभु से जिरह की गयी उन्होंने सभी सवालों के उपयुक्त जवाब दिये''प्रभु ने मांग की थी कि उनका बयान मराठी में दर्ज किया जाए उन्होंने एक आधिकारिक अनुवादक भी मांगा था जो उनके बयान को रिकार्ड कर सके उससे पहले उन्होंने आरोप लगाया था कि यह काम सही-सही नहीं किया जा रहा हैपरब ने कहा, '' हमने महसूस किया कि कई सवालों की जरूरत ही नहीं थी

और यह देरी करने की तरकीब है उन्हें 31 दिसंबर तक फैसला देना है ऐसी संभावना है कि वे और समय मांग सकते हैं लेकिन हम वह देना नहीं चाहते'' उच्चतम न्यायालय ने पिछले माह महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को बागी शिवसेना विधायकों को अयोग्य ठहराये जाने के संबंध में 31 दिसंबर तक फैसला देने का निर्देश दिया थाशीर्ष अदालत ने मुख्यमंत्री शिंदे और उनके समर्थक विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग संबंधी उद्धव ठाकरे धड़े की अर्जियों पर निर्णय लेने में देरी को लेकर को विधानसभा अध्यक्ष को आड़े हाथ लिया था शीर्ष अदालत ने कहा था कि विधानसभा अध्यक्ष उसके आदेशों को निष्फल नहीं कर सकते ऐसे ही आवेदन शिंदे धड़े के विधायकों ने भी ठाकरे गुट के विधायकों के खिलाफ दाखिल करवाये थेअठारह सितंबर को शीर्ष अदालत ने विधानसभा अध्यक्ष को शिंदे और उनके समर्थक विधायकों को अयोग्य ठहराने संबंधी आवेदनों पर निर्णय लेने के वास्ते समय सीमा बताने को कहा था शिंदे धड़े ने जून 2022 में नयी सरकार बनाने के लिए भाजपा के साथ हाथ मिला लिया थाठाकरे गुट ने शीर्ष अदालत पहुंचकर अनुरोध किया था कि वह विधानसभा अध्यक्ष को समयबद्ध तरीके से याचिकाओं पर निर्णय लेने का निर्देश दे शिंदे के नेतृत्व में विधायकों द्वारा बगावत करने और सरकार बनाने के लिए भाजपा के साथ हाथ मिलाने के बाद शिवसेना में विभाजन हो गया था

कल आप कहेंगे लोग पैदल चलें, हाईवे पर गाड़ियां रुकें'

पढ़ें सुप्रीम कोर्ट ने क्यों की ऐसी टिप्पणी

अहमदाबाद, 22 नवंबर (एजेंसियां)। नेशनल हाईवे पर पैदल चलने वालों की सुरक्षा को लेकर एक याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है शीर्ष अदालत ने कहा है कि नेशनल हाईवे टहलने की जगह नहीं है कोर्ट ने कहा कि कल को आप कहेंगे कि पैदल यात्रियों को राजमार्ग (एनएच) पर टहलने की अनुमति दी जानी चाहिए और कारें रुकनी चाहिए ऐसा नहीं हो सकता अदालत नियमों के उल्लंघन की अनुमति कैसे दे सकती है?

गुजरात हाईकोर्ट ने भी खारिज की थी याचिका

यह मामला सोमवार को जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया था गुजरात हाईकोर्ट ने ऐसे ही एक मामले में आदेश देने से इनकार करते हुए

कह दिया था कि नेशनल हाईवे पर सुरक्षा संबंधी शिकायत संबंधित मंत्रालय से की जा सकती है गुजरात हाईकोर्ट ने कहा था कि याचिकाकर्ताओं के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से संपर्क करने और शिकायत करने का रास्ता खुला है इसी आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगायी गई थी

पैदल यात्री नेशनल हाईवे पर क्यों आएंगे?

सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के वकील ने दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की बढ़ती हुई संख्या का जिक्र किया उन्होंने कहा कि यह नेशनल हाईवे पर पैदल चलने वालों की सुरक्षा से जुड़ा मामला है इस पर पीठ ने कहा, पैदल यात्री नेशनल हाईवे पर कैसे आते हैं? इसके बाद आंकड़ों का हवाला देते हुए जब वकील ने कहा कि देश में पैदल यात्रियों के साथ सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है इस पर पीठ ने कहा कि मौतों की संख्या में बढ़ोतरी इसलिए हुई है क्योंकि नेशनल हाईवे की संख्या बढ़ी है, लेकिन लोगों में अनुशासन की कमी है ऐसी दुर्घटनाएं तब होंगी जब पैदल यात्री नेशनल हाईवे पर जाएंगे, जहां उन्हें नहीं होना चाहिए लोगों को नेशनल हाईवे पर इधर-उधर नहीं घूमना चाहिए अनुशासन का पालन किया जाना जरूरी है

जुर्माने के साथ खारिज की जानी चाहिए याचिका

सुनवाई के समय याचिकाकर्ता के वकील ने एक बार फिर आंकड़े का हवाला देते हुए सुरक्षा का मुद्दा उठाया जिस पर खंडपीठ ने तीखी टिप्पणी की न्यायाधीश ने कहा, यह तर्कहीन याचिका है इसे जुर्माने के साथ खारिज कर दिया जाना चाहिए था खंडपीठ ने कहा, आपको जो मिला है, उससे आप खुश रहिए अगर लोग नियमों का उल्लंघन करते हैं, तो अदालत कैसे कह सकती है कि वे नियमों का उल्लंघन कर करते रहें

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला, हिमाचल के दो जजों को पद से हटाने से इनकार

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नियुक्तियां सिर्फ उन्हीं पदों पर की जा सकती हैं जिन पर स्पष्ट और प्रत्याशित रिक्तियों का विज्ञापन दिया गया है। शीर्ष अदालत ने भविष्य की रिक्तियों के नाम पर सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के रूप में दो उम्मीदवारों की 2013 की नियुक्तियों में त्रुटि पाने वाले हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। हालांकि इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उन्होंने दस साल से अधिक की सेवा प्रदान की है और अनियमितताओं में उनकी कोई गलती नहीं थी अदालत ने दोनों न्यायिक अधिकारियों को पद से हटाने से इनकार कर दिया। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए पीठ ने हाईकोर्ट के आदेश के उस हिस्से को निरस्त कर दिया जिसमें अपीलकर्ताओं के चयन और नियुक्ति को रद्द कर दिया गया था। जस्टिस सीटी रविकुमार और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा कि ऐसी रिक्तियां जो विज्ञापन के समय मौजूद नहीं थीं, वे भविष्य यानी अगली चयन प्रक्रिया के लिए थीं। हिमाचल हाईकोर्ट ने कानून की स्थिति का सही ढंग से पालन किया है। हालांकि हाईकोर्ट ने मामले के संदर्भ, तथ्यों और परिस्थितियों को नजरअंदाज कर दिया। इसलिए पीठ ने कहा कि अपीलकर्ताओं विवेक कायस्थ और आकांशा डोगरा को उनके पदों से हटाना सार्वजनिक हित में नहीं होगा, क्योंकि उन्होंने सेवा में 10 साल पूरे कर लिए हैं और उन्हें पदोन्नत भी किया है। पीठ ने कहा, हमारा मानना है कि अपीलकर्ताओं के चयन या नियुक्ति में प्रक्रिया का उल्लंघन किया गया है। यहां तक कि जिन रिक्तियों पर अपीलकर्ताओं को नियुक्त किया गया था, उनका कभी भी विज्ञापन नहीं किया गया था। इन रिक्तियों को 'प्रत्याशित रिक्तियां' भी नहीं कहा जा सकता है क्योंकि ये रिक्तियां 18 अप्रैल 2013 को सृजित की गई थीं यानी चयन प्रक्रिया शुरू होने और एक फरवरी 2013 को विज्ञापन जारी होने के बाद की थी। पीठ ने चयन के बाद की गई प्रक्रिया को लेकर राज्य सेवा आयोग पर सारा दोष मढ़ने के हाईकोर्ट के प्रयास को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा, निस्संदेह चयन अथॉरिटी के रूप में आयोग को अंततः खामियाजा भुगतना होगा, फिर भी दोष राज्य सरकार और हाईकोर्ट को समान रूप से साझा करना चाहिए। हालांकि पीठ ने कहा कि यह देखते हुए कि वर्तमान मामले में अपीलकर्ता लगभग 10 वर्षों से न्यायिक अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं, उन्हें हटाना उचित नहीं होगा। पीठ ने बताया कि वे अब 10 वर्षों की न्यायिक सेवा के अनुभव के साथ सिविल जज (सीनियर डिवीजन) हैं। पीठ ने कहा, यह किसी का मामला नहीं है कि अपीलकर्ताओं को पक्षपात, भाई-भतीजावाद या किसी ऐसे कार्य के कारण नियुक्त किया गया है जिसे दोषपूर्ण कहा जाए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 244 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.11 2080 गुरुवार, 23 नवंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राजेश पायलट की सजा उनके बेटे को दी : मोदी

जिसने कांग्रेस के परिवार के खिलाफ बोला, वो मरा समझो; राजस्थान में कभी गहलोत सरकार नहीं बनेगी

डूंगरपुर/भीलवाड़ा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राजस्थान के सागवाड़ा और कोटड़ी में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं भविष्यवाणी कर रहा हूं कि राज्य में अब कभी भी अशोक गहलोत की सरकार नहीं बनेगी।

उन्होंने कहा, ये जो दूसरे लोग खड़े हैं, वो उनकी योजना से खड़े हैं। पिछली बार भी पाप कर वो आपकी आंखों में धूल झोंक गए, इस बार नया नाम लेकर कर रहे हैं। कांग्रेस के परिवार के खिलाफ जिसने बोला, उसकी राजनीति गड्ढे में गई। राजेश पायलट ने एक बार कहा था, अब उनकी सजा उनके बेटे को भी दी जा रही है।'

मोदी के भाषण की बड़ी बातें...

राजेश पायलट की सजा उनके बेटे को भी दे रहे हैं

यदि कांग्रेस में कोई सच बोले और सच बोलने के कारण कांग्रेस के इस परिवार को थोड़ी सी असुविधा हो जाए, बात चुभ जाए तो मान लेना, उसकी राजनीति गड्ढे में गई। राजेश पायलट एक बार कांग्रेस की भलाई के लिए इस परिवार के खिलाफ गए थे। ये परिवार ऐसा है कि राजेश पायलट को तो सजा दी। वो अब नहीं रहे। अब उनके बेटे को भी सजा दे रहे हैं। अपनी खुंदक बेटे पर भी निकाल रहे हैं।

कांग्रेस तबाह हो जाए, परिवार के खिलाफ जो आवाज उठाएगा, वह बर्बाद होकर रहेगा, ये उनकी परिवारवादी राजनीति है। डंके की चोट पर कहता हूं कि राजस्थान में इतनी बड़ी हार मिलने वाली है कि उन्होंने सोचा भी नहीं होगा। बड़े-बड़े दिग्गज बोरिया-बिस्तर लेकर घर जाने वाले हैं।

वागड़ क्षेत्र ने कांग्रेस के कुशासन को झेला

बांसवाड़ा-डूंगरपुर राजस्थान के वागड़ क्षेत्र में आता है। मोदी ने कहा कि वागड़ क्षेत्र ने कांग्रेस के कुशासन को झेला है। कांग्रेस नेताओं और उनके करीबियों के बीच ऐसा कारोबार है कि उनके बच्चे तो अफसर बन गए, आपके बच्चे चुन-चुनकर बाहर कर दिए गए।

कांग्रेस के पाले हुए पेपर लीक माफियाओं ने राजस्थान के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। कांग्रेस नेताओं के यहां छापे में निकल रहा है, लॉकर से सोने की ईंटे निकल रही है। काले कारनामों की लाल डायरी के पन्ने खुल रहे हैं, वह कांग्रेस सरकार की काली सच्चाई है। केंद्र सरकार की योजना राजस्थान में लागू करने के लिए कांग्रेस को हटाना जरूरी है। मोदी कितना ही प्यार करे, कितना ही कुछ करना चाहे, जयपुर में कोई और बैठा रहेगा तो मोदी क्या कर लेगा? इसलिए भाजपा की सरकार चुनें। गुजरात में इतनी प्रगति दिख रही है तो राजस्थान में क्यों नहीं दिख रही है?

कांग्रेस अपनी वादों की लाल डायरी चाहे कहीं भी लेकर घूमती रहे, मोदी की गारंटी सब पर भारी है। जहां कांग्रेस से उम्मीदें खत्म होती हैं, वहां मोदी की गारंटी शुरू होती है। कांग्रेस ने जो कभी सोचा ही नहीं, वो बीते दस साल में आपके सेवक ने देशवासियों के चरणों में समर्पित कर दिया है।

कांग्रेस ने आदिवासियों को सालों तक कभी नहीं पूछा। यह भाजपा है, जिसने आदिवासी मामलों के लिए अलग मंत्रालय बना दिया।

राजोरी में मुठभेड़

सुरक्षाबलों ने आतंकी मार गिराया, दो सैन्य अफसर समेत तीन शहीद, एक जवान घायल

राजोरी, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला राजोरी के बाजीमाल इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। माना जा रहा है कि जंगलों से घिरे इस इलाके में दो से तीन आतंकवादियों छिपे हैं। पुलिस, सीआरपीएफ और सेना के जवानों ने मोर्चा संभाला हुआ है। दोनों ओर से गोलीबारी हो रही है। ताजा अपडेट के मुताबिक, इस हमले में दो सैन्य कैप्टन और एक हवलदार शहीद हो गए हैं। एक कैप्टन का शव बरामद हो गया है। वहीं एक कैप्टन और हवलदार का शव घटनास्थल पर मौजूद है। आतंकी शव उठाने नहीं दे रहे हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ में सेना के दो कैप्टन और एक हवलदार बलिदान हो गए और एक जवान घायल है, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। वहीं, सुरक्षाबलों ने यहां एक आतंकी को मार गिराया है। जम्मू आईजीपी आनंद जैन ने बताया कि राजोरी के उपमंडल कालाकोट के तहत पुलिस स्टेशन धर्मसाल के अंतर्गत सोलकी गांव के बाजी माल इलाके में विशेष सूचना पर घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया गया।

भारत ने कनाडाई नागरिकों के लिए फिर शुरू की ई-वीजा सेवा

निज्जर मामले में विवाद के बाद 61 दिन से थी बंद

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने कनाडा के नागरिकों के लिए एक बार फिर ई-वीजा सेवा शुरू कर दी है। गौरतलब है कि 21 सितंबर को कनाडा में भारत के लिए वीजा सेवाएं मुहैया कराने वाली एजेंसी ने परिचालन कारणों से कुछ समय के लिए इस सुविधा को निलंबित कर दिया था। बीएलएस इंटरनेशनल की ओर से जारी आदेश में कहा गया था कि ऑपरेशन कारणों से तत्काल प्रभाव से कनाडा में भारतीय वीजा सेवाओं को अगली सूचना तक निलंबित कर दिया गया है।

हालांकि, इसके बाद 26 अक्तूबर से भारत ने कुछ विशेष श्रेणियों में वीजा सेवाएं फिर से शुरू करने की बात कही थी। इनमें प्रवेश वीजा, बिजनेस वीजा, मेडिकल वीजा और कॉन्फ्रेंस वीजा शामिल थे। हालांकि, अब कनाडाई नागरिकों के लिए हर तरह के ई-वीजा आवेदनों की छूट दे दी गई है।

खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के बाद से रिश्तों में तनाव

खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयान के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव पैदा हो गया था।

राहुल बोले- किसके हाथ में जा रहा हिंदुस्तान का पैसा

धौलपुर/भरतपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज धौलपुर के राजाखेड़ा और भरतपुर के नदबई में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा- बीजेपी की मीटिंग में सब लोग भारत माता की जय करते हैं। ये भारत माता है कौन? ये है क्या? ये भारत की जनता है। जब हम भारत माता की जय करते हैं तो हम भारत माता की जनता की जय करते हैं। आपके माता-पिता, उनके माता-पिता हम सबकी जय करते हैं। बाकी दुनिया भारत माता को सोने की चिड़िया कहती है। तो आज सबसे बड़ा सवाल है कि सोने की चिड़िया में किसकी कितनी भागीदारी है। सोने की चिड़िया धन पैदा करती है। सवाल ये है कि आज इस देश में धन को कैसे बांटा जा रहा है। किसके हाथ में जा रहा है, क्या सचमुच में हिंदुस्तान का धन भारत माता की जनता के हाथ में जा रहा है या फिर भारत माता का धन चुने हुए लोगों के हाथ में जा रहा है।

राहुल ने कहा- जेबकतरा अकेला नहीं आता। तीन लोग आते हैं। सबसे पहले एक बंदा आता है आपका ध्यान इधर-उधर करता है। उल्टी-सीधी बात बोल देगा। पीछे एक और बंदा आता है, वो जेब काट देता है। और, तीसरा बंदा देखता है कि जिसकी जेब कटी, अगर उसने कोई आवाज की तो उस पर आक्रमण कर दे, उसको डरा दें। उन्होंने कहा- वो कहते हैं भारत माता की जय और करते हैं अडाणी जी की जय। वो अडाणी जी की जय करते हैं, मैं भारत माता की जय करता हूं। मेरे लिए भारत माता हिंदुस्तान के गरीब, दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग के लोग, छोटे दुकानदार हैं।

राहुल की सभा की बड़ी बातें...

ये चाहते हैं दो हिंदुस्तान बनें

बीजेपी के नेता हर भाषण में कहते हैं हिंदी पढ़ो, अंग्रेजी मत पढ़ो। उनसे पूछो तो कहेंगे हमारे बच्चे तो अंग्रेजी मीडियम स्कूलों में पढ़ते हैं। उनके बच्चे तो अंग्रेजी पढ़ें, पर वो नहीं चाहते कि आपके बच्चे अंग्रेजी मीडियम स्कूलों में पढ़ें। हम कहते हैं राजस्थान के हर बच्चे को हिंदी सीखनी चाहिए और अंग्रेजी सीखनी चाहिए। किसान, मजदूरों, छोटे व्यापारियों के बच्चों को बड़े से बड़ा सपना देखना चाहिए। आप पायलट बनना चाहते हो, हवाई जहाज से अमेरिका जाना चाहते हो। सपना पूरा होना चाहिए। ये चाहते हैं कि दो हिंदुस्तान बनें। एक अडाणी वाला और दूसरी तरफ सच्चा हिंदुस्तान भारत माता, जो 24 घंटे अपना खून-पसीना दे। राजस्थान में हमारी सरकार आएगी तो पहला काम राजस्थान में जाति जनगणना कराना होगा। और, दिल्ली में जैसे ही हमारी सरकार आएगी, कांग्रेस पार्टी पूरे देश में जाति जनगणना करवा देगी।

द्वारका एक्सप्रेसवेः चीफ सेक्रेटरी के बेटे पर लगे थे आरोप

केजरीवाल सरकार ने सीबीआई को भेजा 850 करोड़ के घोटाले का मामला

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने द्वारका एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट में 850 करोड़ रुपये के कथित भूमि अधिग्रहण घोटाले का मामला सीबीआई को भेज दिया है। इस मामले में मुख्य सचिव नरेश कुमार पर अपने बेटे करण चौहान से जुड़ी कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए जमीन की कीमत 22 गुना बढ़ाने का आरोप था। उसी कंपनी द्वारा 2015 में सर्किल रेट के 77 पर भूमि अधिग्रहण से जुड़ा मामला मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के लिए ईडी को भेजा गया। पिछले दिनों इस मामले को दिल्ली की मंत्री आतिशी ने फाइल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पास भेजी थी। इसके बाद सीएम केजरीवाल ने मामले को जांच के लिए सीबीआई और ईडी के पास भेज दिया है।

बठिंडा में पाकिस्तानी आतंकी मॉड्यूल के 3 गुर्गे गिरफ्तार

धार्मिक नेता की टारगेट किलिंग करने आए; संगरूर जेल में बंद गैंगस्टरों के टच में थे

बठिंडा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के बठिंडा में काउंटर इंटेलिजेंस ने पाकिस्तान बेस्ड आतंकी मॉड्यूल से जुड़े 3 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इस टेरर मॉड्यूल को पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई कंट्रोल कर रही है। पकड़े गए आरोपियों से 8 पिस्टल, 9 मैगजीन और 30 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

शुरूआती पूछताछ में पता चला है कि वह किसी धार्मिक नेता की टारगेट किलिंग करने वाले थे। तीनों संगरूर जेल में यूएपीए केस में बंद गैंगस्टरों के टच में थे। पंजाब डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। पुलिस इनके बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक तलाश रही है। जल्द पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक काउंटर इंटेलिजेंस की टीम को सूचना मिली थी कि राज भूपिंदर सिंह उर्फ भिंदा वासी ढिख जिला बठिंडा, रमन कुमार रमनी वासी गुरुहरसहाय जिला फिरोजपुर और जगजीत सिंह टैना वासी ढिलवा खुर्द जिला फरीदकोट चोरी की ऑल्टो कार में घूम रहे हैं। वह गोबिंदपुरा से बठिंडा आ रहे हैं। जिसके बाद काउंटर इंटेलिजेंस की टीम ने गोबिंदपुरा नहर के पास नाकाबंदी कर दी।

वायु सेना हवा के साथ अब स्पेस में भी

हैदराबाद में स्पेस वॉर ट्रेनिंग कमांड सेंटर बन रहा है

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। इंडियन एयर फोर्स ने हवा के साथ-साथ स्पेस में भी ताकत जुटानी शुरू कर दी है। आईएएफ अब स्पेस के सिविल और मिलिट्री दोनों पहलुओं का उपयोग करने के लिए विचार कर रही है, जिसके लिए उसने इंफ्रास्ट्रक्चर और थिओरेटिकल फ्रेमवर्क तैयार किया है।

इस नए रोल के लिए आईएएफ ने अपना नाम भी तय कर लिया है- इंडियन एयर एंड स्पेस फोस। एयर फोर्स ने नए नाम का प्रस्ताव डिफेंस मिनिस्ट्री में भेजा है। मिनिस्ट्री की ओर से मंजूरी मिलते ही एयर फोर्स का नया नाम और काम पब्लिक किया जाएगा।

साथ ही, डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस एजेंसी की मदद से आईएएफ अपना स्पेस डॉक्ट्रिन पहले ही तैयार कर चुकी है। इस डॉक्ट्रिन में स्पेस मिलिट्री पावर से जुड़े नियमों और गाइडलाइन को शामिल किया गया है।

स्पेस के लिए जवानों की स्पेशल ट्रेनिंग होगी

स्पेस की जरूरतों के हिसाब से एयर फोर्स ने अपने जवानों की ट्रेनिंग का खाका भी खींच लिया है। इसके लिए हैदराबाद में स्पेस वॉर ट्रेनिंग कमांड सेंटर बन रहा है। इस सेंटर में स्पेस लॉ की ट्रेनिंग के लिए अलग कॉलेज बनेगा, जिसमें इंटरनेशनल स्पेस लॉ को अच्छे से जानने-समझने वाली प्रोफेशनल फोर्स तैयार होगी। मौजूदा इंटरनेशनल नियमों के तहत स्पेस के मिलिट्री उपयोग की मनाही है। स्पेस लॉ कॉलेज में एयर फोर्स जवानों को सिखाया जाएगा कि किस तरह इन नियमों का पालन करते हुए स्पेस का बेहतर इस्तेमाल करना है।

स्पेस फोर्स बनने के लिए आईएएफ ने स्पेस सैटेलाइट की एक बड़ी फ्लीट तैयार करने का भी फैसला किया है। इस प्रोजेक्ट के तहत 31 सैटेलाइट आईएएफ के लिए स्पेस में छोड़े जाएंगे। इनका उपयोग कम्युनिकेशन, वेदर प्रिडिक्शन, नेवीगेशन, रियल टाइम सर्विलांस जैसे ऑपरेशन के लिए किया जाएगा।

सिसोदिया की कोर्ट में पेशी

सीबीआई की ओर से दर्ज मामले की सुनवाई, कल ही बढ़ी थी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को बुधवार को सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। अदालत में सीबीआई की ओर से दर्ज दिल्ली शराब नीति मामले में सुनवाई हो रही है। मंगलवार को इसी कोर्ट ने ईडी की ओर से दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 11 दिसंबर तक बढ़ा दी थी। साथ ही जांच एजेंसी को 24 नवंबर तक आरोपियों के सभी दस्तावेज जमा करने को कहा। सिसोदिया पर दिल्ली शराब नीति में भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप के चलते इसी साल 26 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। 269 दिन से जेल में बंद सिसोदिया लोवर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर कर चुके हैं, लेकिन अदालतों ने सभी याचिकाएं खारिज कर दीं।

पंजाब और हरियाणा में 14 जगहों पर एनआईए रेड

आतंकी संगठन एसएफजे से जुड़े होने के शक में छापेमारी ; खालिस्तानियों से संपर्क के बाद कार्रवाई

चंडीगढ़, 22 नवंबर (एजेंसियां)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने बुधवार को पंजाब और हरियाणा में 14 जगहों पर रेड की। एनआईए की रेड आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस से जुड़े होने के शक में की गई है। आतंकी संगठन से जुड़े संदिग्ध लोगों के ठिकानों पर एनआईए की टीम ने जांच की है। पंजाब में खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के साथी के घर रेड हुई। वहीं हरियाणा के कुरूक्षेत्र में स्वीट शॉप मालिक के यहां जांच की गई। इसके अलावा यमुनानगर में भी रेड हुई है। फिलहाल एनआईए की तरफ से रेड को लेकर कोई औपचारिक जानकारी नहीं दी गई है।

कुरूक्षेत्र में खालिस्तानी फंडिंग के शक में सलारपुर रोड पर रेड हुई। यहां एक स्वीट हाउस पर एनआईए की टीम ने सुबह 6 बजे आकर 5 घंटे तक मालिक से पूछताछ की। जिसके बाद टीम दिल्ली लौट गई। पंजाब के गुरदासपुर के गांव बुल्लेवाल में रेड हुई। यहां टीम ने कृपाल सिंह के घर की जांच की। कृपाल सिंह असम की डिब्रुगढ़ जेल में बंद अमृतपाल सिंह का साथी बताया जा रहा है। मोगा के चाड़िक के गांव झंडेवाला में बुधवार सुबह जांच एजेंसी ने गुरलाभ सिंह के घर में रेड की। टीम के साथ लोकल पुलिस भी मौजूद रही। टीम ने गुरलाभ सिंह की पत्नी हरप्रीत कौर से करीब ढाई घंटे तक पूछताछ की। जांच एजेंसी ने उन्हें 24 नवंबर को चंडीगढ़ बुलाया है।

लुधियाना के खन्ना में में पूर्व एमएलए सिमरजीत सिंह बैंस के करीबी रहे लोक इंसाफ पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष सरबजीत सिंह सीआर कंग के घर और नशा मुक्ति केंद्र पर दबिश दी गई। एनआईए की टीम सुबह करीब 6 बजे बाहोमाजरा गांव स्थित सीआर कंग के घर पहुंची।

उत्तरकाशी टनल हादसा : 39 मीटर तक सफल ड्रिलिंग, जल्द पूरा होगा रेस्क्यू ऑपरेशन

उत्तरकाशी, 22 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तरकाशी के सिलक्यारा टनल हादसे का बुधवार को 11वां दिन रहा। टनल में फंसे 41 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन युद्ध स्तर पर जारी है। अब तक ऑगर मशीन से 800 एमएम के छह पाइप टनल में डाले जा चुके हैं। टनल में 39 मीटर तक की ड्रिलिंग भी की जा चुकी है। सातवें पाइप की वेल्डिंग का काम चल रहा है। पाइप कुल 62 मीटर अंदर तक डाला जाना है यानी 23 मीटर अभी बचा हुआ है। सिलक्यारा टनल के बाहर सभी 41 एंबुलेंस खड़ी की जा रही है। उत्तरकाशी के सभी सरकारी डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ समेत स्वास्थ्य विभाग की छुट्टियों को भी रद्द कर दिया गया है।

रेस्क्यू में लगे एलएंडटी (लार्सन एंड टूब्रो) के सुरक्षा प्रमुख निगेल का कहना है कि ड्रिलिंग का काम बहुत अच्छा चल रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही अपने लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे। हम माइक्रो टनलिंग में भी मदद कर रहे हैं और पूरा काम सही तरीके से चल रहा है।

बीआरओ के मेजर नमन नरूला ने बताया कि हमारा काम वर्टिकल ड्रिलिंग के पहुंचने को एक रास्ता देना था, जो सुरंग के सिलक्यारा छोर पर था। इसमें 1,150 मीटर का ट्रैक बनाना था। हमने ये काम करके 20 नवंबर को सौंप दिया था। ट्रैक के अंत में, दो वर्टिकल ड्रिल किए जाने हैं। दो में से एक मशीन साइट पर पहुंच गई है। दूसरा काम बड़कोट की ओर एक पहुंच मार्ग देना था। ये सुरंग का दूसरा छोर है।

बीआरओ के कमांडर विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि ड्रिलिंग के लिए मशीनरी सिलक्यारा टनल के छोर की साइट पर पहुंच गई है। इसके साथ ही वहां ड्रिलिंग शुरू हो गई है। एनडीआरएफ के सेकेंड इन कमांड रवि एस बधानी ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन बहुत अच्छा चल रहा है। वर्टिकल ड्रिलिंग चल रही है। हम सुरंग के अंदर फंसे लोगों के काफी करीब पहुंच चुके हैं।

परेशान करने के लिए किया था मेरा ट्रांसफर

जाते-जाते कॉलेजियम पर बरसे इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज

प्रयागराज, 22 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस प्रीतिंकर दिवाकर रिटायर हो रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने अपने एक ट्रांसफर का किस्सा साझा किया और भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा पर परेशान करने के आरोप लगाए। जस्टिस दिवाकर का कहना था कि उनका तबादला गलत मकसद से किया गया था। लाइव लॉ के अनुसार, जस्टिस दिवाकर ने कहा, 'ऐसा लगता है कि मेरा ट्रांसफर ऑर्डर मुझे परेशान करने के गलत इरादे से जारी किया गया था।' उन्होंने कहा, 'हालांकि, जैसा कि भाग्य ने चाहा, यह परेशानी मेरे लिए वरदान बन गई, क्योंकि

मुझे मेरे साथी जजों और बार के साथियों की तरफ से काफी प्यार, समर्थन और सहयोग मिला।'

सीजेआई चंद्रचूड़ का धन्यवाद

विदाई समारोह में उन्होंने मौजूदा सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का धन्यावाद किया। खास बात है कि सीजेआई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाले कॉलेजियम ने उनका नाम मुख्य न्यायाधीश के लिए बढ़ाया था। उन्होंने कहा, 'जीवन एक परीक्षा है, परिणाम नहीं। सच बात है कि कर्म इसे तय करता है। अच्छा काम हमेशा अपनी छाप छोड़कर जाता है।' उन्होंने कहा कि सीजेआई चंद्रचूड़ ने उनके साथ हुए अन्याय को सुधारा था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बचाव

जस्टिस दिवाकर ने कहा कि सीमित संसाधन होने के बाद भी उन्होंने इलाहबाद हाईकोर्ट को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा, 'इलाहबाद हाईकोर्ट में भारी काम को संभालना वाकई चुनौती थी।' उन्होंने कहा कि बाहर रहकर इलाहबाद हाईकोर्ट के काम करने के तरीके की आलोचना करने वालों को अंदर से इसका काम देखना चाहिए। सफर वह 31 मार्च 2009 में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जज बने थे। वहां, करीब साढ़े आठ सालों तक सेवाएं देने के बाद 3 अक्टूबर 2018 को उनका तबादला इलाहबाद हाईकोर्ट में कर दिया गया था। इसके बाद 13 फरवरी 2023 को उन्हें इलाहबाद हाईकोर्ट का एक्टिंग चीफ जस्टिस बनाया गया था।

यूपी पुलिस में बड़े पैमाने पर तबादले, 66 पुलिसकर्मियों का किया गया ट्रांसफर

प्रतापगढ़, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जनपद की पुलिसिंग को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए बड़े पैमाने पर पुलिस कर्मियों का तबादला किया गया है। इनमें सिपाही और दीवान शामिल हैं। एसपी ने एक ही झटके में 66 पुलिसकर्मियों को इधर से उधर किया है। इनमें से कुछ के थाने व चौकी क्षेत्र बदले गए हैं तो कुछ को सर्किल से हटाकर दूर भेजा गया है। इनमें से कई पुलिसकर्मियों की शिकायती थी तो कुछ कई साल से एक ही स्थान पर जमे थे। उन्होंने काकस बना लिया था। लंबे समय बाद महिला सिपाहियों का भी तबादला इसमें किया गया है। इसमें दो दर्जन ऐसे हैं, जो स्थानांतरित होकर दूसरे जिले से यहां आए थे और ज्वाइनिंग का इंतजार कर रहे थे।

यूपी के पूर्व डीजीपी ने किया नई राजनीतिक पार्टी का एलान

लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी भी उतारेंगे

लखनऊ, 22 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने बुंदेलखंड को अलग राज्य बनाने की आवाज बुलंद की है। इसके लिए उन्होंने बाकायदा बुंदेलखंड लोकतांत्रिक पार्टी का गठन किया है। गठन के बाद पहली बार मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने इस क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। साथ ही कहा कि बुंदेलखंड राज्य में 15 जिले शामिल करने की मांग उठाई जाएगी। आगामी लोकसभा चुनावों में इन जिलों से पार्टी के प्रत्याशी भी मैदान में उतरेंगे। पूर्व डीजीपी ने बांदा में बस स्टैंड के पास एक होटल में प्रेसवार्ता की। कहा कि आज भी बुंदेलखंड में रोजगार के अवसर नहीं हैं। समय से सिंचाई न होने के कारण अन्नदाता की फसलें सूख रहीं है। मऊ और मरका पुल का निर्माण शुरू कराया गया लेकिन सत्ता परिवर्तन होने के बाद यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट भी ठंडे बस्ते में चले गए। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के विकास के लिए वह सक्रिय राजनीति में उतर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने बुंदेलखंड लोकतांत्रिक पार्टी का गठन किया है। बुंदेलखंड राज्य में वह यूपी के बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर जिले को शामिल करने का प्रयास करेंगे। मध्यप्रदेश के दमोह, पन्ना, छतरपुर, दतिया, सागर, टीकमगढ़, निवाड़ी और अशोकनगर को शामिल करने की मांग उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मांग को पुरजोर तरीके से उठाने के लिए इन जिलों में आगामी समय में होने वाले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में अपने प्रत्याशी उतारेंगे। उनकी पार्टी की प्राथमिकता रहेगी कि हर हाल में अलग राज्य का निर्माण कराया जाए। जरूरत पड़ने पर वह आंदोलन भी करेंगे। क्योंकि बिना राज्य के क्षेत्र का विकास संभव नहीं हैं। उन्होंने बताया कि वह लगातार जनसंपर्क कर सकारात्मक मानसिकता वाले लोगों को पार्टी से जोड़ने का प्रयास भी कर रहे हैं।

माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे को अपराध मुक्त करने की अर्जी खारिज

दो दिसंबर को तय होंगे आरोप

लखनऊ, 22 नवंबर (एजेंसियां)। हजरतगंज के जियामऊ शत्रु संपत्ति पर कब्जा कर धोखाधड़ी से अपने नाम कराने के आरोपित माफिया मुख्तार अंसारी के पुत्र अब्बास अंसारी की डिस्चार्ज अर्जी (अपराध से मुक्त करने) को एमपी /एमएलए कोर्ट के विशेष मजिस्ट्रेट अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने खारिज कर दिया है। दो दिसंबर को आरोप तय करने के लिए आरोपित को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश पारित कर दिया। 27 अगस्त 2020 को इस प्रकरण की प्रथम सूचना रिपोर्ट जियामऊ के लेखपाल सुरजन लाल ने हजरतगंज कोतवाली में दर्ज कराया था। रिपोर्ट में लेखपाल ने बताया कि जियामऊ स्थित शत्रु संपत्ति की जमीन पर कूटरचना कर उसे स्वयं के अलावा अपने भाई अब्बास और माफिया मुख्तार के नाम करा लिया था।वहीं, अधिशासी अभियंता लखनऊ खंड दो शारदा नहर के कार्यालय का कूटरचित अनुमति पत्र तैयार कर भवन निर्माण हेतु मानचित्र की स्वीकृति प्राप्त कर भवन का निर्माण करा लिया। अब्बास अंसारी के उन्नमोचन अर्जी को खारिज करते हुए कहा गया कि जियामऊ की यह जमीन मोहम्मद वसीम के नाम थी। 1947 में भारत विभाजन के समय वह पाकिस्तान चले गए और उनकी संपत्ति बतौर शत्रु संपत्ति दर्ज हो गई थी।

यूपी के दो पीसीएस अफसरों के बैंक खातों की जांच करेगी ईडी

लखनऊ-वाराणसी हाईवे में फर्जीवाड़े का मामला

लखनऊ, 22 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग को फोर लेन करके के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर किसानों को तीन गुणा ज्यादा मुआवजा देने के मामले में फंसे पीसीएस अधिकारी आरडी राम और अशोर कुमार कनौजिया के बैंक खातों की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा शुरू किए जाने की तैयारी की जा रही है। दोनों अधिकारियों के विरुद्ध मनी लांड्रिंग के संबंध में ईडी ने प्रयागराज में मामला दर्ज किया है। सरकार ने 2014 में लखनऊ-वराणसी राजमार्ग नंबर 56 को फोर लेन करने की परियोजना शुरू की थी। इसके तहत राष्ट्रीय राज मार्ग प्राधिकरण के अनुरोध पर राजस्व विभाग ने मार्ग को चौड़ा करने के लिए जगदीशपुर व मुसाफिरखाना में बाईपास बनाने के लिए सर्वे करवाया था। सर्वे के बाद किसानों से भूमि अधिग्रहण शुरू किया गया था। उस समय एसडीएम के पद पर तैनात रहे दोनों अधिकारियों ने किसानों के साथ मिलीभगत करके उन्हें भूमि अधिग्रहण के बदले के तीन गुणा ज्यादा दरों पर मुआवजा दिया था। इससे सरकार को 382 करोड़ रुपये राजस्व की हानि हुई थी। इसकी जांच के बाद 11 अक्टूबर को पुलिस ने मुसाफिरखाना थाने में दोनों अधिकारियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। इसी के आधार पर ईडी ने बीते दिन प्रयागराज में मुकदमा दर्ज कर अपनी जांच शुरू कर दी है। ईडी के सूत्रों के अनुसार दोनों अधिकारियों के बैंक खातों की जांच एक दो दिनों में ही किए जाने की तैयारी की जा रही है। इन्हें इसी सप्ताह पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

नौ बीघा जमीन के लिए फावड़े से काटकर छोटे भाई की हत्या

बड़ौत, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बागपत। जौनमाना गांव में बड़े भाई ने नौ बीघा जमीन के लिए छोटे भाई की फावड़े से काटकर हत्या कर दी। आरोपित अपनी पत्नी को लेकर फरार हो गया। आरोपित ने घटना की जानकारी अपने बेटे को दी। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया और युवक के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने घटना में प्रयुक्त फावड़ा भी बरामद कर लिया है। जौनमाना गांव में हरबीर सिंह के बेटे रविंद्र, शोकेंद्र और अशोक एक ही घर में रहते हैं। इनमें केवल रविंद्र ही शादीशुदा है। शोकेंद्र अक्सर बाहर रहता है। रविंद्र का बेटा अक्षय भी शादीशुदा है। वह भी पत्नी को लेकर गांव से बाहर रहता है।

'दलितों के खिलाफ काम कर रहे नीतीश'

चिराग पासवान ने बिहार सीएम पर साधा निशाना, लालू को भी लपेटा

पटना, 22 नवंबर (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर दलितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। चिराग पासवान ने कहा कि नीतीश कुमार को उनकी राजनीतिक ताकत का डर है। पटना के अथमलगोला इलाके में दिवंगत राम विलास पासवान की प्रतिमा का अनावरण करते हुए चिराग ने कहा कि उनके पिता ने हमेशा दलित समुदाय की बेहतरी के लिए काम किया, लेकिन नीतीश उनके खिलाफ काम कर रहे हैं। चिराग ने कहा, 'सीएम लगातार एससी और एसटी को हाशिए पर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें हमारी ताकत का डर है।' जमुई के सांसद ने कहा कि 'उनके पिता ने ही हर हाथ में सेलफोन पहुंचाया, चाहे वह रिक्शा चालक हो या ठेला चालक। लेकिन जब उन्होंने इस विचार की कल्पना की तो यह इतना आसान नहीं था। जब वह इस विचार के साथ आए, तो उनका विरोध प्रदर्शनों के साथ स्वागत किया गया, क्योंकि उस समय इनकमिंग कॉल पर भी भारी शुल्क लगता था। लेकिन उन्होंने अंततः अपनी प्रतिबद्धता पूरी की।

चिराग ने जनसंख्या नियंत्रण पर अपनी हालिया टिप्पणी को लेकर नीतीश पर भी हमला बोला। चिराग ने कहा, 'हमें सीएम की टिप्पणियों को सुनकर शर्म आती है। राज्य की बेहतरी के लिए न तो नीतीश और न ही राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने कुछ किया।' चिराग ने कहा, 'नीतीश पिछले 19 सालों से सत्ता पर काबिज हैं, जबकि राजद 15 साल तक सत्ता में रहा। उससे पहले कांग्रेस ने राज्य पर शासन किया। फिर भी, उन्होंने राज्य के विकास के लिए कुछ नहीं किया।'

सुशील मोदी ने नीतीश सरकार को घेरा

कहा- जहरीली शराब से हुई 10 मौतों ने साबित किया बिहार में शराबबंदी फेल

पटना, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में लागू शराबबंदी को लेकर सुशील कुमार मोदी ने नीतीश सरकार को घेरा है पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने बयान जारी कर कहा कि सीतामढ़ी और गोपालगंज में जहरीली शराब पीने से 10 लोगों की मौत ने फिर साबित किया कि राज्य सरकार पूर्ण मद्य निषेध की नीति लागू करने में पूरी तरह विफल है सुशील मोदी ने कहा कि छठ पर्व पर हुई इस त्रासदी के बाद सरकार को अब मृतक आश्रितों को 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने में पहले की तरह हीलाहवाली नहीं करनी चाहिए पुलिस प्रशासन एक तरफ शराब माफिया की मदद कर अकूत कमाई कर रहा है और दूसरी ओर जहरीली शराब से मौत छिपाने के लिए रिकॉर्ड में अज्ञात बीमारी से मृत्यु दर्ज कर रहा है ताकि आश्रितों को मुआवजा न मिल सके सीतामढ़ी और गोपालगंज में हुई मौतों पर सुशील कुमार मोदी ने कहा कि हर साल जहरीली शराब से लोगों के मरने की एक दर्जन से ज्यादा घटनाओं के बावजूद नीतीश कुमार शराब नीति की समीक्षा न करने पर अड़े हैं सीतामढ़ी में जहरीली शराब से मौत के बाद पुलिस के डर से कुछ शवों को बिना पोस्टमार्टम के जला दिया गया इस साल के दस महीनों में 867 लाख लीटर शराब जब्त दिखाई गई,

लोकसभा चुनाव के लिए यूपी की 80 सीटों पर

कांग्रेस ने दूसरे राज्यों से शुरू की घेराबंदी

लखनऊ, 22 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में तमाम कोशिशों के बाद भी जनाधार बढ़ा पाने में असफल होने के बाद कांग्रेस ने दूसरे राज्यों से उप्र की घेराबंदी करने की कवायद शुरू कर दी है। इस संदर्भ में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता व पंजाब में रहने वाले उप्र के नागरिकों के साथ संपर्क बढ़ाने के लिए सम्मेलनों के आयोजन किया जा रहा है। अभियान की शुरूआत मुंबई से की जा चुकी है। इसके बाद दिल्ली की आजादपुर मंडी से 9 दिसंबर को सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश में कई वर्षों से अपना जनाधार बढ़ाने में असफल रहने वाली कांग्रेस ने इस बार लोकसभा चुनाव से पहले अजय राय को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के बाद जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। अजय राय खुद भी जनसंपर्क को लेकर गंभीर हैं।

दलित संवाद तथा चाय पर चर्चा जैसे कार्यक्रमों के जरिए लोगों से संवाद कायम करके कांग्रेस को अंदाजा लग गया है कि लोकसभा चुनाव को लेकर फिलहाल दाल गल नहीं रही है। नतीजतन दिल्ली, मुंबई व कोलकाता तथा पंजाब में लाखों की संख्या में रह रहे उप्र के नागरिकों से संवाद कायम करके इन्हें अपने साथ जोड़ने की कवायद शुरू कर दी गई है। इस संदर्भ में फ्रेंडस आफ यूपी कांग्रेस के नाम से एक ग्रुप का गठित किया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष गोरे गावं में इसी सिलसिले में आयोजित सम्मेलन में शिरकत करने के लिए मुंबई पहुंचे हुए हैं। इसके बाद 9 दिसंबर को दिल्ली की आजादपुर मंडी में कार्यक्रम रखा गया है। दिसंबर में ही दिल्ली के शाहीनबाग सहित अन्य क्षेत्रों में अभियान चलाया जाएगा। अजय राय ने बताया कि वह इसी सिलसिले में मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं।

सहरसा में 3 साल की बच्ची से रेप, खेल रही थी मासूम

सहरसा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के सहरसा में हुई एक घटना ने शर्मसार कर दिया है एक तीन साल की बच्ची के साथ नाबालिग लड़के ने रेप की घटना को अंजाम दिया इस घटना से बच्ची के परिजन सदमे में हैं मासूम बच्ची का सहरसा सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित लड़के को पकड़ लिया है वह नाबालिग बताया जा रहा है पूरी घटना सहरसा जिले के बिहरा थाना क्षेत्र के एक गांव की है घटना के संबंध में जो जानकारी सामने आई है उसके अनुसार बच्ची और नाबालिग लड़का दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं घटना के बाद जब इसके बारे में परिजनों को पता चला तो उन्होंने बिहार थाने की पुलिस को इसकी सूचना दी इसके बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी को पकड़ लिया बिहरा थाना की पुलिस ने आरोपित को पकड़ने के बाद उसे महिला थाने को सौंप दिया

निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर मिला दुग्ध व्यापारी का शव

सिर पर गहरी चोट के निशान, हत्या की आशंका

हरदोई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मल्लावां में निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस वे पर अंदरपास पर दुग्ध व्यापारी का शव पड़ा मिला। सिर पर चोट के निशान थे,लूट के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने घटना स्थल पहुंच जांच पड़ताल की। मल्लावां के गंगारामपुर के कौशल कुमार दुग्ध व्यापारी थे। तेजीपुर के पास दुग्ध प्लांट चलाते थे। स्वजन के अनुसार देर शाम घर से गए थे,

रात में तेजीपुर के निकट निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस- वे पर अंदरपास के निकट उनका शव पड़ा मिला। पास में ही साइकिल भी पड़ी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सिर में गहरी चोट के निशान थे। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को सीएचसी भिजवाया और स्वजन को घटना की जानकारी दी। परिवार के लोगों ने शुरुआती पूछताछ में किसी भी तरह की रंजिश से इंकार किया है। भतीजे सुधीर ने बताया कि चाचा शाम साढ़े सात बजे से घर से निकले थे,

बेल के लिए बात करने आए अपराधी ने एडवोकेट क्लर्क को मारी गोली

जमुई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। अज्ञात अपराधियों ने जमुई शहर के महिसौरी इलाके में सिविल कोर्ट के एडवोकेट 55 वर्षीय अभय सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी हथियारबंद अपराधियों ने कोर्ट के एडवोकेट क्लर्क को उसके घर के बाहर गोली मारकर हत्या की है मंगलवार की देर शाम हत्या को अंजाम देने के बाद बेखौफ अपराधी आराम से चलते बने इनकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस कार्रवाई कर रही है सरेशाम हत्या की इस वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है जानकारी के अनुसार, मृतक अभय सिंह मुंगेर जिले के बनहरा के रहने वाले हैं जो बीते कई वर्षों से महिसौरी में ही रह रहे थे बताया जा रहा है कि जमुई सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले एडवोकेट चंदन सिंह के क्लर्क अभय सिंह को अपराधियों ने तब गोली मारी जब वह अपने घर में थे जानकारी के अनुसार, मुकदमे को लेकर कोई शख्स एडवोकेट क्लर्क के घर के बाहर आया था और फिर बाहर बुलाकर उन्हें गोली मार दी गोली लगने से मौके पर ही एडवोकेट क्लर्क अभय सिंह की मौत हो गई घटना को अंजाम देकर फरार अपराधियों में से एक अपराधी की चप्पल भी मौके से बरामद हुई है मृतक एडवोकेट क्लर्क के अभय सिंह के बेटे रवि कुमार सिंह ने बताया कि एक शख्स घर पर आकर बेल को लेकर उसके पिता से बातचीत करते हुए गोली मार दी गोली की आवाज सुनकर जैसे ही वह बाहर निकला, तब तक वह भाग चुका था मृतक के बेटे ने बताया कि अमित सिन्हा के नाम के साथ एक शख्स के साथ उसकी जमीन की भी बात चल रही है

'बाबा साहब का संविधान खतरे में', अशोक चौधरी का बड़ा बयान

बोले- आरक्षण विरोधी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देना जरूरी

पटना, 22 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी स्थित वेटेनरी कॉलेज मैदान में 26 नवंबर को होने वाली भीम संसद के आयोजन के सिलसिले में भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने मंगलवार को पोलो रोड स्थित आवास पर तैयारी से जुड़ी एक बैठक की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज सांप्रदायिक शक्तियां देश को अस्थिर करने में लगी हैं। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का संविधान खतरे में है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दलितों के उत्थान के लिए बहुत काम किया है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि हम सभी उनके नेतृत्व को और ताकत दें। तैयारी बैठक में मौजूद लोगों से अशोक चौधरी ने आग्रह किया कि अधिक से अधिक संख्या में 26 को होने वाली भीम संसद में पहुंचें। आरक्षण और संविधान विरोधी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब दें। बैठक में जदयू के प्रदेश महासचिव रंजीत कुमार झा, महादलित आयोग के सदस्य रामनरेश राम व पूर्व विधायक प्रभुनाथ राम सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

यूपी में बहराइच-सीतापुर हाईवे पर ट्रक व कंटेनर की आमने-सामने भिड़ंत में दो की मौत, दो घायल

बहराइच, 22 नवंबर (एजेंसियां)। सीतापुर हाईवे स्थित हरदी थाना के चहलारीघाट पुल पर बुधवार की भोर कंटेनर व ट्रक की आमने सामने भिडंत हो गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि दो घायल हो गए। काफी मशक्कत के बाद कंटेनर में फंसे लोगों को बाहर निकाला जा सका। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा गया है।

घटना के बाद हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। जिसे हटाने में पुलिस के पसीने छूट गए। यह हादसा भोर तकरीबन तीन बजे के करीब हुआ। कपड़ा लगाकर बहराइच की और जा रहे कंटेनर की विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक की आमने सामने भिडंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसकी आवाज से आसपास के लोग सहम गए। लोग भागकर मौके पहुंचे। पुलिस को घटना की सूचना दी। सीओ जेपी त्रिपाठी प्रभारी निरीक्षक दिलीप शुक्ल दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से ट्रक में फंसे घायलों को किसी तरह बाहर निकाला।

पूर्व मंत्री से 50 लाख की डिमांड

महिला ने अश्लील तस्वीर भेजी, कहा- पैसे दे दो नहीं तो ऐसा होगा

पटना, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री वृषिण पटेल से 50 लाख रुपये की डिमांड की गई है। यह रुपये ब्लैकमेलर ने मांगी है। धमकी दी है कि अगर रुपये नहीं दोगे तो अश्लील फोटो को सार्वजनिक कर दिया जाएगा। इससे तुम्हारा राजनीतिक भविष्य बर्बाद हो जाएगा। दरअसल, एक महिला ने वृषिण पटेल के व्हाट्सऐप पर एडिट की गई अश्लील तस्वीरें भेजी। इसके बाद 50 लाख रुपये का डिमांड किया। इधर, पूर्व मंत्री ने आर्थिक अपराध इकाई में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। ईओयू को दी लिखित शिकायत में पूर्व मंत्री वृषिण पटेल ने कहा है कि करीब दो महीने पहले एक महिला कदमकुआं थाना क्षेत्र स्थित मेरे आवास पर मिलने आई थी। मेरे स्टाफ से महिला ने कहा कि मुझे मंत्रीजी से मिलना है। स्टाफ ने कहा अभी मंत्री जी व्यस्त हैं, वह नहीं मिल सकते हैं। महिला नहीं मानी जिद करने लगी। इसके बाद स्टाफ ने महिला को मुझसे मिलवा दिया। महिला ने कहा कि मैं विधायक बनना चाहती हूं। इस पर मैंने कहा कि विधायक बनना इतना आसान नहीं है। अगर राजनीति में दिलचस्पी है तो पार्टी से जुड़ जाएं। इसके लिए आपको पार्टी कार्यालय आकर सदस्यता ग्रहण करनी होगी। इसके बाद महिला चली गई।

दोनों लड़कियां मेरे सामने ही अपने कपड़े उतारने लगीं

कुछ दिन बाद मैं कार से हज भवन से एयरपोर्ट वाली सड़क होते बेली रोड की ओर जा रहा था। एक जगह रुका तो अचानक आरोपी महिला वहां पहुंच गई। कहा कि पास ही मेरा घर है। चाय पीने के लिए चलें। मैंने पहले काफी मना किया फिर उसने जिद की मैं उसके घर चला गया। मैंने महिला से पूछा कि पति कहां हैं? उसने कहा काम से बाहर गए हैं। घर में उस वक्त दो लड़कियां भी थीं। पूछने पर महिला ने बताया कि दो बहनें हैं। इसके बाद महिला चाय बनाने किचेन गई। इसी बीच वहां मौजूद दोनों लड़कियां मेरे सामने ही अपने कपड़े उतारने लगीं। मैंने दोनों को डांट फटकार लगाई इसके बाद वहां से निकल गया।

दो अलग-अलग नंबर से मेरे मोबाइल पर कॉल आया

अब इस घटना के दो माह बाद 26 अक्टूबर और 31 अक्टूबर को दो अलग-अलग नंबर से मेरे मोबाइल पर कॉल आया। कहा गया कि आपके पास दो लड़कियां गई थीं जिनके साथ आपने अश्लील हरकतें की थीं। इसके बाद फिर मेरे मोबाइल पर दो नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने मेरे वाट्सएप पर अश्लील तस्वीर भेजी। यह तस्वीर पूरी तरह से फर्जी थी। इसके बाद इसी तस्वीर के आधार पर 50 लाख रुपये की डिमांड की गई। ब्लैकमेलर ने कहा कि 50 लाख नहीं देने पर राजनीतिक कैरियर को बर्बाद कर दिया जाएगा।

सुविचार: माना कि बुरा वक्त बताकर नहीं आता, लेकिन जब भी आता है, कुछ ना कुछ सिखा कर जरूर जाता है !

नगर पुलिस ऑयुक्त, हैदराबाद संदीप शांडिल्य ने अंबरपेट, हैदराबाद में पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपना वोट डाला।

धरणी पोर्टल से भूमि मालिकों को पूरा अधिकार मिला : केसीआर

सीएम ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत को जमीन हड़पने वाला बताया

कोडंगल, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पहली बार, बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने मौजूदा धरणी पोर्टल को खत्म करके भूमि पंजीकरण प्रणाली की पुरानी प्रक्रिया को वापस लाने का वादा करने के लिए टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी की कड़ी आलोचना की। सीएम ने कांग्रेस नेता रेवंत को जमीन हड़पने वाला करार दिया। बुधवार को विकाराबाद जिले के कोडंगल विधानसभा क्षेत्र में प्रजा आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी ने जमीन हड़पने के लिए कोई जगह नहीं छोड़ी और जिले में हर जगह जमीन पर कब्जा कर लिया। रेवंत रेड्डी का कहना है कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो धरणी पोर्टल को बाहर निकालकर बंगाल की खाड़ी में फेंक दिया जाएगा। उनका कहना है कि 'धरणी पोर्टल' को हटाकर 'भूमाता' योजना लाई जाएगी। लोगों को कांग्रेस पार्टी की नीतियों के बारे में सोचना चाहिए जो धरणी पोर्टल को खत्म करने और रैतू बंधु योजना को रद्द करने का वादा करती है। अगर धरणी को हटा दिया गया तो

रैतू बंधु को कैसे आना चाहिए,'' केसीआर ने सवाल किया। उन्होंने धरणी पोर्टल को बदलने का वादा करने के लिए कांग्रेस नेताओं पर भी हमला बोला और आरोप लगाया कि कांग्रेस राजस्व दस्तावेजों के पिहानी में किरायेदार को फिर से शामिल करने और वीआरओ और पटवारी प्रणाली को बहाल करने सहित 30 कॉलम शुरू करके पुरानी पंजीकरण प्रणाली को वापस लाने की योजना बना रही है।

''बीआरएस सरकार ने 'धरणी' पोर्टल पेश किया है, जो तेलंगाना राज्य का आधिकारिक भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन पोर्टल है, और भूमि मालिकों को पूरा अधिकार दिया है। आज चाहे आप जमीन बेचें या खरीदें, रजिस्ट्री मिनटों में हो जाती है। किसी अधिकारी के पास जाने की जरूरत नहीं है। म्यूटेशन और रजिस्ट्रेशन सब एक साथ हो रहा है। पासबुक बिना किसी परेशानी के आ रहे हैं। लेकिन कांग्रेस नेता इसे हटाने के लिए कह रहे हैं। उधर, तांडूर में बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने चेतावनी दी है कि अगर तेलंगाना में कांग्रेस सत्ता में आई तो किसानों को पांच घंटे से ज्यादा बिजली नहीं मिलेगी। तांडूर में प्रजा आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक के लोगों को पहले से ही निर्वाचित कांग्रेस सरकार पर पछतावा हो रहा है जो कृषि के लिए केवल पांच घंटे बिजली आपूर्ति दे रही है और किसान पर्याप्त बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। ''अगर कांग्रेस सत्ता में आती है, तो तेलंगाना के किसानों को कर्नाटक जैसी स्थिति का सामना करना पड़ेगा और सभी पर्याप्त बिजली आपूर्ति की मांग करते हुए सड़कों पर आ जाएंगे। यदि बीआरएस पार्टी नहीं चुनी जाती है सत्ता में आने पर लोग फिर मुसीबत में पड़ जाएंगे और स्थिति भयानक हो जाएगी।

जनकल्याण के उद्देश्य से काम कर रही है बीआरएस सरकार : तलसानी

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सनत नगर विधासभा के प्रत्याशी और मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि तेलंगाना सरकार विकास और जन कल्याण के उद्देश्य से काम कर रही है। बुधवार को अमीरपेट डिवीजन के बालकमपेट, वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, ईडब्ल्यूएस और मुस्लिम बस्ती में डोर-टू-डोर प्रचार अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान लोगों ने घरों से पुष्प वर्षा करते हुए और प्रत्याशी तलसानी श्रीनिवास की मंगल आरती की। इस मौके पर तलसानी ने कहा कि मुख्यमंत्री केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार ने साढ़े नौ साल में वह विकास किया है जो 50 साल में नहीं हुआ। तेलंगाना सरकार योजना के साथ विकास में आगे बढ़ेगी। पहले यहां का प्रतिनिधित्व करने वाले लोग सिर्फ चुनाव के दौरान ही नजर आते थे और वह हमेशा लोगों के बीच रहेंगे। उनके आने के बाद विधानसभा क्षेत्र में कई विकास कार्य हुए और लोगों

की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान हुआ। उन्होंने कहा कि विकास करने वालों का समर्थन और विकास में सहयोग करना बाद में मंत्री ने सुप्रभात नगर में बीआरएस पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया। अमीर पेट डिवीजन कई लोगों ने बुधवार को भाजपा से इस्तीफा दे दिया और मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव की उपस्थिति में बीआरएस पार्टी में शामिल हो गए। कॉलोनी में आयोजित कार्यक्रम में शेखर, अशोक, राजू और श्रीनु के नेतृत्व में 25 लोग बीआरएस पार्टी में शामिल हुए। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद नमना सेशुकुमारी, बीआरएस पार्टी डिवीजन अध्यक्ष हनमंथा राव, महासचिव संतोष, नेता अशोक यादव, नरसिम्हा, सुरेंद्र सिंह, ललिता चौहान, टिल्लू, वनम श्रीनिवास, कुमार, नारायण राजू, गुडिगे सत्यनारायण, श्रीनिवास, बासा लक्ष्मी नंदीश गौड़, नारायण रेड्डी अन्य लोगों ने भाग लिया।

कांग्रेस को वोट देना केसीआर को वोट देने जैसा: श्रीशैलम गौड़

कुतबुल्लापुर भाजपा उम्मीदवार ने घर-घर जाकर जनसम्पर्क किया

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुतबुल्लापुर भाजपा प्रत्याशी कुना श्रीशैलम गौड़ ने आज कुतबुल्लापुर 131 मंडल के वेंकटेश्वर, इंद्र सिंह नगर, वाणी नगर, महेंद्र नगर, काकतीय नगर, अंबेडकर नगर और चेरुकुपल्ली की कॉलोनियों में घर-घर जाकर चुनाव प्रचार किया। उन्होंने मतदाताओं से इस महीने की 30 तारीख को होने वाले चुनाव में उन्हें वोट करने का अनुरोध किया। कुतबुल्लापुर मंडल में, लोग बड़ी सख्या में भाजपा के अभियान में साथ आकर कूना श्रीशैलम गौड़ के जीत के लिए समर्थन किया है। इस मौके पर कुना श्रीशैलम गौड़ ने कहा कि लोग कांग्रेस पार्टी पर विश्वास करने की स्थिति में नहीं हैं। अगर वे कांग्रेस को वोट देते हैं, तो चुनाव के बाद केसीआर पार्टी में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी का काम खत्म हो गया है और सभी लोग बीजेपी के पक्ष में हैं। चुनाव के दौरान उन्होंने जनता को अपने वादे समझाये। उन्होंने मलिन बस्तियों में बुनियादी सुविधाओं के साथ

गरीबों को मकान, राशन कार्ड और पेंशन देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि हम तेलंगाना के सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान करेंगे और उन्हें घर और पेंशन देंगे। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के कल्याण के लिए कुतबुल्लापुर में एक विशेष कल्याण बोर्ड स्थापित किया जाएगा। एर्रागड्डा ईएसआई अस्पताल के अलावा जीडिमेटला ईएसआई अस्पताल का आधुनिकीकरण किया जाएगा और इसे सभी के लिए सुलभ बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी जाति समुदायों के लिए कल्याण भवन स्थापित किए जाएंगे और गरीबों को अच्छे कार्य करने के लिए निजी समारोह हॉल के अलावा बहुउद्देश्यीय समारोह हॉल मुफ्त में उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आईडीपीएल चौराहे से गंडी मैसम्मा तक फ्लाई ओवर बनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में स्थानीय भाजपा, जनसेना नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

नरेंद्र मोदी सरकार एससी वर्गीकरण पर संसद में कानून लाने को तैयार : टोकला

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार टोकला श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार एससी वर्गीकरण पर संसद में कानून लाने के लिए तैयार है। अनुसूचित जाति की उपजातियों के आरक्षण हेतु एमएमआरपीएस नेता मंदकृष्ण मदिगा का संघर्ष हर किसी के लिए प्रेरणा है। एससी वर्गीकरण पर प्रधान मंत्री मोदी के वादे के मद्देनजर, एमएमपीएस नेता मंदकृष्ण मदिगा के पूर्ण समर्थन और भारतीय के लिए अभियान के आह्वान के बाद, मैलारदेवपल्ली में टोकला श्रीनिवास रेड्डी के घर जाकर टोकला श्रीनिवास रेड्डी से मुलाकात की। तेलंगाना में मौजूदा विधानसभा चुनाव में उन्होंने एससी वर्गीकरण पर मोदी सरकार द्वारा दिए गए स्पष्ट आश्वासन के लिए

भाजपा और टोकला श्रीनिवास रेड्डी को धन्यवाद दिया।

टोकला श्रीनिवास रेड्डी ने एमएमआरपीएस नेताओं के समर्थन पर खुशी जताई। इस मौके पर टोकला श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि एससी उपजातियों के आरक्षण के लिए मंदकृष्ण मडिगा का संघर्ष अपरिहार्य है। उन्होंने इस बात की सराहना की कि आंदोलन के लिए 30 वर्षों से उठाए गए झंडे को झुकाए बिना अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा करना एक असामान्य बात थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस सहित अन्य दलों ने एससी वर्गीकरण के बारे में बात करने के अलावा कुछ नहीं किया है और स्पष्ट किया कि भाजपा एकमात्र पार्टी है जिसने एससी वर्गीकरण पर स्पष्ट आश्वासन दिया है। इस तथ्य को याद करते हुए कि हाल ही में मंदकृष्ण मदिगा के नेतृत्व में हैदराबाद में आयोजित मडिगाला महासभा में प्रधान मंत्री मोदी मुख्य अतिथि थे। टोकाला ने कहा कि मोदी सरकार बहुत जल्द एससी वर्गीकरण पर न केवल एक समिति बनाने की तैयारी कर रही है, बल्कि इसे पेश भी करेगी। एमएमआरपीएस नेताओं ने कहा कि वे मंदकृष्ण मडिगा के आह्वान के अनुसार राजेंद्रनगर निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार टोकाला श्रीनिवास रेड्डी के समर्थन में व्यापक रूप से प्रचार कर रहे हैं। एमएमआरपीएस नेता, जो बीआरएस शासन के दौरान दलित भाइयों पर हमले और उत्पीड़न में वृद्धि से नाराज हैं। वे कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों को कड़ा सबक सिखाएंगे और दलित सामाजिक वर्ग की ताकत दिखाएंगे। इस कार्यक्रम में एमएमआरपीएस नेता, बीजेपी नेता और दलित समुदाय के नेता शामिल हुए।

फिंगर प्रिंट क्लोनिंग रैकेट का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर क्राइम पीएस, हैदराबाद ने एक फिंगर प्रिंट क्लोनिंग रैकेट गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस टीम ने इस मामले में छह आरोपियों एन. असाधरन उर्फ रूपेश, एस. उदय किरण, मोहम्मद इयाज़, नरेंद्र, आर.शिव कृष्णा, के. श्रीनु ने शामिल है। इन लोगों ने मशीन का उपयोग करके फिंगरप्रिंट क्लोनिंग (रबड़ फिंगर प्रिंट) बनाया है। उन्होंने खाताधारकों के विभिन्न बैंक खातों में अनधिकृत लेनदेन किया है और 10 लाख रुपये की राशि लूट ली है। ज्वाइंट सीपी क्राइम व एसआईटी डॉ. गजराव भूपाल ने बताया कि कि टी. नरेश, क्षेत्रीय प्रमुख, फिनो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड, हैदराबाद से एक शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें शिकायतकर्ता ने कहा कि, बैंक एक कंपनी है। इसका क्षेत्रीय कार्यालय बालमराई, सिकंदराबाद में है। के. श्रीनु को पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल) और बैंक के मर्चेंट पोर्टल का उपयोग करके बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए बिजनेस कॉरस्पोंडेंट के रूप में नामांकित किया गया और उन्हें टर्मिनल आईडी आवंटित किया गया है। के. श्रीनू टर्मिनल आईडी पर लेनदेन में धोखाधड़ी की गई है। जांच के दौरान, यह पता चला कि आरोपी व्यक्तियों ने खुद को एक गिरोह के रूप में बनाया, आधार सक्षम भुगतान प्रणाली के माध्यम से आसानी से पैसा प्राप्त करने के लिए एक साथ साजिश रची। अपनी योजना के अनुसार उन्होंने भूमि पंजीकरण दस्तावेज़ फाइलों से 1000 फ़िंगरप्रिंट को क्लोन फ़िंगरप्रिंट में बदल दिया है। अपनी योजना के अनुसार उन्होंने विभिन्न बैंक खाते और मर्चेंट आईडी खोले हैं। अब तक उन्होंने विभिन्न मर्चेंट आईडी के माध्यम से 2500 एईपीएस (आधार सक्षम भुगतान प्रणाली) लेनदेन किए हैं। उन्होंने निकाली गई रकम बांट ली। इस मामले में तीन लोग फरार है। जांच टीम ने यह सुनिश्चित किया कि 10 लाख रुपए में से बैंक के माध्यम से पीड़ितों को 5 लाख रुपए वापस कर दिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि जब तक पीड़ितों को पूरी रकम वापस नहीं मिल जाती तब तक प्रयास जारी रहेंगा।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा में खैरताबाद विधानसभा के उम्मीदवार चिंतला रामचंदर रेड्डी, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, शंकरलाल अग्रवाल, आदिनारायण शेषैया, सुरेंद्र अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, अशोक अग्रवाल, दसारी श्रीनिवास आदि ने भाग लिया।

अग्रवाल समाज बोवेनपल्ली शाखा का दीपावली मिलन सम्पन्न

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज बोवेनपल्ली शाखा का दीपावली मिलन और अन्नकूट प्रसाद का आयोजन जगदीश मंदिर (टैंकबंड) में किया गया। इस कार्यक्रम में अग्रवाल समाज तेलंगाना के पुरषोत्तम अग्रवाल (उपाध्यक्ष), कंचन अग्रवाल (संयुक्त सचिव), नवीन अग्रवाल (कोषाध्यक्ष), पदम जैन (हरियाणा नागरिक संघ के अध्यक्ष) और राजकुमार सरायवाल (जगदीश मंदिर ट्रस्टी) भाग लिया।

सभी ने प्रथम श्री महाराजा अग्रसेन की पूजा की और अतिथियों का स्वागत किया। बोवेनपल्ली शाखा के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद बंसल, उपाध्यक्ष सुनील अग्रवाल, सचिव अजय तुलसियान, संयुक्त सचिव मोहित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कीर्ति झुनझुनवाला, के एस सदस्य सुमित बंसल, और शाखा के कार्यकारी सदस्य अजय जैन, गौरव जैन, गजानंद गोयल, सुरेश अग्रवाल, ललित बंसल उपस्थित थे। इस अवसर पर शाखा के सदस्य राजेश मित्तल, आनंद खेतान, रमेश बंसल, विनोद ककरानिया, महेश अग्रवाल, अमित अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, अजय अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, बालकिशन अग्रवाल, लक्ष्मण अग्रवाल, महिंदर अग्रवाल , नरेश अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, मोहित जैन, शिवम सिंघल, सौरभ झुंझुनवाला, वैभव अग्रवाल, सबने परिवार के साथ भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं.एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/निविदा सूचना/2023-24 दि.20.11.2023
PUB/1276

निविदा का विवरण पहले ही **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम सं. 01 निविदा सं. टी-202324-3-081, एथारिटीः सीनि. डीइएन/को-आर्ड, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः एके-पीएयु सेक्शनः एडीइएन/पीएयु अधिकार क्षेत्र के तहत निम्न कार्य की पूरा करने की अवधि 21(इक्कीस महिने) (लामबन्दी या मोबिलाइजेशन अवधि (03) महिने मिलाकर) के लिए, बीओएलडीए(बीएलसी) बल्लास्ट डिपो पर 50एमएम गेज हार्ड तथा ड्यूरेबुल मशीन से कुचला या क्रश किया हुवा स्टोन बल्लास्ट की आपूर्ति व स्टैकिंग करना और मेकानिकल ढंग व्दारा तत्संबंधित उसी मटेरियल का हापर/ट्राफिक बल्लास्ट वैगन में लदान (लोडिंग) करना। निविदा मूल्य(रू.) 76435447.79, पूधरा(रू.) 532200.00, पूरा करने की अवधिः इक्कीस महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य(रु.) शून्य

क्रम सं. 02, निविदा सं. टी-202324-3-082, एथारिटीः सीनि.डीइएन/को-आर्ड, कार्य विवरणः एडीइएन/पीएयु सेक्शन में एक वर्ष की अवधि के लिए, पीएयु, पीबीएन, पीकेएनएस, जीएनएच, बीएमएफ, सीडब्ल्यूआय, एसआय़एफ, बीएलसी, एनडीपीआर, डीएनइ, एचएनएल, एनवीएलएन, एमएलएसयु के प्रति प्राइवेट एजेन्सी व्दारा रोड टैंन्कर्स के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति एवं परिवहन कार्य। निविदा मूल्य(रू.) 12998528.40, पूधरा(रू.) 215000.00, पूरा करने की अवधिः बारह महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य(रू.) शून्य

क्रम सं.03, निविदा सं. टी-202324-3-83, एथारिटीः सीनि.डीइएन/को-आर्ड, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन के औरंगाबाद स्टेशन पर कैरेज वाटरिंग सिस्टम(त्वरित जल व्यवस्था या क्विक वाटरिंग आरेंजमेंट) का सुधार कार्य। निविदा मूल्य(रू.) 22691631.58, पूधरा(रू.) 263500.00, पूरा करने की अवधिःबारह महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य(रू.) शून्य

क्रम सं. 04, निविदा सं. टी-202324-3-084, एथारिटीः सीनि.डीइएन/को-आर्ड, कार्य विवरणः एनइडी डिवीजनः सीनि. डीइएन/डब्ल्यू/एनइडी (5.174किमी) आयआरपीएसएम 11,04.31.23.4.53.008 एफवाय 2023-24 के तहत यार्ड्स में लूप लाइन्स का मैन्युएल डीप स्क्रीनींग कार्य। निविदा मूल्य(रू.) 3654413.48, पूधरा(रू.) 73100.00, पूरा करने की अवधिः छह महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य(रू.) शून्य

क्रम सं.)01, निविदा सं. टी-202324-3-081, समान प्रकृति का कार्य(50 लाख रूपये मूल्य से अधिक)-क्षेत्रीय रखरखाव कार्य के अलावा, कोई भी सिविल इंजिनियरिंग कार्य जैसे i) i) मशीन से कुचला हुवा या क्रश किया हुवा ग्रेडेड स्टोन एग्रीगेट्स या रेलवे ट्रैक बल्लास्ट की आपूर्ति या ii) लचीला अथवा फ़्लेक्सीबुल या रिजिड पेवमेन्ट या ग्रैन्युएल सब-बेस (जीएसबी) के बिछाने सहित सडक निर्माण कार्य iii) फाउन्डेशन एवं सबस्ट्रक्चर या क्रान्क्रीट में प्रमुख पूलों(मेजर ब्रिजेस) के सुपरस्ट्रक्चर का निर्माण कार्य, तत्संबंधित आदि शामिल हो।

क्रम सं. 02, 03 निविदा सं. टी-202324-3-082, टी-202324-3-083, समान स्वभाव का कार्य(50 लाख रूपये मूल्य से अधिक)- कोई भी सिविल इंजिनियरिंग कार्य(ट्रैक कार्य/क्षेत्रीय कार्यों को छोडकर)

क्रम सं. 04, निविदा सं. टी-202324-3-084, समान प्रकृति का कार्य(रु.50 लाख मूल्य से अधिक) -लागू नहीं।

उपरोक्त निविदा दि.18/12/2023, 15.00 बजे बंद होगी।
वरिष्ठ डीइएन/पश्चिम/नांदेड

सं.एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/निविदा सूचना/2023-24 दि.18.11.2023
PUB/1277

निविदा का विवरण पहले ही **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम सं. 01, निविदा सं. टी-202324-2-080, एथारिटीः को-आर्ड, कार्य विवरणः एनइडी डिवीजनः एमएमआर-एमयुइ सेक्शनः एमटीडीआय-एमजीसी स्टेशनों के बीच एलसी संख्या 153 @किमी 359/%-8 के एवज में आरयुबी पर रिटेनिन्ग वाल, एप्रोच रोड, जल निकासी या ड्रैनेज कार्य तथा अन्य शेष सहायक कार्य का प्रावधान। निविदा मूल्य(रू.) 27390271.54, पूधरा(रू.) 287000.00, पूरा करने की अवधिः छह महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य(रू.) -शून्य

क्रम सं. 01, निविदा सं. टी-202324-2-080, समान प्रकृति का कार्य(रु.50 लाख मूल्य से अधिक) - क्षेत्रीय कार्यों को छोडकर, कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

उपरोक्त निविदा दि.11.12.2023, 15.00 बजे बंद होगी।
A1758 वरिष्ठ डीइएन/को-आर्ड/नांदेड

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

|| श्री गणेशाय नमः || || श्री सीता रामभ्यां नमः || || श्री हनुमते नमः ||
श्री संकट मोचन दक्षिण मुख वीर हनुमान मंदिर
सी.आर.नगर, कोतवालगुडा रोड, हिमायतसागर पार्क
एक्सोटिका के पास, हैदराबाद (तेलंगाना)
कार्तिक मास शुक्ल पक्ष के उपलक्ष में
श्री रामचरित मानस का अखण्ड पाठ
कार्तिक शुक्ल पक्ष तिथि एकादशी, गुरुवार,
23 नवम्बर 2023 - प्रातः 10.30 बजे से
अन्नकूट प्रसादी (छप्पन भोग)
कार्तिक शुक्ल पक्ष तिथि 12, शुक्रवार
24 नवम्बर 2023 - मध्सन्ह 1 बजे से प्रभु इच्छा तक
स्थल :
श्री संकट मोचन दक्षिण मुख वीर हनुमान मंदिर

सी.आर.नगर, कोतवालगुडा रोड, हिमायतसागर पार्क
एक्सोटिका के पास, हैदराबाद (तेलंगाना)
आयोजक : पं.लालजी शुक्ला
मो. 9399946744, 9700183441
श्री संकट मोचन दक्षिणमुख वीर हनुमान भक्त मंडल
सूचना : प्रति वर्ष 5 बार श्रीराम चरित मानस का अखण्ड पाठ हर 3 महिने में हनुमान जयन्ती के दिन होता है एवं प्रत्येक मंगलवार और शनिवार हनुमान चालीसा और सुन्दरकाण्ड पाठ होता है।
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 23 नवंबर - 2023

हलाल सर्टिफिकेट से क्या नाराजगी है सरकार को ?

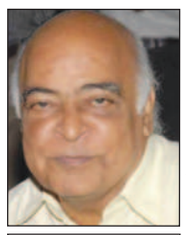

अशोक भाटिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने एक शिकायत के बाद हलाल सर्टिफिकेट देने के कारोबार पर बैन लगा दिया । इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में हलाल सर्टिफाइड प्रॉडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग, सेलिंग और गैर-कानूनी हो गया है। अब यदि कोई फर्म फूड आइटम, दवाइयां और सौंदर्य प्रसाधन के उत्पादों का हलाल सर्टिफिकेट जारी करती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। दरअसल, भारतीय जनता युवा मोर्चा के पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार शर्मा की शिकायत में कहा गया था कि उत्तर प्रदेश में बिना किसी कानूनी अधिकार के एक समुदाय विशेष को प्रभावित करने के लिए फूड आइटम्स, दवाइयां और ब्यूटी प्रोडक्ट्स को हलाल सर्टिफाइड के तहत बेचा जा रहा है। इसमें साबुन, बिस्कुट, टूथपेस्ट, टूथब्रश, चाय पत्ती, चीनी, बेकरी, डेयरी, तेल और नमकीन सहित कई उत्पाद शामिल हैं। समाचारों के अनुसार इस समय चार बड़ी कंपनी जो हलाल सर्टिफिकेट दे रही थी । एक चेन्नई की हलाल इंडिया, दिल्ली की जमीयत उलमा ए हिंद हलाल ट्रस्ट, मुंबई की हलाल काउंसिल ऑफ इंडिया । इन पर यह आरोप लगाया गया था कि ये जो उत्पाद बना रहे हैं वह सिर्फ एक वर्ग विशेष के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए है। उसकी बिक्री को बढ़ावा देने के लिए है। इससे जो दूसरा समुदाय है, उसकी बिक्री कम होती है। सिर्फ यही नहीं एफआईआर में उन्होंने यह भी बात कही है कि इससे टेरर फंडिंग हो रही है और इससे राष्ट्र विरोधी गतिविधियां संचालित हो रही हैं। इस आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। सरकार ने उन सारे उत्पादों पर बैन लगाते हुए छापेमारी शुरू कर दी। सरकार का यह मानना है कि जो इस तरह के खाद्य उत्पाद बिकते हैं या और उत्पाद बिकते हैं उसके लाइसेंसीकरण की जो विधित प्रक्रिया है,वो फूड एंड ड्रग्स एक्ट के तहत आती है। वे उसका पालन नहीं करते। उसके दायरे में ये नहीं आते। इसलिए इस तरह का कोई भी सर्टिफिकेट देना प्रतिबंधित है। दरअसल निजी संस्थाएं यह प्रमाण पत्र जारी कर रही थी । सवाल यह उठता है कि हलाल सर्टिफिकेट लोग लेते क्यों है? इसकी वजह क्या है? हलाल सर्टिफिकेट के शुरुआत को अगर हम देखें तो 1974 से इसकी शुरुआत हुई थी। हलाल सर्टिफिकेट पहले सिर्फ मांस से जुड़े हुए उत्पादों के लिए दिया जाता था। उसके बाद 1993 में यह अन्य प्रोडक्ट जैसे कॉस्मेटिक,साबुन,तेल इसके लिए भी देना शुरू कर दिया गया। इसकी वजह यह थी कि ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कारपोरेशन के तहत जो देश आते हैं सऊदी अरब, दुबई, और लगभग 57 इस्लामी प्रभाव वाले देश हैं वहां पर यह प्रोडक्ट भेजते हैं। उन्होंने इस सर्टिफिकेट को अनिवार्य कर दिया था कि अगर यह हलाल सर्टिफिकेट नहीं लगा होगा तो हम इस तरह के उत्पादों को बेच नहीं सकते हैं। भारत के पतंजलि जैसे संस्था को भी हलाल सर्टिफिकेट लेना पड़ा। तब उनके प्रोडक्ट वहां भेजे जा सके। तो इस वजह से यह अनिवार्य हो गया। लेकिन इस पर सरकार का कोई अधिकार नहीं है। यह जो सारी संस्थाएं हैं वो निजी संस्थाएं हैं और अपने तरीके से हलाल का सर्टिफिकेट देती हैं। हमारे यहाँ निर्यात करने वाले प्रोडक्ट पर किसी भी तरह का बैन नहीं है। दरअसल, यहां का जो खाद्य और औषधि प्रसाधन विभाग है जिसको एफडीए कहते हैं उसका यह मानना था कि हमारे यहां जो खाद्य उत्पाद हैं, कॉस्मेटिक्स हैं,वो फूड एवं ड्रग एक्ट के तहत गवर्न होते हैं।

जो लाइसेंस मिलता था वह फूड सेफ्टी और स्टैंडर्ड अथॉरिटी के तरफ से जारी किया जाता है। जिसे एफएसएसएआई कहते हैं। लेकिन जो हलाल सर्टिफिकेट है उसका प्रमाणीकरण नहीं करते हैं। इस वजह से उन्होंने इस पर बैन लगाया। लेकिन निर्यात को ध्यान में रखते हुए जिसमें 57 इस्लामी प्रभाव वाले देश हैं वहां पर इन उत्पादों को भेज सकें और व्यापार प्रभावित न हो इसके लिए फिलहाल जो निर्यात के लिए भेजे जाने वाले उत्पाद हैं उसे पर किसी तरह का बैन नहीं लगाया गया है।पहले यह मन जाता था कि जो हलाल सर्टिफाइड फूड प्रोडक्ट्स हैं, यह केवल खाद्य उत्पादों के लिए दिए जाते थे। लेकिन धीरे-धीरे यह मेडिकल इक्विपमेंट, दवाइयां, कॉस्मेटिक इन सारी चीजों के लिए दिए जाने लगे। हलाल का मतलब होता है कि जो इस्लामिक कानून के दायरे में आते हों। वही उत्पाद हलाल हैं। तो जाहिर सी बात है कि एक समुदाय विशेष उन उत्पादों को ज्यादा इस्तेमाल करेगा। ज्यादा अच्छे से उसका उपयोग करेगा, जिस पर हलाल सर्टिफिकेट लगा हुआ है। इसलिए उनका आरोप यह था कि एक समुदाय विशेष की बिक्री को बढ़ाने और दूसरे समुदाय विशेष की बिक्री को घटाने के लिए किया जा रहा है। अगर कोई उत्पाद एक वर्ग विशेष में हलाल सर्टिफिकेशन के जरिए जाता है तो जाहिर सी बात है कि वह लोग सिर्फ और सिर्फ उसी तरह के उत्पाद लेंगे। इससे काफी सारा नुकसान समाज को भी होगा। बताया जाता है कि इस पूरे घटनाक्रम में जो हलाल सर्टिफिकेशन देने वाली संस्थाएं हैं वहां टेरर फंडिंग के जरिए पैसा आता है।

इसका आंकड़ा देखें तो हलाल काउंसलिंग ने बहुत पहले एक रिसर्च करवाया था जिसके आधार पर पूरे बाजार में इस तरह के सार्टिफिकेट वाले उत्पादों की हिस्सेदारी सिर्फ 19% है। और अगर सर्टिफिकेट लेते भी है तो एक बार के सर्टिफिकेट लिए 26 से लेकर 60,000 रुपये लगता है। तो जाहिर सी बात है कि पूरे देश में इसमें करोड़ों रुपए इंवॉल्व होता है। तो यह सारा पैसा जो आता है तो इनका आरोप था कि वह बाद में टेरर फंडिंग के लिए, राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए भेजा जाता है। इसी के बाद से योगी सरकार ने इसकी जांच के लिए एसटीएफ को लगाया है। जिससे इसके बाकी सारे जो आयाम हैं उसको चेक कर सके और उस पर लगाम लगा सके। बताया जा रहा है कि एसटीएफ जल्द ही उन सारी कंपनी को जिसमें चेन्नई की हलाल इंडिया है, दिल्ली की जमीयत उलमा ए हिंद हलाल ट्रस्ट है, मुंबई की हलाल काउंसिल आफ इंडिया है, इन सबको नोटिस को जारी करने जा रही है। नोटिस जारी करने के बाद उनसे पूछताछ करेगी। उनके सारे लोगों को बुलाएगी तो फिर इसका दायरा बढ़ेगा। तो इस वजह से इसका सारा जो फोकस है वो आतंकवादी लिंक खोजने में लग गया है। इसलिए एसटीएफ को इसमें लगाया गया है। एसटीएफ आसानी के साथ मुंबई, दिल्ली और चेन्नई सहित अन्य राज्यों में हलाल प्रमाणित उत्पादों को तैयार करने वाली कंपनियों के ठिकानों पर कभी भी छापेमारी कर सकती है।

उच्च आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, एसटीएफ इस जांच के लिए अलग से एक टीम का गठन कर रही है। इसका काम केवल इसी मामले की तेजी के साथ जांच करना होगा।पुलिस और एसटीएफ की जांच के आधार पर टेरर फंडिंग और प्रतिबंधित कट्टरपंथी संगठनों के साथ कंपनियों के संबंधों की आगे की जांच के लिए सरकार आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) को भी लगा सकती है। बीते कुछ समय से उत्तर प्रदेश में लगातार आर्तकियों की हो रही गिरफ्तारी और उन्हें की जा रही टेरर फंडिंग की जांच एटीएस की टीमें पहले से ही कर रही हैं।एसटीएफ जांच की शुरुआत उक्त कंपनियों, डिस्ट्रीब्यूटरों और उत्पाद विक्रेताओं के बैंक खातों से करेगी। सूत्रों का कहना है कि बैंक खातों की जांच के बाद ही तमाम सच्चाई सामने आ जाएगी। साथ ही कंपनियों द्वारा विदेशों में उत्पादों की आपूर्ति के बदले धनराशि किस माध्यम से ली जाती थी, इसकी भी जांच एसटीएफ की टीम करेगी।

खसरा से फिर खतरा

मौजूदा दौर में सामान्य से लेकर कोरोना जैसे जटिल रोगों के इलाज और उससे पार पाने के तमाम उपाय चिकित्सा जगत ने कर लिया है। इसके बाद भी कुछ ऐसी पुरानी बीमारियां हैं जिन पर फिर से खतरा मंडराने की गुंजाइश बनती जा रही है। बहरहाल, ऐसी गंभीर बीमारियों के उन्मूलन के लिए लंबे संमय से लडाई चल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लूएचओ और अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र यानी सीडीसी ने अपनी ताजा रिपोर्ट में खुलासा किया है कि ऐसे ही गंभीर रोगों में खसरा फिर सिर उठा रहा है। बता दें कि खसरे के टीकाकरण में पिछले कुछ वर्षों की गिरावट के बाद 2022 में इस रोग के मामलों में अठारह फीसद तक की बढ़ोतरी हुई है। भयावह यह है कि आज इससे संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ कर नब्बे लाख तक पहुंच गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 और 2022 के बीच खसरे से होने वाली मौतों में तैंतालीस फीसद का इजाफा हुआ है। पिछले साल इस रोग से एक लाख छत्तीस हजार लोगों की जान चली गई, जिनमें ज्यादातर बच्चे थे। इससे इस रोग की गंभीरता को आसानी से समझा जा सकता है। बता दें कि एक विषाणु से होने वाले संक्रमण के लिहाज से खसरा बहुत ही संवेदनशील रोग है। संक्रमित व्यक्ति की सांस, छींक या खांसी से निकलने वाली बूंदों से भी यह रोग तेजी से फैलता है। यह इतना गंभीर है कि इससे पीडित मरीज की जान तक जा सकती है। सवाल है कि जब इससे निपटने के लिए हर स्तर पर सकारात्मक तस्वीर दिखने लगी थी तो अचानक इस रोग के खतरा बन जाने के हालात कैसे पैदा हो गए। विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में कोरोना महामारी और उससे बने हालात को देखते हुए खसरे के टीकाकरण की दर में काफी तेजी से गिरावट आई। इस वजह से अन्य बहुत सारे जरूरी कामों के साथ-साथ कई बीमारियों की रोकथाम के लिए समयबद्ध टीकाकरण का काम भी बुरी तरह से प्रभावित हुआ था। देखा जाए तो आमतौर पर खसरा के टीके की दो खुराक की काफी होती है। 2021-22 के बीच लगभग 3.3 करोड़ बच्चे इस टीके से वंचित रह गए, जिनमें से ज्यादातर को पहली और बहुत सारे बच्चों को दूसरी खुराक नहीं मिल पाई। जबकि इस रोग से लड़ने के लिए सबसे कारगर रास्ता टीकाकरण को माना जाता है। विडंबना देखिए कि एक समय जहां इसके उन्मूलन को लेकर उम्मीदें जगने लगी थीं, वहीं पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसका खतरा तेजी से फैलने लगा है। 2021 में बाईस देशों में इसके असर का पता चला था, लेकिन 2022 में इसकी चपेट में आने वाले देशों की संख्या सैंतीस हो गई। इसका सीधा अर्थ है कि खसरे पर नियंत्रण पाने के दावों या कोशिशों के उलट इसका प्रकोप तेजी से फैल रहा है। सबसे ज्यादा ज्यादा चिंता की बात तो यह है कि जिन देशों में खसरा के नए मामले पाए गए हैं, वहां इसके उन्मूलन का लक्ष्य हासिल कर लिए जाने की बात कही गई थी। डब्लूएचओ के मुताबिक, भारत खसरा के मामलों में दुनिया भर में चौथे स्थान पर है। यहां 'मिशन इंद्रधनुष' की मदद से सन 2023 तक खसरे को खत्म करने की बात कही गई थी। फिलहाल जो हालात दिख रहे हैं, उसमें खसरे के खतरे से जूझ रहे दुनिया के अन्य देशों के साथ-साथ भारत भी पीछे नहीं है, जो चिंता की बात है।

धर्मनिरपेक्षता देश के विश्वास की बुनियाद

संजीव ठाकुर

धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र को सशक्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण एवं शाश्वत सिद्धांत है 1 धर्मनिरपेक्षता भारतीय राजनीति का मूल आधार तत्व है1 जिसमें राजनीतिक दलों को भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका अंतर्निहित है1 धर्मनिरपेक्षता धार्मिक उग्रवाद का बड़ा विरोधी भाव है । इसमें धर्म के प्रति विद्वेष का भाव नहीं होता है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर किया जाता है। इस आधुनिक काल में धर्मनिरपेक्षता सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांत में प्रस्तुत सर्वाधिक जटिल शब्दों में एक है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ पाश्चात्य तथा भारतीय संदर्भ में अलग-अलग है। भारतीय धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य समाज में विभिन्न धार्मिक मतों का अस्तित्व मूल्यों को बनाए रखने सभी मतों का विकास और समृद्धि करने की स्वतंत्रता का तथा साथ ही साथ सभी धर्मों के प्रति एक समान आदर तथा सहिष्णुता विकसित करना है। पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जहां धर्म और राज्यों का एक दूसरे के मामले में हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्तियों और उसके अधिकारों को केंद्रीय महत्व दिया जाना शामिल है। यद्यपि भारतीय धर्मनिरपेक्षता मैं पश्चिमी भाव तो शामिल हैं साथ-साथ कुछ अन्य भाव भी शामिल किए गए हैं1 धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति समाज या राष्ट्र अभाव होता है, जो किसी विशेष धर्म या अन्य धर्मों की तुलना में पक्षपात नहीं करता है। भारतीय संदर्भ धर्मनिरपेक्षता की आजादी के बाद बड़ी स्वच्छ एवं स्वस्थ सार्वभौमिक परंपरा रही है।इसमें किसी व्यक्ति से धर्म और संप्रदाय के नाम पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता है1 प्रत्येक नागरिक को इसके अंतर्गत स्वतंत्रता प्राप्त होती है कि वह अपनी इच्छा अनुसार किसी भी धर्म को अपनाएं एवं किसी भी व्यक्ति के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करें, भारत में धर्म और राजनीति को एक दूसरे से अलग तथा पृथक रखने की हमेशा कोशिश की गई है1 भारत में राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है, यहां राज्य की नजर में सब एक समान है1 भारत में धर्मनिरपेक्षता में सभी धर्मों को समानता का दर्जा प्रदान किया गया है। सभी धर्मों के नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी धर्मों के नागरिकों को समान आदर व इज्जत से व्यवहार करें1 भारतीय धर्मनिरपेक्षता राज्य के सभी धर्मों को विकास का समान अवसर देती है, इस प्रकार यह माना जा सकता है कि धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्म समभाव पर विशेष महत्व देकर उस पर केंद्रित करती है1 धर्मनिरपेक्षता के अंतर्गत तर्क और विवेक की प्रधानता होती है, सभी व्यक्ति को सब कुछ कहने और विचार करने की स्वतंत्रता होने के साथ-साथ वैज्ञानिक आविष्कारों को भी पूर्ण अधिकार के साथ प्रोत्साहित भी किया जाता है1 भारतीय संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता से विविधता में एकता को बल मिलता है । हालांकि कुछ राजनीतिक दलों ने समय-समय पर भारतीय धर्मनिरपेक्षता को सत्ता प्राप्त करने हेतु कमजोर करने की कोशिश की है, यह हमारी जिम्मेदारी तो है ही साथ ही आम जनता, राजनीतिक दलों,मीडिया एवं सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की महती जिम्मेदारी है कि भारतीय संविधान के अनुरूप धर्मनिरपेक्षता का राजनीतिक, सामाजिक जीवन में पालन करें, जिससे हमारे देश का लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ होकर विश्व के लिए एक आदर्श प्रतिमान प्रस्तुत करें1 आजादी के पूर्व तथा आजादी के पश्चात महात्मा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री आदि नेताओं का धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के प्रति अटूट श्रद्धा एवं विश्वास था1 स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय आंदोलन से पहले ही सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन ने धर्मनिरपेक्षता का मार्ग प्रशस्त कर दिया था,और स्वतंत्रता के बाद भारत में धर्मनिरपेक्षता की लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अपनाई गई है, जिसके अंतर्गत व्यक्ति को समानता स्वतंत्रता व न्याय जैसे मानव अधिकार प्राप्त हैं।

क्यों भारत चाहता है बांग्लादेश में शेख हसीना की वापसी

आर.के. सिन्हा

पड़ोसी देश बांग्लादेश में 12वां संसदीय चुनाव 7 जनवरी, 2024 को होगा और जाहिर तौर पर भारत की इन चुनावों पर करीबी नजर रहने वाली है। बांग्लादेश में नई संसद के चुनाव की घोषणा के साथ ही स्वाभाविक रूप से राजनीतिक तनाव और उपद्रव भी शुरू हो गए हैं। प्रमुख विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी ने मांग की है कि चुनाव एक गैर-पार्टी अंतरिम सरकार की निगरानी में हों। इसके नेता और कार्यकर्ता प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के इस्तीफे की मांग करते हुए सड़कों पर उतर आए हैं। शेख हसीना की सत्तारूढ़ अवामी लीग ने विपक्ष की मांग को खारिज कर दिया है और कहा है कि चुनाव शेख हसीना के नेतृत्व में ही होंगे। इस बीच, भारत की तो चाहत होगी कि अगले चुनाव में भी अवामी पार्टी को सफलता मिले। इसमें कोई शक नहीं है कि शेख हसीना भारत के प्रति कृतज्ञता का भाव रखती हैं और भारत भी उन्हें हर संभव सहयोग देता रहता है। शेख हसीना और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंध मजबूत हो रहे हैं, जो ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों और आपसी विश्वास और समझ पर आधारित है। भारत ने शेख हसीना को विगत सितंबर के महीने में नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में मित्र देश के रूप में आमंत्रित किया था। हालांकि बांग्लादेश जी-20 का सदस्य देश तो नहीं है, पर भारत ने बांग्लादेश को मेजबान तथा जी-20 के अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित करके साफ संकेत दे दिया था कि वह पड़ोसी मित्र देश को बहुत अहमियत देता है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने हमेशा इस तथ्य को माना है कि भारत ने बांग्लादेश की आजादी में महत्वपूर्ण रोल निभाया था। शेख हसीना के लिए भारत की राजधानी नई दिल्ली तो अपने दूसरे घर की तरह की है। उन्होंने यहां सन 1975 से 1981 के दौरान निर्वासित जीवन गुजारा था। तब उनके साथ उनके पति डॉ.एम.ए.वाजेद मियां और उनके दोनों बच्चे भी थे। दरअसल शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक बंग बंधु शेख मुजीब-उर-रहमान, मां और तीन भाइयों का 15 अगस्त, 1975 को कत्ल कर दिया गया था ढाका में। उस भयावह कत्लेआम के समय शेख हसीना अपने पति और बच्चों के साथ जर्मनी में थीं। इसलिए उन सबकी जान बच गई थीं। शेख हसीना के परिवार के कत्लेआम ने उन्हें बुरी तरह से झंझोड़ कर रख दिया था। वे टूट चुकी थी। तब भारत ने उन्हें राजनीतिक शरण दी थी। बेशक, शेख हसीना के जीवन में दिल्ली का बहुत महत्व रहा है। यहां पर उनके पिता शेख मुजीब-उर-रहमान के नाम पर एक सड़क भी है। शेख मुजीब उर रहमान बांग्लादेश के मुक्ति आंदोलन में केंद्रीय शख्सियत रहे थे।

वे 10 जनवरी 1972 को दिल्ली आए थे। तब उनका पालम हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत हुआ था। उस दिन राजधानी में कड़ाके की सर्दी पड़ रही थीं। उन्होंने बांग्लादेश के मुक्ति आंदोलन में भारत के सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया था। उनका हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनकी सारी कैबिनेट ने स्वागत किया था। हवाई अड्डे पर दोनों देशों के राष्ट्रगान हुए। पालम हवाई अड्डे से लेकर राष्ट्रपति भवन तक के मार्ग पर हजारों दिल्ली वाले उनका हाथ हिलाकर अभिवादन कर रहे थे। उन्होंने कोलकाता के मौलाना आजाद कॉलेज से कानून की पढ़ाई की थी और वहां पर ही वे छात्र राजनीति में शामिल हुए थे। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत-बांग्लादेश संबंध वर्तमान समय में ठीक दिशा में बढ़ रहे हैं। सन 1947 में धर्म के नाम पर पाकिस्तान बना और 1972 में पाकिस्तान टूटा। उस टूट से निकला बांग्लादेश। पाकिस्तान में एक वर्ग बांग्लादेश से इस आधार पर नाराज रहता है कि उसने 'टू नेशन थ्योरी' को गलत साबित कर दिया। जो कभी एक थे, उनमें से एक की राह अलग है, शेष दो से। वर्तमान में पाकिस्तान के भारत और बांग्लादेश दोनों से ही संबंध बेहद ही तनावपूर्ण चल रहे हैं। कमोबेश सांकेतिक राजनयिक संबंधों के अलावा भारत और बांग्लदेश ने पाकिस्तान से दूरियां बनाई हुई हैं। बांग्लादेश फूटी नजर से भी नहीं देखता पाकिस्तान को।

बांग्लादेश ने 1971 के नरसंहार के गुनाहगार और जमात-ए-इस्लामी के नेता कासिम अली को कुछ साल पहले फांसी पर लटकाया था। इस पर पाकिस्तान ने आपत्ति जताई। बांग्लादेश ने दो टूक शब्दों में सुना दिया था कि वह पाकिस्तान की ओर से उसके आतंरिक मसलों में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा। दोनों मुल्कों के संबंधों में तल्खी को समझने के लिए गुजरे दौर के पन्नों को पलटना ठीक रहेगा। शेरे-ए-बंगाल कहे जाने वाले मुस्लिम लीग के मशहूर नेता ए.के.फजल-उर- हक ने 23 मार्च, 1940 को लाहौर में मुस्लिम लीग के सम्मेलन में पृथक राष्ट्र पाकिस्तान का प्रस्ताव रखा था। उस तारीखी सम्मेलन में संयुक्त बंगाल के नुमाइंदों की बड़ी भागेदारी थी। वे सब भारत के मुसलमानों के लिए पृथक राष्ट्र की मांग कर रहे थे। सात साल के बाद 1947 में पाकिस्तान बना और फिर करीब 25 बरसों के बाद खंड-खंड हो गया। ईस्ट पाकिस्तान बांग्लादेश के रूप में दुनिया के मानचित्र पर सामने आया। यानी पाकिस्तान से एक और मुल्क निकला। अब दोनों एक-दूसरे की जान के प्यासे हो गए हैं। 1971 में जिस नृंशसता से पाकिस्तानी फौजों ने ईस्ट पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) के लाखों लोगों का कत्लेआम किया था, उसको लेकर ही दोनों मुल्क लगातार आमने-सामने रहते हैं। युद्ध संवाददाता के रूप में स्वयं नृशंसता का साक्षी रहा हूँ I

शेख हसीना बांग्लादेश में उस कत्लेआम के गुनाहगारों को लगातार दंड दे रही हैं। कासिम को फांसी उसी कत्लेआम में शामिल होने के चलते मिली। जरा देखिए कि यह बात पाकिस्तान को गले नहीं उतर रही। याद रख लें कि शेख हसीना के रहते तो पाकिस्तान को बांग्लादेश घास डालने वाला नहीं है। बहरहाल, भारत की चाहत है कि शेख हसीना बांग्लादेश में हिन्दुओं पर होने वाले हमलों पर भी रोक लगाए। उन्हें भी सम्मान पूर्वक स्वतंत्र जीवन यापन का अधिकार सुरक्षित करवायें I आपको याद होगा कि बांगलादेश में पिछले आम चुनावों में शेख हसीना की विजय के बाद भी अल्पसंख्यकों पर हमले तेज हो गए थे। राजशाही, जौसोर, दीनाजपुर वगैरह शहरों में हिन्दुओं पर बहुत हमले हुए थे। शेख हसीना का आगामी आम चुनाव के बाद भी देश का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय है। उन्हें भारत के साथ संबंधों को मजबूती देते हुए अपने देश के हिन्दुओं के हितों का ध्यान देना होगा।

बढ़ते हुए तलाक कर रहे सामाजिक ताने-बाने ख़ाक

प्रियंका सौरभ

भारत में, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में, उच्च तलाक दरों की बढ़ती प्रवृत्ति सामाजिक और शैक्षणिक रुचि का विषय बन गई है। तलाक की बढ़ती प्रवृत्ति, पारंपरिक मानदंडों से हटकर, सामाजिक ताने-बाने में बदलाव का संकेत दे रहा है इसलिए इसके कारणों की गहन जांच की आवश्यकता है। शहरों में संयुक्त से एकल परिवारों में परिवर्तन के कारण विस्तारित परिवारों की संख्या कम हो गई है। हाल के वर्षों में, भारत में तलाक के मामलों में उल्लेखनीय और तीव्र वृद्धि देखी गई है, जो सामाजिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक मानदंडों में उल्लेखनीय बदलाव को दर्शाता है। परंपरागत रूप से, भारत पारिवारिक मूल्यों और विवाह की पवित्रता पर ज़ोर देने के लिए जाना जाता है। हालाँकि, कई कारकों ने बदलती गतिशीलता में योगदान दिया है, जिससे देश भर में तलाक की दर में वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में पारिवारिक संरचनाओं में उल्लेखनीय बदलाव आया है। समाजशास्त्रीय अध्ययनों ने शहरी भारतीय परिवारों में बढ़ते व्यक्तिवाद पर तेजी से ध्यान केंद्रित किया है। पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव, वैश्वीकरण और मीडिया की पहुँच ने शहरी भारतीयों को विवाह और तलाक पर विभिन्न दृष्टिकोणों से परिचित कराया है। गौरतलब है कि पश्चिमी मीडिया और वैश्वीकरण के प्रभाव ने भारतीय समाज की प्रेम और रिश्तों की धारणा को प्रभावित किया है। युवा पीढ़ी पारंपरिक पारिवारिक अपेक्षाओं की तुलना में व्यक्तिगत खुशी और अनुकूलता को प्राथमिकता देने लगी है, जिसके कारण जब उनकी शादी में संतुष्टि नहीं मिलती है तो वे तलाक को एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में मानने लगते हैं। भारत अधिक व्यक्तिवादी होता जा रहा है, लोग पारिवारिक और सामाजिक अपेक्षाओं पर व्यक्तिगत खुशी और स्वायत्तता को प्राथमिकता देने लगे हैं। पैसों पर असहमति और वित्तीय कुप्रबंधन के कारण पति-पत्नी के बीच झगड़े हो रहें हैं। असंगत पालन-पोषण शैलियों के मामलों में, कुछ जोड़े बच्चों के पालन-पोषण के लिए अधिक उपयुक्त वातावरण की तलाश में तलाक का विकल्प चुन रहें हैं। कार्य असाइनमेंट या उच्च शिक्षा के कारण अलगाव की विस्तारित अवधि विवाहों में तनाव पैदा कर रही है। ससुराल वालों के साथ संघर्ष विशेषकर संयुक्त परिवार में वैवाहिक तनाव को बढ़ावा देता है। सोशल मीडिया और डेटिंग ऐप्स ने शहरी भारत में संबंधों की गतिशीलता को बदल दिया है। सोशल मीडिया और प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग से पति-पत्नी के बीच विश्वास संबंधी समस्याएं, ईर्ष्या और गलतफहमियां पैदा हो रही हैं। व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए जिस तेजी से लोगों के बीच अंतरंगता बढ़ी है। उसी तेजी से सोशल मीडिया प्लेटफार्म विवाह विच्छेद और तलाक की वजह भी बन रहे हैं। स्थिति यह है कि महानगरों में डिवोर्स के हर 10 प्रकरण में से 4 की वजह सोशल मीडिया के कारण पति-पत्नी की अन्य लोगों से बढ़ी अंतरंगता और एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर हैं। पति-पत्नी के बीच अप्रभावी संचार से गलतफहमियाँ, अनसुलझे झगड़े और भावनात्मक दूरियाँ पैदा हो सकती हैं, जो अंततः वैवाहिक टूटने का कारण बन सकती हैं। जनम-जनम के रिश्तों में दूरियां और कड़वाहट पैदा कर रहा सोशल मीडिया, रोक-टोक मियां और बीवी को मंजूर नहीं है। उच्च तनाव वाली शहरी जीवनशैली ने मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों में योगदान दिया है, जिससे वैवाहिक स्थिरता पूर्ण जीवन प्रभावित हुआ है। इंडियन साइकाइट्री सोसाइटी सहित अन्य अध्ययनों से पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में पहले की तुलना में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो पारिवारिक गतिशीलता को प्रभावित कर रही है। पति-पत्नी के बीच अप्रभावी संचार से गलतफहमियाँ, अनसुलझे झगड़े और भावनात्मक दूरियाँ पैदा हो रही हैं, जो अंततः वैवाहिक टूटने का कारण बन रही हैं। शराब जैसे मादक द्रव्यों के सेवन की बढ़ती समस्या घरेलू हिंसा और विवाहों में अस्थिरता को जन्म दे रही है। कैरियर की अलग-अलग आकांक्षाएं और नौकरी में स्थानांतरण भागीदारों के बीच शारीरिक दूरी पैदा कर सकता है, जिससे रिश्ते में तनाव पैदा हो रहा है। अवसाद और चिंता जैसे मानसिक स्वास्थ्य मुद्दे किसी व्यक्ति की स्वस्थ विवाह को बनाए रखने की क्षमता को प्रभावित कर रहें हैं। विवाह के भीतर पारंपरिक लिंग भूमिकाएं और अपेक्षाएं असमानता और असंतोष का कारण बन रही हैं, खासकर जब एक साथी विशिष्ट जिम्मेदारियों से अधूरा या बोझ महसूस करता है।

कृपया सीट की पेटी बाँध लें

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

देवियो ! और सज्जनो ! आपका स्वागत है। कृपया अपनी सीट बेल्ट बांधें, अपनी ट्रे टेबल को सीधी और बंद स्थिति में रखें, और सीट बेल्ट को बांधने और खोलने के तरीके के पूरी तरह से अनावश्यक प्रदर्शन के लिए तैयार रहें। क्योंकि, आप जानते हैं, उड़ान के इतने वर्षों के बाद भी, आप अभी भी इसका पता नहीं लगा पाए हैं। ओह, और चिंता न करें यदि आप जहाज पर कोई नाश्ता नहीं लाए हैं, तो हम अपने अत्यधिक महंगे, बमुश्किल खाने योग्य भोजन के लिए आपसे एक हाथ और एक पैर का शुल्क लेना सुनिश्चित करेंगे। और यदि आप भाग्यशाली हैं, तो हम आपको मुफ्त में आधा कप गर्म, पानी वाली कॉफी भी दे सकते हैं। आपका स्वागत है। आपके मनोरंजन के लिए, हम आपको एक सुरक्षा वीडियो दिखाएंगे जिसे आप इंजन की आवाज़ पर नहीं सुन पाएंगे, इसलिए बस आराम से बैठें, आराम करें और ऐसा दिखावा करें जैसे आप वास्तव में निकटतम आपातकालीन निकास के स्थान की परवाह करते हैं.

और अंत में, हमारी प्यारी एयर होस्टेस नकली मुस्कुराहट और अति-उत्साह के साथ गलियारे में परेड करेंगी क्योंकि वे आपको उस तरह के आतिथ्य के साथ सेवा प्रदान करेंगी जिसे केवल इस रूप में वर्णित किया जा सकता है कि हमें आपके साथ अच्छा व्यवहार करने के लिए भुगतान किया जा रहा है।

इसलिए कृपया हमारा दिन बर्बाद न करें। हमारे साथ उड़ान भरने का विकल्प चुनने के लिए धन्यवाद।

हम आशा करते हैं कि आपकी यात्रा औसत दर्जे की और सुरक्षित, लेकिन बहुत आरामदायक नहीं होगी। और याद रखें, हमारा फ्रीक्वेंट फ़्लायर कार्यक्रम आपको यह महसूस कराने की एक चाल है कि आपको कुछ विशेष मिल रहा है, जबकि वास्तव में आपको केवल कुछ अतिरिक्त मूंगफली मिल रही हैं और यह जानकर संतुष्टि है कि आपने हमारी तंग जगह में बहुत अधिक समय बिताया है।

देवउठनी एकादशी आज

सुबह भगवान विष्णु को जगाया जाएगा, शाम को शालिग्राम रूप में तुलसी से विवाह और दीपदान होगा

-पंढ़रीनाथ नर्सिकर

हिंदू पंचांग के मुताबिक कार्तिक महीने की शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी का विशेष दिन है। इसे देव प्रबोधिनी एकादशी और देवोत्थान एकादशी भी कहा जाता है। इस बार 23 नवंबर को ये त्योहार मनेगा।

इस दिन सूरज उगने से पहले ब्रह्म मुहूर्त में शंख बजाकर भगवान विष्णु को जगाया जाएगा। दिनभर महापूजा और भगवान का श्रंगार होगा। शाम को भगवान विष्णु के शालग्राम रूप से तुलसी विवाह होगा और दीपदान किया जाएगा।

पुराणों के मुताबिक विष्णु जी ने शंखासुर दैत्य को मारा था और उसके बाद चार महीने के लिए योग निद्रा में चले गए थे। फिर कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी पर चार महीने का वक्त पूरा होने के बाद जागते हैं।

पौराणिक मान्यता ये भी है कि इसी दिन से भगवान विष्णु दोबारा सृष्टि चलाने की जिम्मेदारी संभालते हैं और इसी दिन से हर तरह के मांगलिक काम भी शुरू हो जाते हैं। इसलिए देव उठनी एकादशी पर भगवान विष्णु की विशेष पूजा करने का महत्व है।

दीपदान की परंपरा

देव प्रबोधिनी एकादशी पर तीर्थ स्नान-दान, भगवान विष्णु की विशेष पूजा और शालिग्राम-तुलसी विवाह के साथ ही दीपदान करने की भी परंपरा है। इन सभी धर्म-कर्म से कभी न खत्म होने वाला पुण्य मिलता है।

पुराणों में बताया गया है कि कार्तिक महीने में दीपदान से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। 23 से 27 नवंबर तक कार्तिक त्रयोदशी, बैकुंठ चतुर्दशी और कार्तिक पूर्णिमा पर्व भी रहेंगे। इन 3 तिथियों में दीपदान से भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी की विशेष कृपा मिलती है।

मंदिर में करें दर्शन, घर पर ऐसे करें पूजा

सुबह जल्दी जागकर स्नान कर निकट के किसी मंदिर में जाकर भगवान के दर्शन करें, प्रसाद अर्पित करें।

घर के पूजा घर में साफ-सफाई कर पूरी शारीरिक स्वच्छता के साथ दीप प्रज्वलित करें। भगवान विष्णु का गंगा जल से अभिषेक कर पुष्प और तुलसी दल अर्पित करें। इस दिन व्रत रखने का भी बड़ा विधान है जो अपनी क्षमता के अनुरूप आप कर सकते हैं।

तुलसी विवाह की परंपरा भी है इस दिन इस दिन भगवान विष्णु के शालग्राम अवतार और माता तुलसी का विवाह किया जाता है। भगवान की आरती करें। उन्हें सिर्फ सात्विक चीजों का भोग लगाया जाता है। भगवान विष्णु के भोग में तुलसी को जरूर रखें क्योंकि बिना तुलसी के भगवान विष्णु भोग ग्रहण नहीं करते हैं। इस पावन दिन भगवान विष्णु के साथ ही माता लक्ष्मी की पूजा भी करें। इस दिन भगवान का अधिक से अधिक ध्यान करें।

देवउठनी एकदशी पर इन आरतियों से संपन्न करें पूजा भगवान विष्णु के साथ माँ तुलसी भी होगी प्रसन्न

श्री तुलसी माता की आरती

जय जय तुलसी माता
सब जग की सुख दाता, वर दाता
जय जय तुलसी माता ।।
सब योगों के ऊपर, सब रोगों के ऊपर
रुज से रक्षा करके भव त्राता
जय जय तुलसी माता।।
बटु पुत्री हे श्यामा, सुर बल्ली हे ग्राम्या
विष्णु प्रिये जो तुमको सेवे, सो नर तर जाता
जय जय तुलसी माता ।।
हरि के शीश विराजत, त्रिभुवन से हो वन्दित
पतित जनो की तारिणी विख्याता
जय जय तुलसी माता ।।
लेकर जन्म विजन में, आई दिव्य भवन में
मानवलोक तुम्ही से सुख संपति पाता
जय जय तुलसी माता ।।
हरि को तुम अति प्यारी, श्यामवरण तुम्हारी
प्रेम अजब हैं उनका तुमसे कैसा नाता
जय जय तुलसी माता ।।

हिन्दू धर्म में देवउठनी एकादशी का खास महत्व है। इस वर्ष देवउठनी एकादशी 23 नवंबर को मनाई जाएगी। देवउठनी एकादशी को छोटी दिवाली भी कहा जाता है। देवउठनी एकादशी दिवाली के ग्यारवें दिन आने वाली एकादशी को बोला जाता है। इस दिन देशभर में शादियों का सीजन भी आरम्भ हो जाता है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक, कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को सृष्टि के संचालक प्रभु श्री विष्णु तथा समस्त देव चार महीने के पश्चात विश्राम से जागते हैं, इसलिए इस दिन जब देव उठते हैं तो उसे देवउठनी एकादशी कहते हैं। ऐसे में कहा जाता है अगर हर दिन तुलसी जी की आरती को ना किया जा सके तो देव प्रबोधिनी एकादशी पर जरूर से जरूर इसे पढ़ना चाहिए। अब आज हम आपको बताने जा रहे हैं श्री तुलसी माता की आरती जिसका पाठ आपको देवउठनी एकादशी पर जरूर करना है क्योंकि इसे करने से आपके सभी पाप कट जाएंगे तथा आपको बड़े लाभ प्राप्त होंगे।

एकादशी की आरती

ॐ जय एकादशी, जय एकादशी,
जय एकादशी माता ।
विष्णु पूजा व्रत को धारण कर,
शक्ति मुक्ति पाता ।। ॐ।।
तेरे नाम गिनाऊं देवी, भक्ति प्रदान करनी ।
गण गौरव की देनी माता, शास्त्रों में वरनी ।।ॐ।।
मार्गशीर्ष के कृष्णपक्ष की उत्पन्ना,
विश्वतारनी का जन्म हुआ।
शुक्ल पक्ष में हुई मोक्षदा,
मुक्तिदाता बन आई।। ॐ।।
पौष के कृष्णपक्ष की, सफला नामक है,
शुक्लपक्ष में होय पुत्रदा, आनन्द अधिक रहै ।। ॐ ।।
नाम षटतिला माघ मास में,
कृष्णपक्ष आवै।
शुक्लपक्ष में जया, कहावै, विजय सदा पावै ।। ॐ ।।
विजया फागुन कृष्णपक्ष में शुक्ला आमलकी,
पापमोचनी कृष्ण पक्ष में, चैत्र महाबलि की ।। ॐ ।।
चैत्र शुक्ल में नाम कामदा,
धन देने वाली,
नाम बरुथिनी कृष्णपक्ष में, वैसाख माह वाली ।। ॐ ।।
शुक्ल पक्ष में होय मोहिनी अपरा
ज्येष्ठ कृष्णपक्षी,
नाम निर्जला सब सुख करनी,
शुक्लपक्ष रखी।। ॐ ।।
योगिनी नाम आषाढ में जानों,
कृष्णपक्ष करनी।
देवशयनी
नाम कहायो, शुक्लपक्ष धरी ।। ॐ ।।
कामिका श्रावण मास में आवै,
कृष्णपक्ष कहिए।
श्रावण शुक्ला होय पवित्रा आनन्द से रहिए।। ॐ ।।
अजा भाद्रपद कृष्णपक्ष की,
परिवर्तिनी शुक्ला।
इन्द्रा आश्चिन कृष्णपक्ष में, व्रत से भवसागर निकला।। ॐ ।।
पापांकुशा है शुक्ल पक्ष में, आप हरनहारी।
रमा मास कार्तिक में आवै,
सुखदायक भारी ।। ॐ ।।
देवोत्थानी शुक्लपक्ष की,
दुःखनाशक मैया।
पावन मास में करूं विनती पार करो नैया ।। ॐ ।।
परमा कृष्णपक्ष में होती,
जन मंगल करनी।।
शुक्ल मास में होय पद्मिनी दुःख दारिद्र हरनी ।। ॐ ।।
जो कोई आरती एकादशी की,
भक्ति सहित गावै।
जन गुरदिता स्वर्ग का वासा,
निश्चय वह पावै।। ॐ ।।

सर्वार्थ सिद्धि योग में तुलसी विवाह

ये 3 शुभ संयोग बढ़ाएंगे धन-वैभव

इस साल तुलसी विवाह के दिन 3 शुभ योग का निर्माण हो रहा है, उसके साथ ही प्रदोष व्रत और शुक्रवार दिन का संयोग बना है। इस दिन आप भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी के साथ भगवान शिव का भी आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। इससे आपके परिवार में सुख और समृद्धि बढ़ेगी, साथ ही शिव कृपा से आपके सभी दुखों का अंत हो सकता है।

तुलसी विवाह 2023: 3 शुभ संयोग बढ़ाएंगे धन-वैभव

इस साल तुलसी विवाह 24 नवंबर दिन शुक्रवार को है। उस दिन ही शुक्र प्रदोष व्रत है और इसके अलावा शुक्रवार को माता लक्ष्मी की भी पूजा की जाती है। तुलसी विवाह कराने से परिवार में सुख, शांति और समृद्धि आएगी। लक्ष्मी कृपा से धन और वैभव बढ़ेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तुलसी में माता लक्ष्मी का वास माना जाता है। शुक्र प्रदोष पर शिव पूजा करने से आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

3 शुभ योग में तुलसी विवाह और शुक्र प्रदोष व्रत

24 नवंबर को तुलसी विवाह और शुक्र प्रदोष व्रत के दिन 3 शुभ योग बन रहे हैं। अमृत सिद्धि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और सिद्धि योग बन रहे हैं। पूरे दिन सर्वार्थ सिद्धि योग है। इस बार सर्वार्थ सिद्धि योग में तुलसी विवाह और शुक्र प्रदोष व्रत की पूजा होगी। उस दिन सिद्धि योग सूर्योदय से लेकर 09:05 एएम तक है, फिर व्यतीपात योग शुरू होगा। तुलसी विवाह वाले दिन अमृत सिद्धि योग 06:51 एएम से 04:01 पीएम तक है। रेवती और अश्विनी नक्षत्र होंगे।

तुलसी विवाह 2023 का समय

24 नवंबर को शाम के समय में तुलसी विवाह का आयोजन होगा। इस साल तुलसी विवाह का समय शाम 05:25 पीएम से है।

तुलसी विवाह 2023 तिथि मुहूर्त

कार्तिक शुक्ल द्वादशी तिथि की शुरूआतः 23 नवंबर, रात 09 बजकर 01 मिनट से

कार्तिक शुक्ल द्वादशी तिथि की समाप्तिः 24 नवंबर, शाम 07 बजकर 06 मिनट पर

कब होगी शुक्र प्रदोष व्रत की पूजा?

कार्तिक शुक्ल त्रयोदशी तिथि का प्रारंभः 24 नवंबर, शाम 7 बजकर 06 मिनट से

कार्तिक शुक्ल त्रयोदशी तिथि का समापनः 25 नवंबर, शाम 5 बजकर 22 मिनट पर

शुक्र प्रदोष पूजा का शुभ मुहूर्तः शाम 07:06 पीएम से रात 08:06 पीएम तक

पूरे महीने नहीं कर पाए कार्तिक स्नान...तो ये 5 दिन दिलाएंगे पूरा फल

भगवान विष्णु को समर्पित स्नान-दान के पवित्र माह कार्तिक के 5 दिन शेष रह गए हैं। इसका समापन 27 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा पर होगा। पूरे माह 30 दिन तक कार्तिक स्नान और व्रत का पालन नहीं कर पाने वाले भक्तों के लिए यह पांच दिन बहुत ही महत्वपूर्ण बताए गए हैं। इनमें देवउठनी एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी, बैकुंठ चतुर्दशी एवं कार्तिक पूर्णिमा शामिल हैं। इन तिथियों पर किए जाने वाले स्नान-दान, दीपदान से अक्षय पुण्य और भगवान की कृपा प्राप्त होती है। इस पूरे माह में ब्रह्म मुहूर्त में स्नान का विशेष महत्व माना गया है।

मान्यता है कि कार्तिक के पूरे महीने में सूर्योदय के पहले उठकर नदी तालाब में स्नान और दान करने से बैकुंठ लोक की प्राप्ति होती है। कार्तिक व्रत का 12 वर्ष का संकल्प होता है। इस दिन घाट पर स्नान कर गाय के गोबर से लीपना चाहिए। रंगोली बनाकर भगवान श्री गणेश का पूजन करने से दश दिगपाल प्रसन्न होते हैं। यह हमारे विभिन्न अंगों की रक्षा करते हैं।

द्वादशी पूजन

कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वादशी पर भगवान दामोदर और गौ-माता का पूजन करना चाहिए। जल से भरे हुए घड़े में सुपारी, स्वर्ण-रजत धातु डालकर दान करने से भगवान प्रसन्न होते हैं। इससे घर में लक्ष्मी का वास होता है और साल भर धनवर्षा होती है। साथ ही विष्णु लोक की प्राप्ति होती है।

त्रयोदशी पूजन

इस दिन सुबह उठकर प्रदोष काल में स्नान करना चाहिए। 32 दीपक प्रज्वलित कर भगवान शिव का पंचाक्षर स्त्रोत से अभिषेक और मौन व्रत धारण करने से माता गौरी प्रसन्न होती हैं। मां पार्वती के आशीर्वाद से धन-संपदा की प्राप्ति होती है।

बैकुंठ चतुर्दशी

कार्तिक शुक्ल पक्ष की बैकुंठ चतुर्दशी पर अरुणोदय काल में भगवान विश्वनाथ का पूजन करें। इस दिन हरि और हर का मिलन होता है। दोनों ही गंगाजी में जलक्रीड़ा करते हैं। इस दिन पंचगव्य और गंगाजल से स्नान करने से मनुष्य को सभी प्रकार के रोगों से मुक्ति मिलती है।

कार्तिक पूर्णिमा

कार्तिक पूर्णिमा को स्नान दान करने से ब्राह्मण तत्व की प्राप्ति होती है। इस दिन भगवान कार्तिकेय के दर्शन कर प्रदोष काल में दीपदान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

शादी में आ रही है दिक्कत! तुलसी विवाह के दिन करें ये उपाय

तुलसी विवाह के दिन कुंवारी कन्याएं तुलसी विवाह कथा के अनुसार पूजन करती हैं, तो उनके विवाह में आने वाली सभी रुकावटें दूर होती हैं और उनके विवाह के योग जल्द बनते हैं। ऐसे में कुंवारी कन्याएं सबसे पहले अपने हाथों से एक तुलसी के पत्तों की माला बनाएं, जिसके बाद गुलाब के दो फूल लेने है और एक नारियल लेना है जो भगवान विष्णु को अर्पण करना है। ऐसा करने से विवाह के योग बनेंगे।

ऐसे प्रकट हुई तुलसी

वृंदा सती हुई थी। उसके पति जालंधर का नाश होने के बाद सती के रूप में वह भस्म हुई। जिससे तुलसी प्रकट हुई। तभी से तुलसी विवाह शुरू हुआ है। शालिग्राम विष्णु जी का रूप है। जिनसे तुलसी का विवाह होता है।

इस जगह भक्त के नाम पर है भगवान का मंदिर

भगवान विष्णु के विट्ठल होने की रोचक कथा

सागर जिले के रहली में प्रसिद्ध और प्राचीन श्री देव पंढरी नाथ मंदिर है। जहां पर भगवान विट्ठल ईंट पर इंतजार की मुद्रा में खड़े हुए हैं। इसी गर्भगृह के एक कोने में माता लक्ष्मी भी है। देवउठनी एकादशी पर यहां पर महापूजन किया जाता है जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल होते हैं। वहीं इस मंदिर की खास बात यह है कि भगवान के साथ उनके परम भक्त पुंढरीक भी हाथ जोड़े मुद्रा में खड़े हुए हैं। और भक्त के नाम पर ही यह मंदिर जाना जाता है पुंढरीक के नाथ से यह पंढरीनाथ हो गया। जो भी भक्त विट्ठल भगवान के दर्शन के लिए आता है उसे भक्त पुंढरीक के भी दर्शन करने होते हैं। भक्त पुंढरीक की मंदिर परिसर में ही मढिया बनी हुई है। जो भी भगवान के दर्शन को आता है वह भक्त के भी दर्शन करता है।

श्री देव पंढरीनाथ मंदिर के पुजारी और व्यवस्थापक अजीत सप्रे बताते हैं कि भगवान विष्णु ही विठ्ठल भगवान के रुप में विराजमान हैं। जो यहां आने वाले भक्तों पर कृपा करते हैं। एक समय में भगवान विष्णु के परम भक्त पुंढरीक थे। वह भगवान विष्णु के अनन्य भक्त थे। साथ ही उससे अधिक वे अपने माता-पिता की भी सेवा करते थे। इसी से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु जब अपने भक्त के घर पहुंचे। तब पुंढरीक अपने माता-पिता की सेवा में व्यस्त थे। जब भगवान ने उनसे मिलने के लिए कहा तो उन्होंने कहा कि अभी वह उनसे मुलाकात नहीं कर पाएंगे क्योंकि माता-पिता की सेवा में लगे हुए हैं यह कहते हुए एक ईंट (जिसे महाराष्ट्र में वीट कहा जाता) बैठने के लिए दे दी जिस पर भगवान खड़े हो गए और उन्होंने अपने दोनों हाथ पैर कमर रख लिया जब कुछ समय बाद माता लक्ष्मी वहां पर पहुंची और उन्होंने कहा कि जब भक्त नहीं मिल रहा है तो आप क्यों खड़े हैं चलिए यहां से लेकिन उन्होंने कहा कि भक्ति से मिले बगैर नहीं जाएंगे तब माता लक्ष्मी नाराज होकर थोड़ी दूर खड़ी हो गई। महाराष्ट्र के पंढरपुर की तर्ज पर बना है

माता-पिता की सेवा के बाद जब उनके भक्त ने उनसे चर्चा की तो उन्होंने कहा कि वह उनकी पूजा भक्ति से प्रसन्न है मांगू क्या वरदान चाहिए तब उनके भक्त ने कहा था कि आप यहीं पर विराजमान हो जाएं भगवान वहां तो नहीं रह सकते थे इसलिए वह पाषाण की मूर्ति स्वरूप में आज भी महाराष्ट्र के सतारा जिले के पंढलपुर में हैं और सागर का मंदिर महाराष्ट्र के पंढरपुर की तर्ज पर बना है। महाराष्ट्र की तर्ज पर ढाई सौ साल पहले बना था मंदिर रहली नगर में स्थित मराठा कालीन यह मंदिर ढाई सौ साल पहले रानी लक्ष्मीबाई खेर ने बनवाया था। जो दो नदियों की संगम पर स्थित है और प्रदेश का इकलौता ऐसा मंदिर है। 1999 में जिर्णोद्वार होने के बाद दूर-दूर से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। और कार्तिक के महीने की एकादशी और पूर्णिमा में यहां पर भव्य मेला लगता है।

देवउठनी एकादशी पर भव्य कार्यक्रम देवउठनी एकादशी पर यहां पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाता है जिसमें भगवान की चरण पादुकाएं पूरे नगर में भ्रमण करती हैं। लोग अपने घरों में भगवान की स्वागत करने के लिए रंगोली बनाते हैं। दीप जलते हैं और पालकी पहुंचने पर पूजन अर्चन कर उनका स्वागत करते हैं वही इस मंदिर में उनके भक्त पांडुलिक हाथ जोड़े हुए मुद्रा में मंदिर के बाहर एक छोटी सी मडिया में खड़े हुए हैं, भक्त और भगवान आमने-सामने है।

60-80 की हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस, धर्मेंद्र संग दीं हिट फिल्में, कोर्ट में दिया 1 बेतुका बयान और हो गया बंटाधार

भारतीय सिने जगत में अगर 60 से 80 के दशक की एक्ट्रेसेज की बात की जाए तो कई अदाकाराएं हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से दर्शकों का मन मोहा है. इनमें कुछ अभिनेत्रियां ऐसी भी हैं, जिन्होंने शुरुआत में रिजेक्शन का दर्द झेला लेकिन बाद में बॉलीवुड में खूब सफलता हासिल की. ऐसी ही एक अभिनेत्री ने 60 से 80 के दशक में खूब धूम मचाई थी लेकिन अपनी एक गलती के कारण करियर तबाह कर लिया.

खूबसूरत ब्लैक एंड व्हाइट फोटो देखकर आप पहचान गए होंगे कि हम यहां किस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं. बीते दौर की इस एक्ट्रेस का नाम है माला सिन्हा. इनका जन्म 11 नवम्बर 1936 को बंगाली नेपाली परिवार में हुआ था. माला सिन्हा ने करियर के पीक पर एक गलती की थी, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा था. माला सिन्हा ने करियर की शुरुआत में कई बार रिजेक्शन का दंश झेला था. एक दफा उन्हें मोटी नाक वाली कहकर भी फिल्म में नहीं लिया गयाा था. लेकिन अपनी मेहनत के दम पर माला फिल्मी दुनिया में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहीं. माला ने बांग्ला फिल्मों से शुरुआत की और इसके बाद वे बॉलीवुड फिल्म 'रंगीन रातें' में पहली बार नजर आई थीं.

'प्यासा', 'फिर सुबह होगी', 'धूल के फूल', 'परवरिश', 'उजाला', 'माया', 'हरियाली और रास्ता', 'बेवकूफ', 'अनपढ़', 'बहूरानी' जैसी कई फिल्मों के जरिए खुद को साबित किया. राज कुमार, राजेंद्र कुमार, बिस्वजीत, मनोज कुमार, धर्मेंद्र जैसे एक्टर्स के साथ उनकी जोड़ी खूब जमी. माला का करियर ग्राफ तेजी से बढ़ा था और वे हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस में शुमार थीं.

माला सिन्हा के करियर की गाड़ी सही चल रही थी, तब ही साल 1978 में उनके घर इनकम टैक्स का छापा पड़ा. खास बात यह थी कि इस दौरान उनकी बाथरूम की दीवार से 12 लाख रुपये मिले थे और यह उस दौर में काफी बड़ी रकम थी. माला के अनुसार, यह रुपये उनके पिता ने दीवार में छिप दिए थे. माला के घर रुपये मिलने का यह मामला कोर्ट तक पहुंचा. तब इस केस के निपटारे के लिए माला ने भरी अदालत में कहा कि रुपये उन्होंने वेश्यावृति के जरिए कमाए हैं. यह बयान सिनेमा जगत के लिए शॉकिंग था. साथ ही इसके कारण माला सिन्हा के फिल्मी करियर पर भी ग्रहण लग गया. माला सिन्हा की इस बात ने उनका करियर तबाह कर दिया और उन्हें फिल्में मिलना भी काफी कम हो गईं. बता दें माला सिन्हा की बेटी प्रतिभा सिन्हा ने भी फिल्मी दुनिया में जगह बनाने की कोशिश की थी लेकिन वे मम्मी की तरह सफल नहीं हो सकीं.

शाहरुख ने सिर्फ एक फिल्म पैसों के लिए की थी : बोले- जमीर बेचकर मजबूरी में फिल्म की, फिर उसी के पेमेंट से घर खरीदा

शाहरुख खान ने इतने लंबे करियर में सिर्फ एक ऐसी फिल्म में काम किया है, जिसे वो करना नहीं चाहते थे। दरअसल, शाहरुख को एक घर खरीदना था, जिसके लिए उन्हें पैसों की बहुत जरूरत थी। इस कारण ना चाहते हुए भी उन्होंने वो फिल्म सिर्फ पैसों के लिए की। इस बात का खुलासा उन्होंने 2016 में एक टॉक शो के दौरान किया था। हालांकि, उन्होंने फिल्म के नाम का जिक्र नहीं किया था।

शाहरुख ने अब तक कुल 90 फिल्मों में काम किया है, जिसमें 16 फिल्में उन्हीं के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी हैं।

मजबूरी में एक फिल्म में काम किया

शाहरुख ने फिल्म का बिना नाम लिए चैट शो में कहा था- मैं नाम नहीं लूंगा पर सिर्फ एक फिल्म मैंने पैसे के लिए की थी। अभी तक (2016 तक) मैंने 60 फिल्में की हैं। मैंने प्रोड्यूसर से कहा दिया था कि वो फिल्म मुझे करनी है। पैसों की बहुत जरूरत थी। फिल्म के उन पैसों से मैंने घर खरीदा था। फिर जब मेरी हालात ठीक हुई और मैं फिल्में प्रोड्यूस करने लगा, तब मैंने उस फिल्म के पैसे वापस कर दिए थे। अब लगता है कि मैंने उस फिल्म का सब कुछ चुका दिया है।

शाहरुख बोले- जमीर बेचकर पैसों के लिए एक फिल्म में काम किया

शाहरुख ने आगे कहा था- वो फिल्म करने का मेरा मन नहीं था, इसके बावजूद मैंने एक ही फिल्म आज तक अपना जमीर बेच कर पैसों के लिए की है।

दुनियाभर में जवान की कमाई 1146 करोड़ के पार

फिल्म जवान ने दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर 1146 करोड़ की कमाई की है। फिल्म ने भारत में 640.25 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर कई नए रिकॉर्ड्स बना लिए हैं। फिल्म में विजय सेतुपति, रिद्धि डोगरा, दीपिका पादुकोण और प्रियामणि जैसे सेलेब्स भी देखे गए थे। फिल्म में शाहरुख ने डबल रोल प्ले किया था। उनके इस अभिनय के लिए दर्शकों ने बहुत पसंद किया था।

वहीं 25 जनवरी को रिलीज हुई फिल्म पठान ने दुनियाभर में 1050 करोड़ का कलेक्शन किया था। इस फिल्म शाहरुख के अलावा दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम लीड रोल में थे।

वहीं इस साल की उनकी तीसरी और अंतिम फिल्म डंकी 21 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। अब ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 1 हजार करोड़ से अधिक कमाई कर पाती है या नहीं, ये देखना दिलचस्प होगा।

33 साल के हुए कार्तिक आर्यन : पेट डॉग 'कटोरी' के साथ बैठकर केक कट किया, फैंस के प्यार के लिए आभार जताया

कार्तिक आर्यन आज यानी 22 नवंबर को अपना 33वां जन्मदिन मना रहे हैं। एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें वो केक कटिंग करते हुए नजर आ रहे हैं। एक्टर ने अपने पेट डॉग कटोरी के साथ बैठकर केक कटिंग के पहले हाथ जोड़कर विश मांगा। अपने जन्मदिन के मौके पर कार्तिक ने सबके प्यार के लिए 'आभार' व्यक्त किया। किसी खास व्यक्ति ने कार्तिक के लिए केक, फ्लावर और बैलून भेजा था। केक कटिंग से पहले कार्तिक अपने घर के नीचे स्पॉट हुए थे। जब पैपराजी ने एक्टर से पूछा कि ये सब किसने भेजा है? इसपर कार्तिक बिना जवाब दिए घर के अंदर चले जाते हैं। अगर कार्तिक किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं तो फिलहाल कार्तिक अपने रिश्ते को प्राइवेट रखना चाह रहे हैं। इन दिनों वह अपनी अपकमिंग फिल्म 'चंदू चैंपियन' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें एक्ट्रेस कटरीना कैफ और श्रद्धा कपूर भी नजर आएंगी। डायरेक्टर कबीर खान द्वारा निर्देशित यह फिल्म 14 जून, 2024 को रिलीज की जाने की उम्मीद है।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई छोड़कर बन गए एक्टर

कार्तिक आर्यन पहले इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे थे। बाद में उन्होंने एक्टिंग की तरफ रुख मोड़ लिया। 2011 में लव रंजन द्वारा निर्देशित फिल्म 'प्यार का पंचनामा' की जबरदस्त सफलता के साथ, उन्होंने मन बना लिया था कि वह मुंबई में ही रहेंगे। पिछले एक साल में, उन्होंने सफलता और विफलता दोनों देखी है।

शाहरुख के साथ फिल्म किंग में नजर आएंगी सुहाना

नेटफ्लिक्स की फिल्म द आर्चीज से एक्टिंग डेब्यू करने के बाद सुहाना खान जल्द ही पिता शाहरुख खान के साथ एक फिल्म में नजर आने वाली हैं। फिल्म का नाम किंग होने वाला है, जो एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम लगभग पूरा हो चुका है। इस फिल्म की शूटिंग जनवरी से शुरू होगी, जिसे सुजॉय घोष डायरेक्ट करने वाले हैं।

हाल ही में रिपोर्ट के अनुसार, एक्शन से भरपूर फिल्म किंग में शाहरुख खान लीड रोल में होने वाले हैं और सुहाना खान भी फिल्म में अहम किरदार निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग जनवरी 2024 में शुरू होगी। इसे शाहरुख खान की रेड चिल्लीज एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन कंपनी और सिद्धार्थ आनंद की प्रोडक्शन कंपनी मारफ्लिक्स एंटरटेनमेंट मिलकर प्रोड्यूस कर रही है। सिद्धार्थ आनंद इससे पहले शाहरुख खान के साथ फिल्म पठान में काम कर चुके हैं। फिल्म पठान, सिद्धार्थ ने ही डायरेक्ट की थी, लेकिन अब वो शाहरुख की फिल्म प्रोड्यूस करेंगे।रिपोर्ट के अनुसार, ये फिल्म भरपूर एक्शन के साथ-साथ एक इमोशनल स्टोरी भी होने वाली है, जिसकी स्क्रिप्टिंग पर फिलहाल काम चल रहा है। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से लिखा गया है, फिल्म किंग का फ्लेवर शाहरुख खान की पठान और जवान से एकदम अलग होगा। इसका कोर प्लॉट इमोशनल है। फिल्म में कई सारे ट्विस्ट एंड टर्न होने वाले हैं, यही कारण है कि सुजॉय घोष ने फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी ली है। बताते चलें कि सुजॉय घोष सुपरहिट फिल्म कहानी, कहानी 2, बदला जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में नेटफ्लिक्स पर आई थ्रिलर फिल्म जाने जा भी सुजॉय ने ही डायरेक्ट की थी, जिसमें करीना कपूर, विजय वर्मा और जयदीप अहलावत लीड रोल में थे।सुहाना खान ने नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म द आर्चीज से एक्टिंग करियर की शुरुआत की है। इसके अलावा वो मेबलीन और टीरा जैसी बड़ी बड़ी ब्रांड्स को एंडोर्स भी करती हैं। शाहरुख की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वो जल्द ही फिल्म डंकी में नजर आएंगे, जिसे राजकुमार हिरानी ने डायरेक्ट किया है।

अनुराग कश्यप को शराब पीने की लत लग गई थी : कहा- डिप्रेशन और दो हार्ट अटैक के बाद बदतर हो गई थी जिंदगी

अनुराग कश्यप बॉलीवुड के एक पॉपुलर डायरेक्टर हैं। एक इंटरव्यू के दौरान अनुराग कश्यप ने खुलासा किया कि नेटफ्लिक्स उनके एक प्रोजेक्ट 'मैक्सिमम सिटी' को बनाने से पीछे हट गया था। वो दौर अनुराग कश्यप की जिंदगी का काफी मुश्किल दौर था। उस समय वे डिप्रेशन के शिकार हो गए थे।

अनुराग ने आगे बताया कि परेशान होने के कारण वे बहुत ज्यादा शराब पीने लग गए थे। एक समय पर उन्हें शराब की लत भी लग गई थी। यहां तक कि उन्हें दो हार्ट अटैक भी आए। उन्होंने कहा- ऐसा लग रहा था मानो मैं सब कुछ खो चुका हूं।

बता दें, 'मैक्सिमम सिटी' राइटर सुकेतु मेहता की फेमस नॉवेल है। अनुराग कश्यप इसी नॉवेल पर आधारित वेब सीरीज बना रहे थे। इंटरव्यू के दौरान डायरेक्टर ने कहा- यह मेरी जिंदगी का अब तक का सबसे अच्छा काम था। मैंने इतना ईमानदार और महत्वपूर्ण काम कभी नहीं किया था। ऐसे में वेब सीरीज 'तांडव' पर मिले रिएक्शन के बाद नेटफ्लिक्स का 'मैक्सिमम सिटी' से पीछे हट जाना, अनुराग को अंदर से झकझोर दिया था। हालांकि, नेटफ्लिक्स ने ऐसा करने पर कोई कारण नहीं दिया था। अनुराग को लगा या तो कहानी देश के पॉलिटिकल माहौल के लिए बहुत सेंसिटिव थी, या नेटफ्लिक्स उनके साथ काम नहीं करना चाहता था।

अनुराग कश्यप निगेटिव जोन में चले गए थे

डायरेक्टर अनुराग कश्यप ने इंडियन एक्स्प्रेस से बातचीत के दौरान ये भी बताया कि लॉकडाउन की वजह से उनकी वेब सीरीज 'ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत' की शूटिंग में देरी हो गई थी। इस वजह से वे काफी परेशान हो गए थे। यहां तक कि अनुराग निगेटिव जोन में चले गए थे।

ये वही समय था जब उनकी वेब सीरीज 'तांडव' को भी ऑडियंस से कटाक्ष सुनने को मिल रहे थे। इतना ही नहीं उनकी बेटी भी ट्रोलिंग का शिकार हुई थीं। अनुराग ने CAA के खिलाफ बात की थी। जिसकी वजह से उनकी बेटी आलिया को ट्रोल किया गया था। इतना सब कुछ एक साथ होने की वजह से वे अपनी लाइफ के डार्क फेज में चले गए थे। यहां तक कि उन्होंने ट्विटर छोड़ने का भी सोच लिया था।

इन सब वजहों से अनुराग कश्यप को तीन बार रिहैब सेंटर भी जाना पड़ा था। परेशानियां इतनी बढ़ गईं कि उन्हें हार्ट अटैक भी आया। ऐसे में अनुराग ने कुछ समय का ब्रेक लिया और अपनी हेल्थ पर फोकस किया था।

आलिया, अनुराग की पहली पत्नी आरती बजाज की बेटी हैं। आरती और अनुराग की शादी 2003 में हुई थी और 2009 में दोनों ने तलाक ले लिया था। तब से अनुराग अपनी बेटी आलिया की परवरिश अकेले ही कर रहे हैं। अनुराग ने एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन से 2011 में शादी की, लेकिन ये शादी भी लम्बे वक्त तक नहीं चल पाई और 2015 में दोनों अलग हो गए।

अनुराग कश्यप की आने वाली फिल्म 'कैनेडी' है। यह एक डार्क-थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में सनी लियोनी और राहुल भट्ट लीड रोल में हैं। 76वें कांस फिल्म फेस्टिवल में अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी का वर्ल्ड प्रीमियर रखा गया था। फिल्म की शूटिंग कोविड के दौरान मुंबई में हुई थी। कैनेडी की शूटिंग को 30 दिनों में ही पूरा किया गया है।

फैंस के बीच फंस गईं रश्मिका मंदाना : कोरियन लुक में नजर आईं, विक्की कौशल भी एयरपोर्ट पर दिखाई दिए

रश्मिका मंदाना मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आईं। रश्मिका के फैंस की एक लंबी कतार उनके साथ सेल्फी लेने के लिए आ पहुंची। एक्ट्रेस फैंस के बीच फंसी हुई नजर आईं। एक साथ इतने लोगों को रश्मिका ने स्माइल देते हुए फोटो क्लिक कराई। उनके फैंस और चाहनेवालों का कहना है कि रश्मिका बहुत हंबल स्वभाव की हैं। वो कभी भी अपने फैंस से इरिटेट नहीं होती हैं।

रश्मिका कोरियन ट्राउजर पहने और कैप लगाए कोरियन लुक में नजर आईं। दरअसल रश्मिका के पॉप की बड़ी फैन हैं। इसके अलावा रश्मिका एनिमेशन शो भी देखती हैं। एक्ट्रेस की अपकमिंग फिल्म 'एनिमल'1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का ट्रेलर कल यानी 23 नवंबर को रिलीज किया जाएगा। वहीं रश्मिका के अलावा एयरपोर्ट पर विक्की कौशल भी नजर आए। विक्की इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'सैम बहादुर' का प्रमोशन करने में व्यस्त हैं।

कमल हासन ने की ईशान खट्टर की तारीफ : बोले- 'पिप्पा' देख मुझे अपने पुराने दिन याद आ गए

ईशान खट्टर की फिल्म 'पिप्पा' हाल ही में ओटीटी पर रिलीज हुई है। फिल्म में ईशान ब्रिगेडियर बलराम सिंह मेहता की भूमिका निभा रहे हैं। सोशल मीडिया पर नेटिजन्स द्वारा फिल्म की तारीफ के बाद सुपरस्टार कमल हासन ने भी फिल्म देखी और पिप्पा की टीम को बधाई दी है। कमल हासन ने ईशान को लेकर कहा कि - इसने उन्हें अपनी याद दिला दी जब वह ईशान की उम्र के थे। फिल्म में ईशान के अलावा एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर भी नजर आईं है।

फिल्म की कहानी क्या है?

फिल्म की कहानी भारत की 45वीं कैवेलरी रेजिमेंट के कैप्टन बलराम सिंह मेहता के इर्द-गिर्द बुनी गई है। कैप्टन बलराम ने अपने भाई-बहनों के साथ 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ईस्ट फ्रंट पर लड़ाई लड़ी थी। फिल्म में वॉर एक्शन सीन्स को ज्यादा प्रेफरेंस दी गई है। इसके अलावा कुछ फैमिली इमोशंस सीन भी दिखाए गए हैं।

फिल्म का टाइटल रशियन वॉर टैंक PT-76 के नाम पर रखा गया है, जो घी के खाली डिब्बे (पिप्पा) की तरह पानी पर तैरता है।

ईशान के अलावा मृणाल ठाकुर भी नजर आईं

इस फिल्म को राजा कृष्ण मेनन ने डायरेक्ट किया है जो इससे पहले अक्षय कुमार स्टारर एयरलिफ्ट डायरेक्ट कर चुके हैं। फिल्म में ईशान खट्टर कैप्टन बलराम सिंह मेहता के किरदार में नजर आएंगे। उनके अलावा इसमें मृणाल ठाकुर, प्रियांशु पैन्यूली और सोनी राजदान अहम रोल में नजर आएंगे।

अनुराग ठाकुर बोले- इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में दुनिया भर से लोग आए पिछली बार से 3 गुना फिल्मों के नॉमिनेशन; विदेशी फिल्मों के लिए 40% सब्सिडी का ऐलान

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया का 54वां संस्करण शुरू हो गया है। मंगलवार को सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने इसका उद्घाटन किया। उन्होंने घोषणा की कि विदेशी फिल्म प्रोडक्शन यूनिट्स को भारत में फिल्म बनाने के लिए जो इन्सेंटिव दिया जाता है, उसे 40% तक बढ़ाया जाएगा।

वहीं, 4 मिलियन यूएस डॉलर (लगभग 30 से 32 करोड़ रुपए) की एक फिल्म बनाने पर 5% एडिशनल इन्सेंटिव दिया जाएगा, जिससे भारत में शूटिंग को बढ़ावा मिले और भारत का प्रमोशन भी हो।

मुझे लगता है कि सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि लोग क्या देखना पसंद करते हैं और अगर आप उनको वो परोसते हैं तो सफलता आपके कदम चूमती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखा जाए तो भारत सबसे ज्यादा फिल्में बनाने वाला देश है लेकिन विदेशी फिल्में यहां पर बनें, उसके लिए हमने एक बहुत बड़ा इन्सेंटिव लॉन्च किया है।

4 मिलियन यूएस डॉलर (लगभग 30 से 32 करोड़ रुपए) की एक फिल्म बनाने पर 5% एडिशनल इन्सेंटिव दिया जाएगा। मुझे लगता है कि इससे हमारे यहां शूटिंग भी बढ़ेगी। साथ ही

कैमरामैन, मेकअप मैन समेत कई लोगों का रोजगार का मौका मिलेगा। साथ ही दुनिया भर में इन फिल्मों के जरिए भारत को जो प्रमोशन मिल सकता है, वो भी मिलेगा।

फिल्म फेस्टिवल में मौका होता है फिल्म बाजार लगाने का। इस बार यहां एक हजार के लगभग लोग दुनिया के अलग-अलग कोनों से आए हैं, इसका मतलब स्तर बढ़ा है। इस बार 3 हजार फिल्मों का नॉमिनेशन आया है, जो कि पिछली बार से 3 गुना ज्यादा है, मतलब रुचि बढ़ी है। यह अपने आप में बताता है कि दुनिया की इच्छा IFFI में अपनी फिल्में दिखाने और प्रोत्साहन पाने की है।

यह एक 48 घंटे का चैलेंज है जिसमें भाग लेने वाले लोगों को एक अच्छा प्रोजेक्ट बनाकर देना है। इन 48 घंटों के बाद कई लोगों के पास यह मौका होगा कि कई कंपनियां उनको हायर करने के लिए तैयार होंगी। यानी वो यहां प्रशिक्षण और शिक्षा लेकर मास्टर क्लास का हिस्सा भी बनेंगे। पिछले दो साल में जिन युवाओं ने इस इनिशिएटिव में हिस्सा लिया उनमें से कई बच्चों को अपने कंटेंट के लिए इंटरनेशनल मार्केट में पहचान मिली। इस तरह से अगले दस सालों में लगभग एक हजार से ज्यादा युवाओं का एक पूल होगा जो भारत में नया कंटेंट पेश कर रहा होगा।

पिछले साल आशा पारेख जी को दादा साहब फाल्के पुरस्कार दिया गया था और इस साल यह वहीदा रहमान जी को दिया गया। इसी तरह हमने IFFI में भारतीय सिनेमा में अपना योगदान देने के लिए माधुरी दीक्षित जी को सम्मानित किया। पिछले साल हमने हेमा मालिनी जी को सम्मानित किया था। तो महिलाओं का भी सिनेमा जगत में बहुत बड़ा योगदान है जिसे हमने यहां पर पहचान दी। माइकल डगलस भी हॉलीवुड का बहुत बड़ा नाम है। हम खुश हैं कि उन्होंने सत्यजीत रे लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड को एक्सेप्ट किया। वो अपनी पत्नी और बेटे के साथ यहां आ रहे है। इसका मतलब है कि IFFI ने कहीं ना कहीं दुनिया में बहुत बड़ी पहचान बनाई है।

ओटीटी पर अश्लीलता और अभद्रता को लेकर बहुत ज्यादा शिकायतें आना शुरू हो गई थी। ऐसे में मेरा मानना था कि जब जरूरत ही नहीं तो अश्लीलता क्यों परोसी जाए। जब हम सेल्फ रेगुलेट करके यह तय कर सकते हैं कि हमारे यहां क्या देखा जाना चाहिए तो ऐसा कुछ परोसा ही नहीं जाना चाहिए जिसके चलते यहां पर कोई विवाद खड़ा हो।

ये बड़ा मुश्किल सवाल है। थिएटर में कोई फिल्म देखे तो बहुत समय हो गया। दो तीन महीने पहले ओटीटी पर जरूर कुछ देखा था और यही एक फायदा है ओटीटी का कि आप किश्तों में कुछ भी देख सकते हो।

हॉलीवुड अभिनेता और निर्माता माइकल डगलस को प्रतिष्ठित सत्यजीत रे एक्सीलेंस इन फिल्म लाइफटाइम अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में इस बार ओटीटी अवार्ड्स की भी शुरुआत की गई है। इवेंट में 15 ओटीटी प्लेटफॉर्म्स से 10 भाषाओं में कुल 32 एंट्रीज को सर्वश्रेष्ठ वेब सीरीज पुरस्कार के लिए चुना गया है। इसमें जीतने वाले को प्रमाणपत्र के साथ 10 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा।

कर्नाटक में कांग्रेस का 'गिफ्ट',

इन उपभोक्ताओं को नहीं भरना होगा बकाया बिजली बिल, सरकार ने माफ किया 389 करोड़ का अमाउंट

बेंगलूरू, 22 नवंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक की सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है सूबे में बिजली की तीन स्कीमों के लाभार्थियों का बकाया अमाउंट माफ करने का फैसला किया गया है सरकार 389 करोड़ रुपया का बकाया माफ करेगी इनमें कुटीरा भाग्य, भाग्य ज्योति और अमृता ज्योति योजना के बकाये शामिल हैं राज्य के बिजली मंत्री केजे जॉर्ज ने यह जानकारी दी है उन्होंने कहा कि कुटीरा भाग्य, भाग्य ज्योति और अमृता ज्योति के लाभार्थियों पर 389 करोड़ रुपये बकाया था इस बारे में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया से बातचीत हुई, जिसके बाद सीएम ने बकाया अमाउंट माफ कर देने का फैसला लिया है उन्होंने यह भी कहा है कि तुमकुर जिले में पावगाडा के कई किसानों ने सोलर पावर के उत्पादन के लिए 8 हजार एकड़ जमीन देने की पेशकश की है

तीनों बिजली स्कीम का हो चुका है विलय

जॉर्ज ने बताया कि सरकार पहले ही इन तीनों स्कीमों का विलय गृह ज्योति स्कीम में कर चुकी है इसके तहत लोगों को अपने घरों के लिए 200 यूनिट्स बिजली मुफ्त दी जाती है पहले कुटीर भाग्य और भाग्य ज्योति के लाभार्थियों को 40 यूनिट्स बिजली मुफ्त मिलती थी, जबकि अमृत ज्योति स्कीम के तहत 75 यूनिट्स बिजली फ्री दी जाती थी केजे जॉर्ज ने कहा, हमने तय किया है कि पहले जिन लोगों को 40 यूनिट्स पावर मिल रहा था, उन्हें अब 50 यूनिट्स प्लस 10 यूनिट्स पावर मिलेगा जिन लोगों को 75 यूनिट्स पावर मिलता था उन्हें अतिरिक्त 10 यूनिट पावर मिलेगा

सोलर सब स्टेशन बनाने के लिए टेंडर

जॉर्ज ने यह भी बताया कि सरकार ने सोलर सबस्टेशंस बनाने के लिए टेंडर जारी किया हैं 7 बिडर्स को शॉर्टलिस्ट किया गया है, जो 750 मेगावॉट बिजली उपलब्ध कराएंगे कर्नाटक इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने प्रति यूनिट 317 रुपये का रेट तय किया है आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक में सियासी जंग तेज हो गई है बीजेपी और कांग्रेस के बीच मतदाताओं को अपने पाले में करने को लेकर लगातार बयानबाजी हो रही है इस बीच कर्नाटक की कांग्रेस सरकार का यह फैसला सुर्खियों में है

कोलकाता मेट्रो रेल की पटरी पर शव मिलने के बाद ट्रेन सेवा आंशिक रूप से प्रभावित

कोलकाता, 22 नवंबर (एजेंसियां)। कोलकाता में बुधवार को टॉलीगंज और रवीन्द्र सरोबर मेट्रो स्टेशनों के बीच पटरियों पर एक शव पाए जाने के बाद कोलकाता मेट्रो रेल सेवाएं आंशिक रूप से बाधित हो गईं। उन्होंने बताया कि एक मेट्रो ट्रेन चालक ने सुबह करीब नौ बजकर 47 मिनट पर शव देखा, जिसके बाद टॉलीगंज से काबी सुभाष स्टेशन तक ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गईं। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, "हम शव को जल्द से जल्द पटरियों से निकालने की कोशिश कर रहे हैं। हमने पुलिस को सूचित कर दिया है। उम्मीद है कि ट्रेन सेवाएं जल्द फिर से शुरू हो जाएंगी।" उन्होंने कहा कि दक्षिणेश्वर से मैदान स्टेशनों तक मेट्रो ट्रेन सेवाएं जारी हैं।

फर्जी मतदान करने वाली महिला के खिलाफ केस दर्ज, पुलिस अब धारा बढ़ाकर करेगी पर्ची बरामद

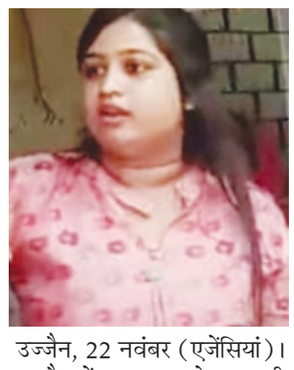

उज्जैन, 22 नवंबर (एजेंसियां)। उज्जैन में फाजलपुरा के सरकारी स्कूल में फर्जी मतदान मामले में पुलिस ने फर्जी मतदान करने की आरोपी महिला के खिलाफ धारा 188 में कार्रवाई कर दी है। कोतवाली पुलिस ने पीठासीन अधिकारी की शिकायत पर केस दर्ज किया है। कोतवाली थाना प्रभारी शैलेंद्र शर्मा ने बताया कि फाजलपुरा के सरकारी स्कूल में 17 नवंबर को एक महिला को फर्जी मतदान करने के आरोप में पकड़ा गया था। पीठासीन अधिकारी की रिपोर्ट पर उसके खिलाफ धारा 188 में केस दर्ज किया गया है। पीठासीन अधिकारी ने अज्ञात महिला के नाम से शिकायत दी थी। उसी के आधार पर केस दर्ज किया गया है। अब मामले की विवेचना की जाएगी। इसके बाद धारा बढ़ाई जाएगी। साथ ही आरोपी से फर्जी मतदान की पर्ची भी बरामद की जाएगी। निर्वाचन के दौरान फर्जी मतदान करने की कोशिश करने की धारा लगाई जाएगी। पुलिस पीठासीन अधिकारी की शिकायत के आधार पर ही कार्रवाई कर सकती है।

यह है मामला

उल्लेखनीय है कि 17 नवंबर 2023 को फाजलपुरा के सरकारी स्कूल में बूथ नंबर 165 पर खुद का नाम लीना जैन बताने वाली महिला पहुंची थी। उस पर आरोप है कि वह ईशा झालानी नामक महिला के नाम का वोट डालने पहुंची थी। ईशा झालानी एक भाजपा नेता के परिवार से जुड़ी महिला बताई जाती है। लीना को कांग्रेस नेता डॉ जितेंद्र परमार और सुदर्शन गोयल ने पकडक़र पीठासीन और थाना प्रभारी शैलेंद्र शर्मा को सौंपा था। इसके बाद महिला को हंगामा होता देख महिला थाने ले जाया गया था। अब सामने आया है कि पुलिस ने धारा 188 में उसके खिलाफ कार्रवाई की है।

टीआई से लेंगे गलत धारा में केस दर्ज होने पर स्पष्टीकरण

उत्तर विधानसभा के आरओ लक्ष्मी नारायण गर्ग ने बताया कि फर्जी मतदान की शिकायत मिलने के बाद पीठासीन अधिकारी ने पुलिस को शिकायत की थी। कोतवाली थाना प्रभारी शैलेंद्र शर्मा को नोटिस भेजकर मामले में फर्जी मतदान के मामले में कार्रवाई किए जाने की जानकारी मांगने के लिए नोटिस भेजना पड़ा था।

नोटिस भेजने के बाद रिपोर्ट आई थी कि धारा 188 में कार्रवाई की गई है। परन्तु यह सही है कि पुलिस ने फर्जी मतदान की धारा में केस दर्ज नहीं किया है। इस मामले में फिर से टीआई को नोटिस भेजा जाएगा। उन्होंने फर्जी मतदान के मामले में केस दर्ज क्यों नहीं किया है यह वे ही बता सकते हैं।

अलग-अलग हादसों में दो की मौत; अधेड़ को वाहन ने मारी टक्कर, युवक की बिजली पोल से टकराने पर गई जान

छिंदवाड़ा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा में बीते 24 घंटों में मोहखेड़ और कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई दो घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। दरअसल, सड़क हादसों में घायल हुए एक युवक और एक अधेड़ ने जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामला जांच शुरू कर दी है। उमरानाला चौकी क्षेत्र के ग्राम लाश में सोमवार शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से कुबेर (54) पिता वरकन भांडेकर की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि उक्त मृतक सोमवार शाम खेत में पानी की सिंचाई कर घर लौट रहा था। रास्ते में अज्ञात वाहन ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। गंभीर अवस्था में उसे जिला अस्पताल लाया जा रहा था।

बकरी ने दिया इंसान जैसी शक्ल के बच्चों को जन्म, पांच मिनट बाद ही तोड़ दिया दम

जालौन, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जालौन जिले के कुठौंद कस्बे के नवासी गांव में बकरी से जन्मे दो बच्चों को देखकर लोगों की आंखें फटी की फटी रह गईं। बच्चों का आकार बिल्कुल इंसानी बच्चों की तरह था। शरीर पर कोई बाल नहीं थे। हाथ-पैर जरूर बकरी की तरह ही थे, लेकिन मुंह काफी हद तक इंसानों के बच्चों की तरह लग रहा था। यह देख गांव के लोगों का बच्चों को देखने के लिए तांता लग गया। हालांकि, जन्म के पांच मिनट बाद दोनों ही बच्चों ने दम तोड़ दिया। कुठौंद के इस गांव के रहने वाले पशुपालक कमलेश दोहरे की बकरी ने मंगलवार को दो बच्चों को जन्म दिया। बच्चे देखने से लग रहे थे कि उनका कम प्रसव काल में जन्म हुआ है।

मुश्किल में पड़ीं देश की पहली ट्रांसजेंडर विधायक

शबनम मौसी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज

भोपाल, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के नतीजे आने से पहले पूर्व विधायक शबनम मौसी की मुश्किलें खड़ी होती दिख रही हैं आदर्श आचार संहिता नियमों के उल्लंघन मामले में शबनम मौसी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है दरअसल, आदर्श आचार संहिता के दौरान पूर्व विधायक शबनम मौसी ने अपनी पिस्टल थाने में जमा नहीं की थी, जिसकी वजह से कोतवाली में उनके खिलाफ केस हुआ है बता दें विधानसभा चुनाव के चलते निर्वाचन आयोग ने प्रदेश भर में लाइसेंसी शस्त्र जमा करने के निर्देश दिए थे निर्वाचन आयोग के इन निर्देशों के बाद प्रदेश भर में 2 लाख 69 हजार 297 से ज्यादा लाइसेंस जमा किए गए थे जबकि 758 हथियार जमा नहीं होने पर इनके लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए थे इसी प्रक्रिया में पूर्व विधायक शबनम मौसी द्वारा भी अपनी पिस्टल जमा नहीं की थी नतीजतन उनकी पिस्टल का लाइसेंस भी निरस्त कर दिया गया था अब अनूपपुर कोतवाली थाने में शबनम मौसी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है शबनम मौसी के खिलाफ धारा 188 एवं 29, 30 आम्र्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है

देश की पहली किन्नर विधायक

बता दें शबनम मौसी देशी की पहली किन्नर विधायक हैं वर्ष 2000 में हुए उपचुनाव में मध्यप्रदेश के शहडोल जिले की सोहागपुर विधानसभा सीट से शबनम मौसी चुनाव जीतकर देश की पहली किन्नर विधायक बनी थी इस बार शबनम मौसी ने चुनाव नहीं लड़ा, लेकिन वे सामाजिक गतिविधियों में लगातार सक्रिय रहती है शबनम मौसी के पास दो लाइसेंसी शस्त्र है, जिनमें एक 12 बोर की दोनाली बंदूक और एक पिस्टल उन्होंने बंदूक तो थाने में जमा कर दी थी, लेकिन पिस्टल जमा नहीं की थी

2 लाख से ज्यादा हथियार जमा

बता दें आदर्श आचार संहिता के दौरान निर्वाचन आयोग के निर्देशों पर प्रदेश भर के विभिन्न थानों में 2 लाख 69 हजार 297 से ज्यादा लाइसेंसी हथियार जमा हुए जबकि 758 हथियारों के लाइसेंस निरस्त किए गए थे आदर्श आचार संहिता के दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने 3 हजार 135 अवैध हथियार जब्त किए इसके अलावा 759 गोलियां और 3921 विस्फोटक पदार्थ बरामद किए थे

जम्मू-कश्मीर: 4 सरकारी कर्मचारी बर्खास्त, आतंकियों से निकले संबंध

जम्मू, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर प्रशासन ने केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवादियों के साथ संबंधों के आरोप में एक चिकित्सक और एक पुलिसकर्मी सहित चार और सरकारी कर्मचारियों को बुधवार को बर्खास्त कर दिया। उन्होंने बताया कि श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल में सहायक प्रोफेसर (मेडिसिन) निसार-उल-हसन, कांस्टेबल अब्दुल मजीद भट, उच्च शिक्षा विभाग में प्रयोगशाला कर्मी अब्दुल सलाम राठेर और शिक्षा विभाग में शिक्षक फारुख अहमद मीर को भारत के संविधान के अनुच्छेद 11 के प्रावधानों के तहत बर्खास्त कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन ने संविधान की धारा 311 (2) (सी) का इस्तेमाल करते हुए 50 से अधिक कर्मचारियों को बर्खास्त किया है। ये लोग कथित तौर पर पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों की मदद कर रहे थे, आतंकवादियों की विचारधारा का प्रचार कर रहे थे, धन जुटा रहे थे और अलगाववादी एजेंडे को आगे बढ़ा रहे थे।

राहुल के बयान पर भड़की बीजेपी

अब दिग्गी राहुल के बयान के समर्थन में, दी अजीब दलील

भोपाल, 22 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राजस्थान में चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पनौती कह दिया। इस पर भाजपा नेता भड़क गए हैं। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी की भाषा को अशोभनीय बताया। साथ ही माफी की मांग की ही है। अब इस पर पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह का बयान सामने आया है। दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा कि "पनौती" का क्या अर्थ है? मैंने पता लगाया। यह एक नकारात्मक शब्द है। जब कोई काम होते-होते रह जाए तो उस इंसान को 'पनौती' कह दिया जाता है। पनौती शब्द का इस्तेमाल उस व्यक्ति के लिए किया जाता है जो अपने आसपास के लोगों के लिए दुर्भाग्य या बुरी खबर लाता है, इसीलिए इसे नकारात्मक शब्द कहते हैं। विश्व कप प्रारंभ होते ही सोशल मीडिया पर यह शब्द ट्रेंड करने लगा। यह किसके लिए कहा गया? स्टेडियम में हजारों लोग थे। भाजपा ने मोदी जी को "पनौती" क्यों मान लिया? वे तो उनकी उनकी नजर में "विश्वगुरु" हैं। "पनौती" का क्या अर्थ है? मैंने पता लगाया। यह एक नकारात्मक शब्द है। जब कोई काम होते-होते रह जाए तो उस इंसान को 'पनौती' कह दिया जाता है। पनौती शब्द का इस्तेमाल उस व्यक्ति के लिए किया जाता है जो अपने आस-पास के लोगों के लिए दुर्भाग्य या बुरी खबर लाता है,

क्या है मामला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच देखने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूद थे। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भारत हार गया। इसे मुद्दा बनाकर राहुल गांधी ने चुनावी भाषण में कहा कि लड़के अच्छा भला खेल रहे थे। पनौती पहुंच गए तो वह हार गए। एक अन्य सभा में तो उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधे-सीधे पनौती कह दिया। इस बयान के बाद से भाजपा नेता राहुल गांधी पर हमलावर हैं।

राहुल ने किया देश की समस्त जनता का अपमान : शर्मा

भोपाल, 22 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने पर भारतीय जनता पार्टी की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने आज कहा कि उन्होंने देश की समस्त जनता का अपमान किया है। श्री शर्मा ने कल देर रात यहां भाजपा की बैठक के बाद संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि श्री गांधी ने प्रधानमंत्री के लिए जो शब्दों का प्रयोग किया, उससे वह अपनी 'मंदबुद्धि' सामने लाये हैं। उन्होंने देश की 130 करोड़ जनता का अपमान किया है। देश में कांग्रेस नेस्तनाबूद हो रही है। श्री शर्मा ने राज्य के छतरपुर जिले में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह पर आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज होने पर कहा कि कानून क्या उनकी जेब में है। क्या दिग्विजय सिंह कानून का पालन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि श्री सिंह ने लोगों को भड़काया, उन पर तो और धाराएं लगाई जानी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रशासन ने उन्हें धरना कैसे देने दिया। राज्य के छतरपुर के खजुराहो में कल पूर्व मुख्यमंत्री श्री सिंह के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ है।

खचाखच भरी बेंगलुरु मेट्रो में युवती से छेड़छाड़, दोस्त ने सुनाई दर्दनाक कहानी

बेंगलुरु, 22 नवंबर (एजेंसियां)। महिलाओं के लिए सेफ मानी जाने वाली सिटी बेंगलुरु में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां चलती मेट्रो में एक युवती के साथ छेड़छाड़ हुई है। शख्स ने खचाखच भरी भीड़ के बीच मेट्रो स्टेशन पर युवती के साथ यौन उत्पीड़न किया। युवती की दोस्त ने इस घटना की पूरी कहानी शेयर है। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट रेडिट पर मामले का खुलासा किया है और अधिकारियों से दोषी के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने की मांग की है। जो आमतौर पर कॉलेज जाने के लिए बस लेती है, लेकिन उसने सोमवार को मेट्रो का विकल्प चुना। सुबह 850 बजे के आसपास मैजेस्टिक में मेट्रो में बहुत ज्यादा भीड़ थी, बहुत धक्का-मुक्की हो रही थी। यूजर ने आगे बताया कि जिस महिला पर क्राउड मैनेजमेंट की जिम्मेदारी है उसने असामान्य रूप से बड़ी संख्या में लोगों को ट्रेन के अंदर जाने दिया। उन्होंने लिखा, थोड़ी देर बाद, मेरी दोस्त को बहुत असहज महसूस होने लगा। उसे जल्द ही एहसास हुआ कि लाल शर्ट में एक आदमी जो उसके ठीक पीछे खड़ा था , उसे छू रहा था और पीछे से पकड़ रहा था। वह सचमुच उसके नाखूनों को महसूस कर रही थी। उसने आगे बताया, मेरी दोस्त को शुरू में एहसास नहीं हुआ कि क्या हो रहा है। जैसे ही वह मुड़ी, राक्षस सचमुच दूर चला गया। वह मदद के लिए चीखने-चिल्लाने लगी लेकिन किसी को कोई परवाह नहीं थी। यूजर ने आगे लिखा, क्या मेट्रो के अंदर या स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरे हैं? मैं फुटेज कहां से देख सकता हूं? कृपया मेरी मदद करें। इसके बाद कुछ लोगों ने सुझाव दिया है

'मुंबई में कुछ बड़ा कांड होने वाला है' कंट्रोल रूम में आई कॉल से मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में उस समय हड़कंप मच गया जब एक शख्स ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन करके 'कुछ बड़ा कांड' होने की बात कही। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस को आए इस धमकी भरे कॉल में दूसरी तरफ से शख्स ने कहा था कि मुंबई में कुछ बड़ा कांड होने वाला है। सूचना देने वाले शख्स ने पुलिस को कथित गड़बड़ी की साजिश रचने वाले कुछ लोगों के फोन नंबर भी दिए। कॉलर ने पुलिस कंट्रोल रूम को फोन करके अपना नाम शोएब बताया था और कहा था कि मुंबई में आने वाले दिनों में कुछ बड़ा कांड हो सकता है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पुलिस कंट्रोल रूम के पास यह फोन रात करीब 9 बजे आया था। फोन करने वाले शख्स ने बताया था कि गुजरात की सहने वाली समा नाम की महिला जम्मू एवं कश्मीर के रहने वाले आसिफ के संपर्क में है। कॉलर ने कहा था कि आसिफ और समा मुंबई एक बड़ा कांड करने की प्लानिंग कर रहे हैं। शोएब ने समा और आसिफ के फोन नंबर भी पुलिस को दिए हैं। धमकी भरा यह कॉल आने के बाद हड़कंप मच गया और मुंबई पुलिस मामले की जांच में जुट गई। बता दें कि अक्टूबर में एक शख्स ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच को चिट्ठी लिखकर 2 जजों को संपत्ति विवाद के एक मामले में प्रतिकूल फैसला देने पर बम से हमला करने की धमकी दी थी। एक अधिकारी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया था कि नागपुर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि नागपुर बेंच को 11 अक्टूबर को यह चिट्ठी मिली थी, जिसमें कहा गया था कि अमरावती में वरुड नगर परिषद द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स में की गई वृद्धि को चुनौती देने वाली प्रभाकर काले की याचिका पर प्रतिकूल फैसला दिये जाने की स्थिति में 2 जजों पर बम से अटैक किया जाएगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार से लगाई गुहार, क्या चाहती है बिहार सरकार

पटना, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अब जाति आधारित जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद मोदी से बिहार को को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने की मांग की है। दो अक्टूबर को जातीय जनगणना की रिपोर्ट जारी करने के बाद इसी महीने बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में सरकार ने आरक्षण बढ़ाने का प्रस्ताव लाया और दोनों सदनों व राज्यपाल की मुहर के बाद 21 नवंबर से इसे लागू भी कर दिया। इसके अगले दिन सीएम ने सोशल मीडिया के जरिए प्रधानमंत्री से अपील की। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर लिखा कि देश में पहली बार बिहार में जाति आधारित गणना का काम कराया गया है। जाति आधारित गणना के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति के आंकड़ों के आधार पर अनुसूचित जाति के लिये आरक्षण सीमा को 16 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिये आरक्षण की सीमा को 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 2 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिये आरक्षण की सीमा को 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत तथा पिछड़ा वर्ग के लिये आरक्षण की सीमा को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है अर्थात सामाजिक रूप से कमजोर तबकों के लिये आरक्षण सीमा को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया गया है। सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिये 10 प्रतिशत आरक्षण पूर्ववत लागू रहेगा। अर्थात इन सभी वर्गों के लिए कुल आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 75 प्रतिशत कर दिया गया है।

2 लाख 50 हजार करोड़ रुपये की राशि व्यय होगी

सीएम ने आगे लिखा कि जाति आधारित गणना में सभी वर्गों को मिलाकर बिहार में लगभग 94 लाख गरीब परिवार पाये गये हैं, उन सभी परिवार के एक सदस्य को रोजगार हेतु 2 लाख रुपये तक की राशि किश्तों में उपलब्ध करायी जायेगी। 63,850 आवासहीन एवं भूमिहीन परिवारों को जमीन क्रय के लिए दी जा रही 60 हजार रूपये की राशि की सीमा को बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दिया गया है। साथ ही इन परिवारों को मकान बनाने के लिए 1 लाख 20 हजार रुपये दिये जायेंगे। जो 39 लाख परिवार झोपड़ियों में रह रहे हैं उन्हें भी पक्का मकान मुहैया कराया जायेगा जिसके लिए प्रति परिवार 1 लाख 20 हजार रुपये की दर से राशि उपलब्ध करायी जायेगी। सतत जीविकोपार्जन योजना के अन्तर्गत अत्यंत निर्धन परिवारों की सहायता के लिए अब 01 लाख रुपये के बदले 02 लाख रुपये दिये जायेंगे। इन योजनाओं के क्रियान्वयन में लगभग 2 लाख 50 हजार करोड़ रुपये की राशि व्यय होगी। इन कामों के लिये काफी बड़ी राशि की आवश्यकता होने के कारण इन्हें 5 साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

केन्द्र सरकार बिहार को शीघ्र विशेष राज्य का दर्जा दे

सीएम नीतीश कुमार ने लिखा कि यदि केन्द्र सरकार द्वारा बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिल जाय तो हम इस काम को बहुत कम समय में ही पूरा कर लेंगे। हमलोग बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग वर्ष 2010 से ही कर रहे हैं। इसके लिए 24 नवम्बर, 2012 को पटना के गांधी मैदान में तथा 17 मार्च, 2013 को दिल्ली के रामलीला मैदान में बिहार को विशेष राज्य के दर्जे के लिए अधिकार रैली भी की थी।

हमारी माँग पर तत्कालीन केन्द्र सरकार ने इसके लिए रघुराम राजन कमेटी भी बनाई थी जिसकी रिपोर्ट सितम्बर, 2013 में प्रकाशित हुई थी परन्तु उस समय भी तत्कालीन केन्द्र सरकार ने इसके बारे में कुछ नहीं किया। मई, 2017 में भी हमलोगों ने विशेष राज्य का दर्जा देने के लिए केन्द्र सरकार को पत्र लिखा था। आज कैबिनेट की बैठक में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने हेतु केन्द्र सरकार से अनुरोध करने का प्रस्ताव पारित किया गया है। मेरा अनुरोध है कि बिहार के लोगों के हित को ध्यान में रखते हुये केन्द्र सरकार बिहार को शीघ्र विशेष राज्य का दर्जा दे।

लखीसराय गोलीकांड पर बीजेपी विधायक श्रेयसी सिंह ने नीतीश कुमार से मांगा जवाब, लॉ एंड ऑर्डर पर उठाए सवाल

पटना, 22 नवंबर (एजेंसियां)। लखीसराय में छठ के मौके पर सुबह वाले अर्घ्य के दिन एक ही परिवार के छह लोगों को गोली मारने के मामले में बीजेपी विधायक श्रेयसी सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जवाब मांगा है बीजेपी नेता समेत श्रेयसी सिंह ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की उन्होंने कहा कि जब प्रशासन को बार-बार परिजनों की ओर से इस मामले में बताया गया था तो कड़े एक्शन क्यों नहीं लिए गए? क्यों इस बात का संज्ञान नहीं लिया गया? श्रेयसी सिंह ने कहा कि सब जगह बैठकर मीटिंग हुई थी कि किस तरह घाट पर सुरक्षा रहेगी क्या लॉ एंड ऑर्डर होगा, क्या एक्शन होगा जब इतना हो गया तो पुलिस कहां थी? एक आदमी ने छह लोगों पर गोली चलाई 10 कारतूस बरामद हुए हैं तो पुलिस कहां थी? मुख्यमंत्री को जवाब देना पड़ेगा बीजेपी विधायक ने कहा कि जो आपराधिक घटना हुई है और जिस महिला के साथ हुई है उसकी निजी तस्वीर को प्रशासन ने वायरल किया है पर्सनल फोटो को वायरल नहीं करना चाहिए था महिलाओं के अत्याचार की बात करें, सम्मान की बात करें, जब-जब मुख्यमंत्री सामने आते हैं तो कहते हैं कि सबसे ज्यादा सम्मान उन्होंने किया है सच ये है कि महिलाओं का मजाक बनाकर रख दिया गया है कहा कि आज जितनी आपराधिक घटनाएं हो रही हैं अधिकतर महिलाओं के साथ हो रही है चाहे विधानसभा की बात हो, लखीसराय या जमुई की बात हो, ना तो मुख्यमंत्री की ओर से सम्मान किया जा रहा है, ना सरकार और ना प्रशासन की ओर से किया जा रहा है गोलीबारी के मामले को लेकर श्रेयसी ने कहा कि प्रशासन कहता है कि घटना के तुरंत बाद पांच मिनट में वो लोग पहुंच गए थे जब पांच मिनट में पहुंच गए तो अपराधी भागा कैसे? सुबह के दिन हमलोग अर्घ्य देने जाते हैं तो घाट से लौटते समय काफी भीड़ होती है ऐसे में कैसे कोई अकेला व्यक्ति इस तरह का काम करके भाग सकता है?

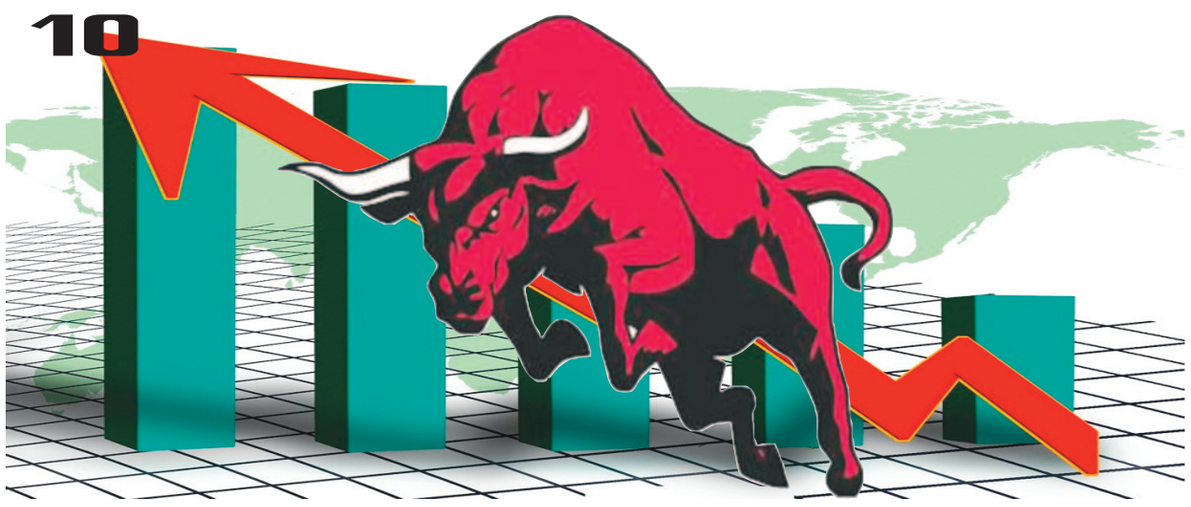

असुरक्षित ऋण देने के नियमों को कड़ा करना स्थिरता की दिशा में शुरुआती कदम, गवर्नर ने महंगाई पर कहा

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि असुरक्षित कर्ज के नियमों को सख्त करना स्थिरता की दिशा में उठाया गया एहतियाती कदम है। मुंबई में वार्षिक एफआईबीएसी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ने मकान और वाहन खरीद के लिए कर्ज तथा छोटे कारोबारियों को मिलने वाले कर्ज जैसे कुछ वर्गों को नए नियमों से बाहर रखा है क्योंकि उन्हें वृद्धि के मोर्चे पर फायदा मिल रहा है। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड

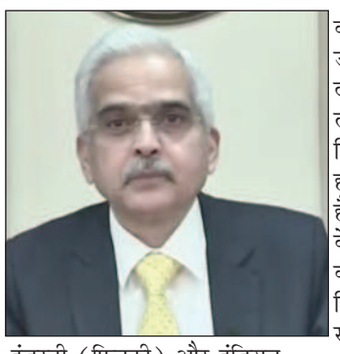

इंडस्ट्री (फिक्की) और इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) संयुक्त रूप से एफआईबीएसी कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने हाल ही में स्थिरता की दिशा में कुछ मैक्रोप्रूडेंशियल उपायों की घोषणा की है। ये उपाय शुरुआती हैं। उन्हें जांचा-परखा जा रहा है।र दास ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि बैंकिंग प्रणाली में फिलहाल कोई नया दबाव पैदा हो रहा है, लेकिन वह चाहते हैं कि कर्जदाता ऐसी परिस्थिति के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि कुछ गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां-सूक्ष्म वित्त संस्थान (एनबीएफसी-एमएफआई) के रिपोर्टों से उच्च ब्याज मार्जिन का पता चलता है और उनसे आरबीआई ने दरों को लचीलेपन के साथ निर्धारित करने को कहा है। इस बीच, मुद्रास्फीति में नरमी के संकेत मिलने के बावजूद दास ने कहा कि रिजर्व बैंक का पूरा ध्यान मूल्य वृद्धि पर है। दास ने कहा कि अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिफल बढ़ने के बावजूद भारतीय रुपये में कम उतार-चढ़ाव और व्यवस्थित उतार-चढ़ाव रहा है। आरबीआई गवर्नर ने विकास दर को बनाए रखने, टिकाऊ मूल्य स्थिरता और कीमतों के झटकों को कम करने के लिए कृषि विपणन और संबद्ध मूल्य श्रृंखलाओं में सुधार की भी वकालत है।

सोने-चांदी के दाम में मामूली गिरावट

शादियों के सीजन में प्रमुख शहरों के गोल्ड-सिल्वर के रेट

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। कल से भारत में शादियों के सीजन का आगाज होने वाला है। 23 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच चलने वाले वेडिंग सीजन में देशभर में करीब 38 लाख से ज्यादा शादियां होने वाली हैं। इस दौरान लोग जमकर सोने और चांदी के गहने खरीदते हैं। अगर आप भी ज्वैलरी खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो जान लें कि आज गोल्ड और सिल्वर दोनों ही वायदा बाजार में मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना सस्ता

सोना मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 61,156 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था। फिलहाल यह कल के मुकाबले 70 रुपये यानी 0.11 फीसदी कमी के साथ 61,155 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर बना हुआ है। मंगलवार को सोना 61,155 रुपये प्रति 10 ग्राम पर देखा गया था।

73,000 रुपये का लेवल पार कर गई चांदी

वहीं चांदी भी वायदा बाजार में गिरावट के साथ कारोबार कर रही है। शुरुआती दौर में चांदी 73,149 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर खुली। फिलहाल चांदी 92 रुपये यानी 0. 13 फीसदी फिसलकर 73,212 रुपये प्रति किलोग्राम पर बनी हुई है। कल यह वायदा **बाजार में 73,304 रुपये पर बंद हुई थी।** 2000 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर बना हुआ है गोल्ड घरेलू बाजार की तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमत में कमी देखी जा रही है। मेटल रिपोर्ट के मुताबिक सोने के दाम 0.1 फीसदी कटौती के साथ 1,996.33 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गए हैं। वहीं पिछले सेशन में सोने में भारी तेजी देखी गई थी और यह 3 हफ्ते के उच्चतम स्तर यानी 2007.29 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया था। चांदी की कीमत 0. 1 फीसदी की गिरावट के साथ 23.75 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है।

22 नवंबर 2023 को भारत के प्रमुख शहरों में गोल्ड-सिल्वर के दाम-

दिल्ली- 24 कैरेट गोल्ड 62,170 रुपये प्रति 10 ग्राम, सिल्वर 76,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है। मुंबई- 24 कैरेट गोल्ड 62,020 रुपये प्रति 10 ग्राम, सिल्वर 76,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है। कोलकाता- 24 कैरेट गोल्ड 62,020 रुपये प्रति 10 ग्राम, सिल्वर 76,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है। चेन्नई- 24 कैरेट गोल्ड 62,510 रुपये प्रति 10 ग्राम, सिल्वर 79,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है। लखनऊ- 24 कैरेट गोल्ड 62,170 रुपये प्रति 10 ग्राम, सिल्वर 76,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है।

पटना- 24 कैरेट गोल्ड 62,070 रुपये प्रति 10 ग्राम, सिल्वर 76,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है। गाजियाबाद- 24 कैरेट गोल्ड 61,170 रुपये प्रति 10 ग्राम, सिल्वर 76,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है। नोएडा- 24 कैरेट गोल्ड 62,170 रुपये प्रति 10 ग्राम, सिल्वर 76,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है। कानपुर- 24 कैरेट गोल्ड 62,170 रुपये प्रति 10 ग्राम, सिल्वर 76,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है।

जयपुर- 24 कैरेट गोल्ड 62,170 रुपये प्रति 10 ग्राम, सिल्वर 76,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है। पुणे- 24 कैरेट गोल्ड 62,020 रुपये प्रति 10 ग्राम, सिल्वर 76,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है। इंदौर- 24 कैरेट गोल्ड 62,070 रुपये प्रति 10 ग्राम, सिल्वर 76,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिल रही है।

सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज बाइनेंस के सीईओ का इस्तीफा

चांगपेंग झाओ को अमेरिकी कानून तोड़ने का दोषी पाया गया, रिचर्ड टेंग नए सीईओ

वॉशिंगटन, 22 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस के फाउंडर और सीईओ चांगपेंग झाओ ने बुधवार को इस्तीफा दे दिया। उन्हें अमेरिकी एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग कानून तोड़ने का दोषी पाया गया है। क्रिप्टो एक्सचेंज 4.3 बिलियन डॉलर (करीब 35 हजार करोड़ रुपए) का जुर्माना भी देगा।झाओ अगले 3 साल तक कंपनी में कोई मैनेजमेंट पोजिशन भी नहीं संभाल सकेंगे। वहीं कंपनी में रीजनल मार्केट के ग्लोबल हेड रहे रिचर्ड टेंग को नया सीईओ बनाया गया है। जस्टिस डिपार्टमेंट, ट्रेजरी डिपार्टमेंट और कमोडिटी फ्यूचर्स ट्रेडिंग कमीशन सालों से कंपनी की जांच कर रहे थे।

अपराधों के कारण बाइनेंस बना सबसे बड़ा एक्सचेंज

अमेरिकी अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने कहा, 'अपने अपराधों के कारण बाइनेंस दुनिया का सबसे बड़ा क्रिप्टो एक्सचेंज बना। अब यह अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़े कॉर्पोरेट पेनाल्टीज में से एक का भुगतान करेगा।'वहीं, ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने एक बयान में कहा, 'बाइनेंस ने जानते-बूझते हुए उसके प्लेटफॉर्म के माध्यम से आतंकवादियों, साइबर अपराधियों और चाइल्ड एब्यूजर्स को मनी फ्लो करने की अनुमति दी।'

चांगपेंग झाओ ने रिचर्ड टेंग को बताया योग्य लीडर

सीईओ पद से इस्तीफा देने के बाद चांगपेंग झाओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि रिचर्ड हाईली क्वालिफाइड लीडर हैं। वह अपने तीन दशकों से अधिक के फाइनेंशियल सर्विसेज और रेगुलेटरी अनुभव के साथ, कंपनी को विकास के अगले दौर में ले जाएंगे। रिचर्ड यह सुनिश्चित करेंगे कि बाइनेंस सिक्योरिटी, पारदर्शिता, अनुपालन और विकास के हमारे अगले चरण को पूरा करें। झाओ ने आगे कहा कि रिचर्ड और पूरी टीम के साथ मुझे विश्वास है कि बाइनेंस और क्रिप्टो इंडस्ट्री के लिए सबसे अच्छे दिन आने वाले हैं।

2017 में हुई थी बाइनेंस की शुरुआत

बाइनेंस की शुरुआत 2017 में एक क्रिप्टो-एक्सचेंज हुई थी। बाइनेंस के इकोसिस्टम में कई क्रिप्टोएक्सचेंज हैं, जिसका इसने अधिग्रहण किया है और उन्हें बनाया है। इसके अलावा इसके पास खुद की क्रिप्टोकरेंसी, कई क्रिप्टो वॉलेट और नई क्रिप्टोकरेंसी को लॉन्च करने वाला एक लॉन्चपैड भी है।

खुल गया टाटा की कंपनी का आईपीओ, कमाई के लिए देशी-विदेशी इन्वेस्टर्स में मची होड़

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। करीब 20 साल बाद आज टाटा कंपनी का आईपीओ खुल गया है। टाटा के इस आईपीओ को लेकर निवेशकों में अलग ही उत्साह है। टाटा समेत आज बुधवार को 5आईपीओ लॉन्च हुए हैं। इन आईपीओ को आज से आप सब्सक्राइब कर सकते है। इनमें टाटा टेक्नोलोजी, फ्लेयर राइटिंग, गांधार ऑयल रिफाइनरी, फीडबैंक फाइनेंसियल सर्विसेज और रॉकिंग डील्स सर्कुलर का आईपीओ शामिल है। इनमें से ज्यादातर कंपनियों के शेयर ग्रे मार्केट में शानदार प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। वहीं, टाटा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ के लिए आप बुधवार 22 नवंबर 2023 से 24 नवंबर, 2023 के बीच बोली लगा पाएंगे।

आईपीओ के जरिए कंपनी मार्केट से 3,042. 51 करोड़ रुपये इकट्ठा करने की कोशिश कर रही है। आइए डिटेल में जानते हैं इनके बारे में...

एंकर निवेशकों से जुटाई इतनी रकम

21 नवंबर, 2023 को टाटा टेक का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए खुल गया था। 67 एंकर निवेशकों के जरिए कंपनी ने कुल 791 करोड़ रुपये की रकम जुटाई है।

कंपनी ने एंकर निवेशकों को 500 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से शेयर बेचे हैं। वहीं इन 67 एंकर निवेशकों को कुल 1,58,21,071 इक्विटी शेयरों की बिक्री की गई है।

टाटा टेक आईपीओ के डिटेल्स

टाटा टेक का आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल के जरिए लाया जा रहा है। इस आईपीओ में टाटा मोटर्स, टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड-1 और अल्फा टीसी होल्डिंग अपनी हिस्सेदारी को बेच रही हैं। कंपनी ने क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए 50 फीसदी, नॉन इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए 15 फीसदी और रिटेल निवेशकों के लिए 35 फीसदी हिस्से को रिजर्व किया है। कंपनी ने अपने शेयरहोल्डर्स के लिए 6,085,027 इक्विटी शेयर और अपने एंप्लाइज के लिए 2,028,342 इक्विटी शेयर रिजर्व करके रख दिए हैं।

क्या है प्राइस बैंड-कब होगी लिस्टिंग

टाटा टेक के आईपीओ में शेयरों का प्राइस बैंड 355 रुपये पर ट्रेड करता दिखा। इसके साथ ही रिटेल निवेशक एक बार में कम से कम 30 शेयर खरीद सकते हैं। ऐसे में आपको कम से कम 15,000 रुपये निवेश करना होगा। कंपनी के शेयरों के अलॉटमेंट डेट की बात करें तो यह 27 नवंबर, 2023 तय किया गया है। वहीं शेयरों की लिस्टिंग 29 नवंबर, 2023 को बीएसई और एनएसई पर होगी।

सोशल मीडिया पर सामान बेचने वालों को नोटिस, 10000 करोड़ की पकड़ी गई टैक्स चोरी

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया जैसे फेसबुक या इंस्टाग्राम पर सामान बेचने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। ये ब्रांड और लोग काफी मुनाफा भी कमा रहे हैं। अगर बात टैक्स की करें तो इनमें से कई लोग ना तो टैक्स दे रहे हैं। अगर दे भी रहे हैं तो वो काफी कम है। इनकम टैक्स ने ऐसे लोगों की पहचान की है। डिपार्टमेंट ने 10 हजार करोड़ रुपए की टैक्स चोरी का नोटिस भी जारी कर दिया है।

अभी आईटी डिपार्टमेंट की ओर से 45 नोटिस पैन इंडिया ब्रांड्स को भेज दिए हैं। कई नोटिस भेजे जाने बाकी है। आईटी डिपार्टमेंट और सरकार ने साफ संकेत दे दिए हैं कि टैक्स चोरी को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बीते कुछ समय से टैक्स चोरी के मामलों को पकड़ा गया है और सख्ती की गई है। जिसकी वजह से सरकार को टैक्स कलेक्शन में भी इजाफा हो रहा है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर पूरा मामला आखिर है क्या?

डिपार्टमेंट ने पकड़ी 10000 करोड़ की टैक्स चोरी

ईटी की रिपोर्ट के अनुसार देश में रन कर रहीं ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ आईटी डिपार्टमेंट सोशल मीडिया सामान बेचने वालों पर पैनी नजर रखे हुए हैं। डिपार्टमेंट की ओर से करीब 10 हजार करोड़ रुपए की टैक्स चोरी का भंडाफोड़ किया है। ये टैक्स चोरी करीब 3 साल से की जा रही थी। डिपार्टमेंट की ओर से 45 नोटिस भेजे गए हैं। इन नोटिस को अक्टूबर के लास्ट वीक से लेकर 15 नवंबर के बीच सेंड किया गया है। अधिकारियों के अनुसार अभी शुरुआत है। कई लोगों को नोटिस भेजे जाने बाकी हैं।

सोशल मीडिया पर बेचा रहा था ये सामान

ईटी की रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने कहा कि जिन लोगों को नोटिस भेजा गया है या फिर भेजे जाने हैं। उनमें से कोई बड़ी ई—कॉमर्स कंपनी नहीं है। डिपार्टमेंट ने 45 नोटिस भेजे हैं, जिनमें से 17 नोटिस उन लोगों को भेजे हैं, जो कपड़े बेचते हैं। 11 नोटिस ज्वैलरी बेचने वालों

को भेजा गया है। 6 नोटिस उन लोगों को भेजे गए हैं, जो जूते और बैग बेचते हैं। 5 लोकल फैशन प्रोडक्ट बेचने वालों को नोटिस जारी किया गया है। 4 नोटिस होम डेकोर और फर्निशिंग वालों को भेजा गया है। बाकी नोटिस उन ई-टेलर्स को जारी किए गए हैं, जो कि गिफ्ट आइटम बेचते हैं। आईटी डिपार्टमेंट के अनुसार इस लिस्ट में कुछ ऐसे रिटेल सेलर्स के भी नाम शामिल हैं, जो कस्टमर्स तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लेते हैं। डिपार्टमेंट के अनुसार कई सेलर्स ऐसे भी हैं जो अपने प्रोडक्ट्स को फॉरेन कंट्रीज में भी भेज रहे हैं।

महामारी के बाद हुआ इजाफा

देश में एक बड़ी आबादी है। उसी के अनुसार देश में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमालन करने वाले लोगों की संख्या भी है। अगर बात इंस्टाग्राम की करें तो देश में इसके करीब 23 करोड़ यूजर्स हैं, जोकि दुनिया में सबसे ज्यादा है। जबकि फेसबुक यूज करने वालों की संख्या भी 31। 40 करोड़ से अधिक है। कोविड महामारी के बाद इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामान बेचने का चलन काफी बढ़ा। अपने बिजनेस में सोशल मीडिया का यूज करने वाले 45 कंपनियों का टर्नओवर काफी बेहतर बताया जा रहा है।

2 फीसदी भी नहीं दिखाई कमाई

अधिकारियों ने जानकारी देते हुए ईटी की रिपोर्ट में कहा कि कई दुकानदार आईटी डिपार्टमेंट अपनी कमाई 2 फीसदी भी नहीं दिखाई दे रहे हैं। इस बात जानकारी तब हुई, जब मुंबई बेस्ड ई-टेलर ने एक फैशन शो को स्पांसर किया। आईटी डिपार्टमेंट के अनुसार उनके पास एक छोटी दुकान और गोदाम है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के माध्यम से सामान बेच रहे थे।

रेमंड के सिंघानिया का एक फैसला और डूब गए 1500 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। रेमंड के शेयरों में बुधवार को 3. 77 प्रतिशत की गिरावट आई, जिससे लगातार सातवें सत्र में नुकसान बढ़ गया, इन खबरों के बीच कि चेयरमैन गौतम हरि सिंघानिया की अलग पत्नी नवाज गौतम सिंघानिया ने उनकी संपत्ति का 75 फीसदी हिस्सा मांगा है।

इस महीने की शुरुआत में इस जोड़े ने अलग होने की घोषणा की थी। बुधवार को रेमंड के शेयर में 3। 77 फीसदी की गिरावट आई और शेयर गिरकर 1676. 55 पर बंद हुआ। इस बीच 7 कारोबारी दिनों में (13-22 नवंबर) में कंपनी के शेयर में करीब 12 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है। वहीं कंपनी के मार्केट कैप को 1500 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। वैसे मौजूदा साल में कंपनी ने निवेशकों को 13 फीसदी और पिछले 1 वर्ष में 36 फीसदी का रिटर्न दिया है। अगर बीते 4 साल की बात करें तो निवेशकों की 6 गुना की कमाई हुई। अरबपति उद्योगपति गौतम सिंघानिया की पत्नी नवाज मोदी सिंघानिया अपने पति के खिलाफ शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है। इंडिया टुडे के साथ एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में मोदी ने दावा किया कि सिंघानिया ने उन पर और उनकी नाबालिग बेटी निहारिका के साथ फिजिकल असॉल्ट किया था।

66 हजार अंक के पार निकला सेंसेक्स

दूसरे दिन भी फायदे के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को लगातार दूसरे दिन हल्की तेजी देखी कई। कारोबार समाप्त होने के बाद सेंसेक्स करीब 93 अंक की बढ़त के साथ 66,023. 24 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी करीब 30 अंकों की मामूली तेजी के साथ 19,812 अंक के पास रहा।

कल लगा था गिरावट पर ब्रेक

इससे पहले मंगलवार को भी घरेलू बाजार में तेजी देखने को मिली थी। सप्ताह के दूसरे दिन बीएसई सेंसेक्स 275 अंक मजबूत होकर 65,930. 77 अंक पर बंद हुआ था। इसी तरह एनएसई निफ्टी 92 अंक की तेजी के साथ 19,783. 40 अंक पर रहा था। मंगलवार को बाजार की लगातार दो दिनों की गिरावट थम गई थी। सप्ताह के पहले दिन बाजार में गिरावट आई थी। सोमवार को सेंसेक्स करीब 140 अंक लुढ़ककर 65,655. 15 अंक पर और निफ्टी करीब 37 अंक के नुकसान के साथ 19,695 अंक के पास बंद हुआ था।

आईटी शेयरों की रैली बरकरार

आज के कारोबार में आईटी शेयरों की रैली बरकरार रही। आईटी शेयरों में पिछले सप्ताह से ही तेजी देखी जा रही है। बाजार को गिरावट से उबारने में सबसे ज्यादा योगदान आईटी शेयरों का ही है। आज भी सेंसेक्स पर सबसे ज्यादा फायदे में आईटी शेयर ही रहे। इंफोसिस का शेयर सबसे ज्यादा 1.22 फीसदी की बढ़त में बंद हुआ। टेक महिंद्रा, टीसीएस और एचसीएल टेक जैसे आईटी शेयर भी फायदे में रहा। विप्रो को मामूली नुकसान उठाना पड़ा। एनटीपीसी और पावरग्रिड कॉरपोरेशन जैसे शेयरों को भी एक-एक फीसदी से ज्यादा का फायदा हुआ। टाइटन और आईटीसी में करीब 1-1 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

बैंकिंग शेयरों पर बना रहा दबाव

दूसरी ओर बैंकिंग शेयरों पर दबाव जारी रहा। इंडसइंड बैंक का शेयर सबसे ज्यादा नुकसान में रहा, जिसके भाव में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। कोटक बैंक का शेयर भी 1 फीसदी से ज्यादा के नुकसान में रहा। एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक जैसे बैंकिंग शेयरों को भी नुकसान उठाना पड़ गया। अन्य शेयरों में जेएसडब्ल्यू स्टील को 1 फीसदी का नुकसान हुआ। महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी जैसे ऑटो स्टॉक भी करीब 1 फीसदी तक के घाटे में बंद हुए।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	वृश्चिक.	06-01 बजे
चंद्र-	मीन में	धनु.....	08-14 बजे
मंगल	तुला में	मकर..	10-20 बजे
बुध-	वृश्चिक में	कुंभ...	12-11 बजे
गुरु-	मेष में	मीन ..	13-48 बजे
शुक्र-	कन्या में	मेष--	15-25 बजे
शनि-	कुंभ में	वृष--	17-10 बजे
राहु-	मीन में	मिथून..	19-10 बजे
केतु-	कन्या में	कर्क...	21-22 बजे
		सिंह...	23-35 बजे
		कन्या..	01-41 बजे
		तुला.....	03-50 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-28 सूर्यास्त - 17-35
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी - 21 -02 - तक उपरान्त द्वादशी
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष , गुरुवार 23 November
नक्षत्र - उ.भाद्रपद - 17- 15 - तक उपरान्त रेवती
योग - वज्र - 11 - 52 - तक उपरान्त सिद्ध
करण- वणिज - 10 -02 - तक उप- विष्टि
विशेष:- देव प्रबोधिनी एकादशी व्रत सर्वे
व्रत -त्योहार -चातुर्मास पूर्णता, तुलसी विवाह

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:26 से 14:50 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ.	06:28 - 07:50 शुभ	अमृत.	17:35 - 19:14 शुभ
रोग	07:50 - 09:14 अशुभ	चंचल.	19:14 - 20:51 शुभ
उत्पात	09:14 - 10:38 अशुभ	रोग.	20:51 - 22:27 अशुभ
चंचल	10:38 - 12:02 शुभ	काल.	22:27 - 24:03 अशुभ
लाभ	12:02 - 13:26 शुभ	लाभ	24:03 - 01:39 शुभ
अमृत	13:26 - 14:50 शुभ	उत्पात	01:39 - 03:15 अशुभ
काल.	14:50 - 16:14 अशुभ	शुभ.	03:15 - 04:51 शुभ
शुभ.	16:14 - 17:35 शुभ	अमृत	04:51 - 06:28 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं । आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं। आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा । हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नही दिया तो यह सब उल्टा -पुल्टा भी हो सकता है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आपको कई सारे मुद्दे सलझाने हैं और ये सभी काफी महत्व के मसले हैं । इन सबके चक्कर में आपको कम समय मिल पायेगा और आप इन सबमे फंसा हुआ सा अनुभव करेंगे । इसके अलावा ,आज आपको कुछ ऐसी योजनाओं के बारे में भी पता चलेगा जो कुछ अलग सी दिखाई दे रही हैं । आप आज अपनी परेशानी के चलते कुछ ऐसा कह या कर सकते हैं जिसके लिए आपको बाद में पछताना पड़ सकता है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी अप्रत्याशित समस्याओं से काम कुछ समय के लिए रुक सकता है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें । आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है । दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा । आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा । अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे । आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज आप बहुत सृजनात्मक अनुभव करेंगे । खूबसूरती की प्रशंसा के साथ साथ खुद भी कुछ खूबसरत चीज बनाना चाहेंगे । दिन कलाकारों के लिए विशेष अच्छा है । हालाँकि ,आज शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लें । क्योंकि अचानक आप विकर्षित सा अनुभव करने लगेंगे ,यह भावना काफी सामान्य है लेकिन आप इसके कारण बिना बात निराश सा अनुभव करेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आपके हर एक काम में आत्मविश्वास की झलक दिखेगी । कुछ समय पहले तक बहुत मुश्किल दिखने वाली बाधाएं आज आसानी से पार हो जाएंगी । आपकी संवाद कुशलता अब पहले से बेहतर है और आप लोगों को इसके चलते विश्वास में लेकर अपनी बात समझा पायेंगे । दिन किसी मुश्किल परियोजना पर काम करने के लिए भी उपयुक्त है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा । ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें । आज आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे ,या घर की नियमित साफ़-सफाई के चलते कम उपयोगी सामान को बेच देंगें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है । आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं । आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे । आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगी। आप पिछले कुछ समय से किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को टाल रहें हैं लेकिन आज इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर रखकर सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । अब समय आ गया है कि अच्छे खान-पान का महत्व समझें ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

एल्विश की पार्टी, गले में सांप, जुआ-कसीनो, रशियन लड़कियां

सामने आए स्टिंग करने वाले गौरव, बोले- अभी और नाम सामने आएंगे

नोएडा, 22 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। '5-6 महीने पहले गुरुग्राम के बादशाहपुर में इन लोगों ने एक शूट किया था। इसमें ये 20 सांप लेकर आए थे। वहां बिग बॉस विनर एल्विश यादव था, सिंगर राहुल यादव उर्फ फाजिलपुरिया था और कई यूट्यूबर थे।' 'वीडियो में ये लोग गले में सांप डालकर खड़े हैं। एल्विश यादव खुलेआम बोल रहा है कि यहां जुआ चल रहा है। कसीनो की मशीन रखी है, नोट रखे हैं। रशियन लड़कियां बुला रखी हैं। हमें एक इन्फॉर्मर ने टिप दी थी कि ये लोग बड़े पैमाने पर सांपों और उनके जहर की तस्करी करते हैं।'

गौरव गुप्ता ये बताते हुए लगातार आस-पास देखते रहते हैं। ये वही गौरव हैं, जिन्होंने रेव पार्टी में स्नेक वेनम सप्लाई होने का खुलासा किया था। गौरव पीपुल्स फॉर एनिमल यानी पीएफए से जुड़े हैं। यूट्यूबर एल्विश यादव का नाम आते ही ये मामला हाईप्रोफाइल हो गया।

बीजेपी सांसद मेनका गांधी के ऑर्गेनाइजेशन पीएफए की शिकायत पर पुलिस ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत एएफआईआर दर्ज की है। इसमें एल्विश यादव समेत 6 लोगों का नाम है। बाकी 5 लोग अरेस्ट हैं, लेकिन एल्विश को पुलिस ने न अरेस्ट किया है और न ही रिमांड पर लिया है। हालांकि दो दिन एल्विश यादव से पूछताछ जरूर हुई है। इस खुलासे के बाद से ही गौरव गुप्ता छिपे हुए थे, उन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं। काफी मनाने के बाद वे पहली बार सामने आकर बात करने के लिए तैयार हुए।

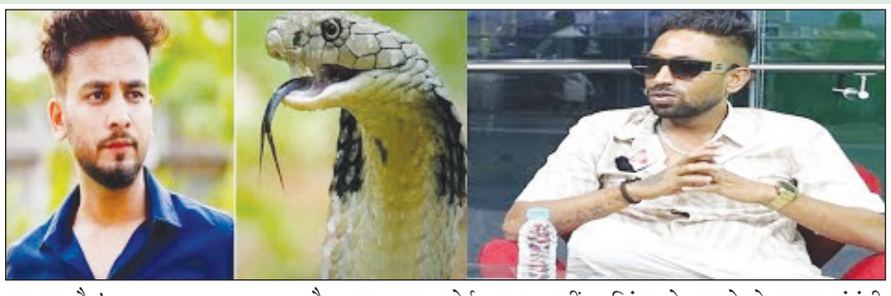

गौरव गुप्ता ने बताया कि पूरा स्टिंग कैसे प्लान हुआ, इन्फॉर्मर से मिली टिप क्या थी, कैसे एल्विश यादव का नाम सामने आया, क्या एल्विश की तरह और भी लोगों के नाम सामने आने वाले हैं। गौरव सामने आए, और एल्विश केस के स्टिंग की पूरी कहानी बताई।

गौरव गुप्ता बताते हैं, 'हमारे एक इन्फॉर्मर ने हमें टिप दी थी। इस टिप और एल्विश का सांप वाला वीडियो देखने के बाद हमने स्टिंग का प्लान बनाया। इन्फॉर्मर से कहा कि वो और जानकारी जुटाए। उसने हमें बिल्कुल सटीक जानकारी दी। बताया कि राहुल यादव नाम का एक शख्स है, जो एल्विश यादव का करीबी है।' 'ये लोग रेव पार्टियां ऑर्गेनाइज करते हैं और इन पार्टियों में सांप और उसका जहर लेकर जाते हैं। इन लोगों ने गुरुग्राम, छतरपुर, नोएडा में पार्टियां की हैं। अब तो गोवा और लोनावला का नाम भी सामने आ रहा है।'

गौरव आगे बताते हैं, 'हमने राहुल यादव को फोन किया। राहुल का नंबर हमारे इन्फॉर्मर ने ही दिया था। हमने उससे शो करने के लिए कहा। बातों-बातों में सांपों और जहर की डिमांड की। पहले तो उसने मना कर दिया, लेकिन जैसे ही हमने एल्विश का नाम लिया, उसने कहा कि अगर एल्विश भाई ने आपको नंबर दिया है तो मैं कुछ इंतजाम करता हूं। फिर वो तैयार हो गया।' 'पहले हमने फोन पर उसकी बातचीत रिकॉर्ड की। फिर उससे मिलने भी गए। हमारे सामने भी उसने कहा कि एल्विश यादव इस तरह की पार्टियां करते हैं। मैं भी रेगुलर इस तरह के शो करता हूं।' गौरव बताते हैं, 'हमने पूछा कि ये सब तो गैरकानूनी है, आप लोग कैसे कर लेते हो? राहुल ने जवाब दिया, आप एल्विश यादव को तो जानते ही हैं। उनकी पहुंच कितनी है। उन पर कोई हाथ नहीं डालता।'

'हमने राहुल को नोएडा में एक जगह बुलाया था। उसके साथ 5 और लोग आए थे। हमने पहले ही पुलिस और फॉरेस्ट की टीम को खबर कर दी थी। हमने राहुल से कुछ बातचीत की और फिर उन्हें पकड़ लिया। उनके पास 9 सांप और करीब 20 एमएल स्नेक वेनम मिला।' राहुल और उसके साथ आए लोगों के पास 5 कोबरा, एक अजगर, एक घोड़ा पछाड़ और दो दोमुंही मिले। कोबरा का जहर पहले ही निकाल लिया गया था। 'करीब 4 महीने। इन्फॉर्मर से टिप मिलने, प्लान करने और राहुल का स्टिंग करने तक इतना वक्त लग गया।'

क्या कुछ और बड़े नाम सामने आएंगे? क्या वे पॉलिटिकल होंगे?

'पॉलिटिकल तो नहीं कह सकते। कोई किसी के साथ फोटो खिंचा ले, उससे वो उसका संबंधी या जानने वाला नहीं हो जाता। नेताओं के साथ तो कई लोग फोटो खिंचाते हैं। उन्हें ये पता नहीं होता कि साथ में फोटो खिंचा रहा शख्स आगे चलकर क्या करेगा। पर हां, जो नाम आएंगे वो बड़े होंगे।'

क्या राहुल यादव और एल्विश यादव के बीच सीधा संबंध था या फिर कोई कड़ी है?

'इनके बीच एक और शख्स भी है। पुलिस को उसका पता चल गया है। हमारे पास भी उसकी जानकारी है, लेकिन हम अभी नाम नहीं लेंगे। हम पक्के सबूत जुटा रहे हैं। अगर अभी नाम लेंगे तो जांच में दिक्कत आएगी। वो पहले से ही दबाव बनवाने लगेगा।'

क्या इससे पहले भी आपने ऐसे स्टिंग किए हैं?

'ये हमारा रूटीन काम है। अब तक लेपर्ड, कछुए, टाइगर समेत कई जानवरों की तस्करी के करीब 800-900 केस दर्ज करवा चुके हैं। इस तरह के स्टिंग करते रहते हैं। हमारे इन्फॉर्मर इनपुट देते रहते हैं। ये मामला शायद एल्विश यादव का नाम आने की वजह से ज्यादा तूल पकड़ गया। लेपर्ड और कछुए की तस्करी पर हम करने वाले हैं। ये जल्द ही सामने आएगा।

क्या गुरुग्राम पुलिस पॉलिटिकल प्रेशर में है?

गौरव गुप्ता कहते हैं, 'हमने 15 अक्टूबर को गुरुग्राम में FIR दर्ज कराई थी। हमने उस वीडियो का हवाला दिया था जिसमें एल्विश यादव और राहुल फाजिलपुरिया सांपों के साथ हैं।

एल्विश यादव सांपों को गले में डाल रहा है, उसकी गर्दन पकड़े है। उसे मुंह तक ले जा रहा है। कटवाने की कोशिश कर रहा है। अब तक गुरुग्राम पुलिस ने कुछ नहीं किया, शायद उन पर पॉलिटिकल प्रेशर है। इसलिए हम कोर्ट जाएंगे।'

विवाद में फंसने के बाद एल्विश यादव ने 3 नवंबर को सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर सफाई दी थी। वीडियो में एल्विश कह रहे हैं कि मैं सुबह उठा तो देखा कि मेरे खिलाफ कैसी-कैसी न्यूज फैल रही हैं।' 'मीडिया में बताया जा रहा है कि एल्विश यादव अरेस्ट हो गया। एल्विश यादव नशीले पदार्थों के साथ पकड़ा गया, जितने भी ये आरोप हैं वे सभी बेबुनियाद हैं, सारे फेक हैं। 1% भी इसमें सच्चाई नहीं है। मैं यूपी पुलिस के साथ पूरा सहयोग करने को तैयार हूं।

सांपों की तस्करी का मामला पहले नोएडा सेक्टर-49 थाने में था। बाद में इसे सेक्टर-20 में ट्रांसफर कर दिया गया। हमने केस की जांच कर रहे इन्वेस्टिगेटिव ऑफिसर कैलाश नाथ सिंह से बात करने की कोशिश की। वे मिले भी, लेकिन कहा कि केस हाई प्रोफाइल है, इसलिए मैं कुछ नहीं बोल सकता। आप एसीपी से बात करें। वही इस केस पर बोल सकते हैं।' इसके बाद एसीपी रजनीश वर्मा से मिले, लेकिन उन्होंने भी कैलाश नाथ सिंह की तरह कहा कि केस हाई प्रोफाइल है। आप जॉइंट सीपी आनंद कुलकर्णी से बात कीजिए।

जॉइंट सीपी आनंद कुलकर्णी से बात हुई, तो उन्होंने बताया, 'हमने अब तक इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस, यानी वीडियो की जांच की है। एल्विश यादव से एक बार और राहुल यादव से दो बार पूछताछ की है। हमारा मकसद है कि सभी एविडेंस की ठीक से जांच हो और बाकी सबूत भी इकट्ठे किए जाएं। वीडियो सबसे मजबूत एविडेंस हैं। उसमें दिख रहे कुछ सांप प्रतिबंधित प्रजाति के हैं।'

जॉइंट सीपी ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में एल्विश यादव से हमें कुछ जानकारी मिली है। हम अभी इसे क्रॉस वैरिफाई कर रहे हैं। एल्विश को फिर से पूछताछ के लिए भी बुला सकते हैं। सबूत इकट्ठा कर रहे हैं और फिर उन्हें प्रॉपर तरह से एनालाइज करेंगे। कुछ का एनालिसिस चल भी रहा है। उसके बाद किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकेंगे। जॉइंट सीपी कहते हैं, मैंने कहा न कि हम उसे पूछताछ के लिए फिर बुला सकते हैं। अभी उसके खिलाफ कोई वारंट नहीं है, न हमने उसे रिमांड पर लिया है। राहुल यादव रिमांड पर है। उससे पूछताछ चल रही है।'

'ये सारे काम सेलिब्रिटीज खुद हैंडल नहीं करते। इसके लिए कोई व्यक्ति होता है। अभी हम जांच कर रहे हैं। बहुत कुछ बता नहीं सकते। हमने क्या पूछताछ की, किसे कितने दिन की रिमांड पर लिया। ये सब तो मीडिया में है। अब इंटेलिजेंस की टीम भी एविडेंस जुटा रही है। इस कलेक्शन की जांच की जाएगी, लेकिन क्या सबूत मिले हैं, इंटेलिजेंस टीम क्या कर रही है, ये सब नहीं बता सकते।'

हिट-एंड-रन केस में एनएसयूआई प्रदेश सचिव अमीन सस्पेंड

जांच के लिए बनी 4 सदस्यीय कमेटी, एफआईआर और निलंबन आदेश में आरोपी का अलग-अलग सरनेम

बिलासपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में युवक कांग्रेस नेता और उसके साथियों को कार से रौंदने वाले एनएसयूआई के प्रदेश सचिव अमीन को सस्पेंड कर दिया गया है। एनएसयूआई ने इसकी जांच के लिए 4 सदस्यीय कमेटी भी बनाई है। इधर, कोतवाली पुलिस अब तक हमलावरों को नहीं पकड़ पाई है।

दरअसल, रविवार की रात दो गुट के विवाद के दौरान अमीन ने तेज रफ्तार से युवक कांग्रेस नेता मंजीत सोनी और एक्टिवा सवार युवकों पर कार चढ़ा दी थी। जिसका सीसीटीवी वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

एनएसयूआई के प्रभारी प्रदेश महामंत्री हेमंत पाल ने जारी आदेश किया है। जिसमें कहा है कि प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय को सचिव अमीन श्रीवास्तव के खिलाफ आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने की शिकायत मिली है। चार सदस्यीय कमेटी

जांच करेगी। रिपोर्ट आने तक अमीन को प्रदेश सचिव के पद से निलंबित कर दिया गया है।

हिट-एंड-रन के इस केस में आरोपी अमीन के नाम को लेकर अलग-अलग सरनेम बताया जा रहा है। पुलिस की एफआईआर में उसे अमीन खान बताया गया है। वहीं, एनएसयूआई के निलंबन आदेश में उसे अमीन श्रीवास्तव बताया गया है। युवक कांग्रेस नेता सिद्धू श्रीवास्तव रविवार की रात अपने कुछ दोस्तों के साथ ढाबे पर खाना खाने गया था। युवक कांग्रेस के शहर महासचिव मंजीत सोनी भी दोस्तों के साथ गया था। सभी वहां से वापस आकर मोहल्ले की एक दुकान के पास खड़े थे। वहां पहले से ही एनएसयूआई कार्यकर्ता अभिजीत श्रीवास्तव भी मौजूद था।

आरोप है कि चुनाव में गुटबाजी को लेकर अभिजीत गालियां देने लगा। इस पर सिद्धू और अन्य युवकों ने मना किया तो अभिजीत ने अपने अपने भाई, पिता सुभाष, अमान खान और एनएसयूआई के प्रदेश सचिव अमीन खान को बुला लिया। फिर उन्होंने मिलकर सिद्धू, मंजीत सोनी और उसके दोस्तों से मारपीट शुरू कर दी।

आरोपी अमीन और अमन ने तेज रफ्तार कार से मंजीत सोनी और एक्टिवा सवार उसके साथियों को टक्कर मार दिया। वारदात में सिद्धू और मंजीत सोनी गंभीर रूप से घायल हो गए। फिलहाल, मंजीत का अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामले में हमलावरों पर केस दर्ज कर लिया है। लेकिन, अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई है।

केबीसी जूनियर की हॉट सीट पर पहुंचा भिलाई का विराट

8 साल के अय्यर देंगे अमिताभ बच्चन के 1 करोड़ तक के सवाल का जवाब

भिलाई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भिलाई के रहने वाले 8 साल के विराट अय्यर मशहूर टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' जूनियर की हॉट सीट पर पहुंच गए हैं। 21 नवंबर को बेबाकी से अमिताभ बच्चन को सवालों का जवाब देते नजर आए। इसका दूसरा प्रसारण सोनी लिव चैनल पर प्रसारित किया जाएगा। इसमें अय्यर एक करोड़ तक के सवाल का जबाव देते दिखेंगे।

विराट से बातचीत की और केबीसी तक पहुंचने के सफर को जाना। अय्यर ने बताया कि एक दिन वो अपनी मां के साथ कौन बनेगा करोड़पति शो देखने के लिए बैठा। उसने देखा कि उसमें केबीसी जूनियर के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हैं। विराट ने बिना देरी किए अपना रजिस्ट्रेशन करवा लिया। उसे 11-16 सितंबर के बीच ग्रैंड ऑडिशन के लिए मुंबई बुलाया गया। वहां चयन होने के बाद वो हॉट सीट पर अमिताभ बच्चन के सामने बैठा। विराट ने

बताया कि विग बी काफी अच्छे और दोस्ताना स्वभाव के हैं। विराट के जवाबो को सुनकर अमिताभ भी उसके फैन हो गए। विराट ने बताया उसने इतने अच्छे से तैयारी की थी कि सवाल आते ही वो बिना ऑप्शन के जवाब दे रहा था। यह देख अमिताभ काफी खुश और प्रभावित हुए।

भिलाई के रिसाली इस्पात नगर निवासी 8 वर्षीय विराट अय्यर कक्षा तीसरी का छात्र है। वो पढ़ाई के साथ ही खेल और म्यूजिक में भी काफी आगे है। विराट को 9 भाषाओं का ज्ञान है। वो शतरंज खेलने का शौकीन है और हॉरमोनियम भी काफी अच्छे से बजा लेता है। विराट अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी मां नीलिमा अय्यर और पिता कल्याण विजय को देता है। विराट इतने इंटेलिजेंट हैं कि उन्हें मिरेकल चाइल्ड कहा जाता है। विराट की मां निलीमा ने बताया कि सितंबर में केबीसी जूनियर के रजिस्ट्रेशन हो रहे थे। उसी वक्त विराट ने मोबाइल ऐप के जरिए सवालों के जवाब दिए और पहले राउंड को पार कर लिया। इसके बाद कॉल आया कि विराट का चयन किया गया है।

ऑनलाइन ऑडिशन में शामिल होना है। विराट ने अपने घर में बैठे 24 सितंबर को ऑनलाइन ऑडिशन दिया। इसमें 20 प्रश्न पूछे गए। इसमें से 18 प्रश्नों का सही उत्तर दिया। हर प्रश्न का उत्तर देने सिर्फ 20 सेकंड का ही समय था। यह राउंड भी विराट ने क्लीयर कर लिया। विराट को कुछ दिन बाद फोन आया कि आपको मुंबई आकर ऑडिशन देना होगा। वहां 270 प्रतिभागी और भी थे। इन सभी प्रतिभागियों का जीके टेस्ट हुआ। इसमें भी विराट ने बाजी मारी। सबसे जरूरी वीडियो राउंड हुआ। जिसमें 14 मिनट तक सोनी टीवी के एक्सपर्ट्स ने विराट से दर्जनों सवाल पूछे।

नक्सली हमले में 22 सुरक्षाकर्मियों की मौत का मामला

छह और नक्सलियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर

बीजापुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 2021 में छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में हुए घातक हमले से संबंधित मामले में मंगलवार को छह और नक्सलियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया, जिसमें 22 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। मामले में अब तक एनआईए द्वारा आरोपपत्र दाखिल किए गए आरोपियों की कुल संख्या 46 हो गई है।

एनआईए ने जानकरी देते हुए बताया कि आतंकवाद-रोधी एजेंसी ने पांच जून 2021 को मामला दर्ज किया था, और पिछले साल दिसंबर में 23 आरोपियों के खिलाफ अपना मूल आरोप पत्र दायर किया था, इसके बाद जुलाई 2023 में 17 और लोगों के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था।

बस में घुसी कार, बच्चे की मौत

कटर से काटकर घायलों को निकाला बाहर बिहार से छठ मनाकर रायपुर लौट रहा था परिवार

सरगुजा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार से छठ मनाकर रायपुर लौट रहा एक परिवार सड़क हादसे का शिकार हो गया। अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाइवे-130 पर उदयपुर नाले के पास तेज रफ्तार कार सामने से आ रही बस में घुस गई। हादसे के बाद बस पलट गई जबकि कार के परखच्चे उड़ गए। वहीं कार में सवार 14 साल के किशोर की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए।

घटना उदयपुर थाना क्षेत्र के खरहरी की है। बुधवार सुबह करीब 3 बजे टाटा नेक्सन कार क्रमांक सीजी 04 एनएच 7796 और रायपुर से अंबिकापुर आ रही रॉयल ट्रैवल्स की बस में भिड़ंत हो गई। दोनों की रफ्तार इतनी तेज थी कि बस के सामने कार फंस गई। सभी एयर बैग भी खुल गए थे।

इस हादसे में श्रेयांश मिश्रा (14 वर्ष) की मौत हो गई। जबकि अमित मिश्रा (40 वर्ष), पत्नी रागिनी मिश्रा (35 वर्ष) और बेटी नैन्सी मिश्रा (15 वर्ष) घायल हो गए। डायल 112 की मदद से कार में फंसी मां-बेटी को निकालकर उदयपुर अस्पताल पहुंचाया गया। अमित मिश्रा कार में ही फंसा था। घायलों के सीने, सिर सहित बाकी हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। जेसीबी बुलाकर करीब सुबह 6 बजे बस में फंसी कार को अलग किया गया। कटर से कार के हिस्सों को काटकर घायल अमित मिश्रा को बाहर निकाला गया। सभी घायलों को उदयपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज के बाद अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज से तीनों घायलों को इलाज के बाद रायपुर रेफर कर दिया गया है। अमित मिश्रा के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। वहीं रागिनी मिश्रा और नैन्सी मिश्रा को अंदरूनी चोट आई है। हादसे में मृत श्रेयांश मिश्रा ड्राइवर की बगल वाली सीट पर बैठा था। सिर में गंभीर चोट आने से उसकी मौत हो गई। वहीं, रागिनी और नैन्सी पीछे की सीट पर बैठी थीं।

हादसे में बस ड्राइवर और यात्रियों को भी चोटें आई हैं। उदयपुर पुलिस ने दूसरे वाहनों से बस में सवार लोगों को अंबिकापुर के लिए रवाना किया। चालक को भी प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। कुछ यात्रियों का प्राथमिक उपचार भी किया गया।

अवैध खनन की जांच में तेजी

साहिबगंज, 22 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) झारखंड के साहिबगंज में अवैध खनन मामले की जांच कर रही है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने आठ लोगों के खिलाफ अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। सीबीआई की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि कार्रवाई शिकायतकर्ता बिजय हांसदा को धमकी देने के मामले में इन लोगों पर कानून की संबंधित धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक पूरा मामला अवैध खनन से जुड़ा है। सीबीआई ने पंकज मिश्रा के अलावा पवित्र कुमार यादव, संजय यादव और पांच अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सीबीआई ने इन लोगों पर कथित तौर पर साहिबगंज में प्राकृतिक संपदा की चोरी के आरोप लगाए हैं।

हैवानियत, पत्नी को जिंदा जलाया

हाथ-पैर बांधकर मुंह में कपड़ा ठूंसा फिर लगा दी आग, 9 साल पहले की थी लव मैरिज

बलरामपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बलरामपुर में चरित्र शंका के चलते पति ने सोमवार दोपहर अपनी पत्नी को जिंदा जला दिया। उसके हाथ-पैर बांधे और मुंह में कपड़ा ठूंसकर पेट्रोल डाल आग लगा दी। फिर पत्नी को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराकर भाग निकला। मामला बसंतपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम मदनपुर निवासी राम प्रसाद ने करीब 9 साल पहले चंदौरा निवासी नेहा (28) से लव मैरिज की थी। दोनों की पांच और सात साल की दो बेटियां भी हैं। राम प्रसाद को शक था कि नेहा का किसी अन्य लड़के से संबंध है। इसे लेकर दोनों के बीच विवाद भी होता था। पुलिस ने बताया कि दोनों के बीच सोमवार दोपहर भी विवाद हुआ। बात इतनी बढ़ी कि राम प्रसाद ने नेहा से मारपीट करने के बाद उसे पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया। इसके बाद

परिजनों को सूचना दी। उनके पहुंचने पर नेहा को लेकर वाड्रफनगर अस्पताल पहुंचा। वहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

आग लगाने से नेहा करीब 70 से 75 प्रतिशत झुलस गई थी। उपचार के दौरान रात करीब 8.30 बजे नेहा की मौत हो गई। नेहा की मौत होते ही पति राम प्रसाद वहां से भागने लगा। इस दौरान मायके वालों ने उसे पकड़ लिया और बाइक पर बिठाकर थाने ले जाने लगे, लेकिन वह भाग निकला।

पति-पत्नी के बीच लगातार चल रहे विवाद से तंग आकर नेहा अपनी दोनों बेटियों को लेकर मायके चली गई थी। इस बीच दीपावली से पहले दोनों परिवारों को बुलाकर पंचायत और पुलिस ने समझौता कराया। इसके बाद नेहा के पिता देवसाय ने उसे ससुराल भेज दिया था।

वाड्रफनगर चौकी प्रभारी डाकेश्वर सिंह ने बताया कि वारदात की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। झुलसी महिला का मृत्यु पूर्व बयान नायब तहसीलदार पारस शर्मा ने दर्ज किया है। अंबिकापुर में बीती रात उसकी मौत हो गई है। आरोपी पति भी उसके साथ गया था, जो वहां से भाग निकला है। मर्ग डायरी हमारे पास आने पर अपराध दर्ज किया जाएगा।

शराबी कार ड्राइवर ने 2 बाइक को मारी टक्कर

मनेंद्रगढ़ में सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत, 14 घंटे में 5 लोगों ने गंवाई जान

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मनेंद्र गढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के ग्राम बरबसपुर में बुधवार सुबह हुए सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। कार और 2 बाइक के बीच हुई जबरदस्त भिड़ंत में दोनों बाइक पर सवार 2 युवकों

और एक युवती की जान चली गई है। हादसा नागपुर चौकी क्षेत्र के नेशनल हाईवे- 43 पर हुआ है। लोगों की सूचना पर पुलिस पर मौके पर पहुंची और तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार चालक नशे में धुत था, इसी वजह से उसने दोनों बाइक को एक के बाद एक टक्कर मार दी।

बेमेतरा में धान खरीदी धीमी

अब तक मात्र 80 हजार 834 क्विंटल धान की हुई खरीदी

बेमेतरा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ राज्य में कृषि प्रधान जिले के नाम से प्रसिद्ध बेमेतरा में इस वर्ष 1 से 21 नवंबर तक धान खरीदी धीमी है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह कर्जमाफी की उम्मीद है। दरअसल, विधानसभा चुनाव के दौरान कर्ममाफी की घोषणा की गई है। यहीं कारण है कि किसान अपना धान बेचने नहीं आ रहे है।

किसान मोहित साहू, यशवंत पटेल, दीपक वर्मा ने बताया कि अगर वे धान बेचने के लिए जाएंगे तो उनके कर्ज की राशि धान बेचने के साथ कट जाएगी। यहीं कारण है कि वे धान बेचने के लिए दिसंबर माह का इंतजार कर रहे है। जिले में 21 नवंबर मंगलवार शाम 6 बजे तक 2 हजार 746 किसान ने 12 हजार 538.96 क्विंटल धान बेचा है। वहीं, एक नवंबर से लेकर 21 नवंबर तक कुल 17 हजार 29 किसान ने 80 हजार 834.64 क्विंटल धान बेच चुके है। जिले में 1 लाख 58 हजार 529 किसान ने धान बेचने सहकारी समितियों में पंजीयन कराया हैं। पिछले साल 1 लाख 53 हज़ार किसानों ने पंजीयन कराया था, जिनका रकबा 1 लाख 83 हजार 242 हेक्टेयर था। जो बढ़कर इस साल 1 लाख 85 हजार 928 हेक्टेयर हो गया है। इस साल धान खरीदी का अनुमानित लक्ष्य 802842 मैट्रिक टन है। पिछले साल अनुमानित लक्ष्य 679187 मैट्रिक टन था। इसके साथ ही जिले मे धान खरीदी केंद्रों से धान का उठाव शुरू हो गया है। उठाव होने से अब खरीदी केंद्रों में धान रखने के लिए जगह की कमी नहीं रहेगी।

इजराइली संसद में 4 दिन के सीजफायर को मंजूरी

बदले में हमास छोड़ेगा 50 बंधक, नेतन्याहू बोले- संगठन के खात्मे तक नहीं रुकेगी जंग

तेल अवीव/दोहा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल हमास जंग के बीच कई दिनों से चल रही सीजफायर की डील पर इजराइली संसद ने मुहर लगा दी है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, संसद ने 50 बंधकों के बदले 4 दिन के सीजफायर के प्रस्ताव को पास कर दिया है।

इजराइली सरकार के अधिकारी ने बताया कि जिन बंधकों को छोड़ा जाएगा, उनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे होंगे। इन्हें हर दिन 12-13 बंधकों के ग्रुप में आजाद किया जाएगा। हर 10 बंधकों के ग्रुप की रिहाई के बदले इजराइल 1 दिन का सीजफायर करेगा।

हिब्रू मीडिया के मुताबिक, जिन बंधकों को हमास छोड़ेगा उनमें 30 बच्चे, 12 महिलाएं और 8 माएं शामिल हैं। इसके अलावा न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया कि इस डील के तहत इजराइल भी 150 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इनमें महिलाओं और बच्चों को ही प्राथमिकता मिलेगी।

6 घंटे के लिए साउथ गाजा के ऊपर उड़ान नहीं भरेंगे इजराइली ड्रोन

वहीं, हमास ने अपने बयान में बताया कि समझौते के तहत इजराइल साउथ गाजा के ऊपर 6 घंटे के लिए सर्विलांस ड्रोन्स की उड़ानें भी रोकेगा। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक ये ड्रोन सिर्फ उत्तरी गाजा में ही उड़ सकेंगे।

इससे पहले पीएम नेतन्याहू ने देर रात कैबिनेट मीटिंग की। नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल हमास के खिलाफ अपना युद्ध जारी रखेगा, भले ही बंधकों को रिहा करने के लिए हमास के साथ अस्थायी रूप से सीजफायर लागू हो। हमास चीफ इस्माइल हानिए ने भी रविवार को सीजफायर की तरफ इशारा किया था।

हमास चीफ के पोते की मौत

दूसरी तरफ, इजराइली सेना ने दावा किया है कि उन्होंने गाजा में हमास चीफ इस्माइल हानिए के पोते जमाल मोहम्मद हानिए को मार गिराया है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में इसकी जानकारी दी गई। इससे कुछ दिन पहले इजराइल के हमले में हानिए की पोती की भी मौत हो गई थी। वो गाजा यूनिवर्सिटी में एक मेडिकल स्टूडेंट थी।

इजराइल में डील का विरोध शुरू

'यरूशलम पोस्ट' की मंगलवार रात पब्लिश रिपोर्ट के मुताबिक- 7 अक्टूबर को हमास के हमले में मारे गए इजराइलियों के परिजनों ने हमास से किसी भी तरह की डील का विरोध शुरू कर दिया है। इनके संगठन ने एक बयान जारी किया। कहा- बंधकों के बदले आतंकियों को रिहा किया गया तो इसका विरोध किया जाएगा।

बयान में आगे कहा गया- अगर आज हम आतंकियों के सामने झुकते हैं और उन्हें रिहा करते हैं तो इस बात की क्या गारंटी है कि वो भविष्य में हमें फिर निशाना नहीं बनाएंगे। पहले भी यही गलती की गई थी और अब इसे दोहराने की तैयारी है। आतंकियों को किसी कीमत पर रिहाई नहीं दी जानी चाहिए।

पर्दे की पीछे तुर्किये का भी रोल

'न्यूयॉर्क टाइम्स' के मुताबिक- इजराइल और हमास के बीच सीजफायर के पीछे तुर्किये का भी अहम रोल है। खुद प्रेसिडेंट रिसेप तैयप एर्दोगन ने इस बात का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि उनके फॉरेन मिनिस्टर और इंटेलिजेंस चीफ कई दिन से सीजफायर के लिए काम कर रहे हैं। इसमें कतर का रोल अहम है।

एर्दोगन ने कहा- उम्मीद करते हैं कि इस मुश्किल का ऐसा हल निकलेगा जो बाद में सबको सुकून देगा। हम आगे भी इस मामले से जुड़े तमाम पक्षों से बातचीत करते रहेंगे।

आजाद फिलिस्तीन के पक्ष में भारत

संयुक्त राष्ट्र संघ यानी यूएन में सोमवार को गाजा के मानवीय हालातों पर चर्चा हुई। इस दौरान यूएन में भारत की राजदूत रुचिरा कम्बोज ने कहा कि भारत हमेशा से आजाद फिलिस्तीन बनाने का समर्थन करता रहा है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में हो रही हर उस कोशिश के साथ है, जिससे जंग की वजह से गाजा में बने मानवीय हालात सुधर सकें।

वहीं, हमास चीफ इस्माइल हानिये ने कहा है कि वो सीजफायर को लेकर होने वाली डील के काफी करीब पहुंच चुके हैं। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक हानिये ने कहा है कि डील को लेकर वो अपने जवाब कतर और मध्यस्थता कर रहे बाकी पार्टियों को भी बता चुके हैं। अमेरिका और कतर के अधिकारियों ने भी होस्टेज डील होने की बात स्वीकार की है।

सुनक ने कहा था- कोरोना से लोगों को मरने दो

पैनल की रिपोर्ट- वो लॉकडाउन के खिलाफ थे, उन्हें मौत का डॉक्टर कह चुके साइंटिस्ट

लंदन, 22 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक 2020 में कोरोना के दौरान दूसरा लॉकडाउन लगाने के खिलाफ थे। वित्त मंत्री के तौर पर उन्होंने कहा था कि लोगों को मर जाने दो। ब्रिटेन के कोरोना महामारी पर बने एक पैनल ने यह दावा किया है। यह पैनल इस बात की जांच कर रहा है कि ब्रिटेन में कोविड-19 को किस तरह से हैंडल किया गया था। सोमवार को हुई एक सुनवाई में पैनल ने बताया कि सुनक की कही बातों को सरकार के चीफ साइंटिफिक एडवाइजर पैट्रिक वालेंस ने एक मीटिंग के दौरान 25 अक्टूबर 2020 को डायरी में नोट कर लिया था। उस दौरान सुनक ब्रिटेन के वित्त मंत्री और बोरिस जॉनसन ब्रिटेन के प्रधानमंत्री थे। वे कोरोना से निपटने की रणनीति को लेकर चर्चा कर रहे थे।

ब्रिटिश साइंटिस्ट ने सुनक को मौत का डॉक्टर कहा था

सुनक के प्रवक्ता ने कहा है कि प्रधानमंत्री किसी एक सवाल का जवाब देने की बजाय पूरे मामले पर सबूत के साथ पेश होंगे। कोरोना के दौरान ब्रिटेन में 2

लाख 20 हजार लोगों की मौत हुई थी। कोरोना पर बना पैनल 2026 तक अपनी जांच जारी रखेगा। सरकारी अधिकारियों ने आरोप लगाया था कि सरकार की टॉक्सिक अप्रोच की वजह से महामारी से निपटने में परेशानियां हुई थीं।

कोरोना के दौरान सुनक ने 'ईट आउट टु हेल्प आउट' पॉलिसी शुरू की थी। इसके तहत लोगों को बाहर जाकर खाने के लिए प्रोत्साहित किया गया था। ताकि देश की अर्थव्यवस्था सुधर सके। इस पर सरकार के साइंटिफिक एडवाइजर ने सुनक को मौत का डॉक्टर कहा था।

कोरोना में पार्टी पर बोरिस जॉनसन ने गंवाई थी सांसदी, क्या सुनक बच पाएंगे?

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने 8 जून को अचानक अपनी सांसदी से इस्तीफा दे दिया। उन पर कोरोना के दौरान प्रधानमंत्री रहते हुए ब्रिटेन के पीएम ऑफिस में पार्टी करने के आरोप लगे थे। मामले की जांच के लिए ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स ने एक कमेटी बनाई थी, जिसकी रिपोर्ट में वे कसूरवार पाए गए थे। इसमें बोरिस जॉनसन पर पाबंदियां लगाने की बात कही गई थी।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी ओपिनियन पोल में विपक्षी लेबर पार्टी से 20% पीछे चल रही है। ऐसे में कोरोना पैनल की रिपोर्ट से लोगों के बीच उनकी छवि कमजोर होगी। हाल ही में उनकी पार्टी में भी उनके खिलाफ विरोध के स्वर मजबूत हुए हैं।

सुनक की ही पार्टी की सांसद एंड्रिया जेन्किंस ने हाल ही में उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए लेटर लिखा था। उन्होंने कहा था- अब बहुत हुआ, हमारी पार्टी का लीडर एक ऐसा व्यक्ति है, जिसे सदस्यों ने खारिज कर दिया। अब पोल्स में साबित हो गया है कि जनता भी सुनक को पसंद नहीं करती है।

अरब देशों के विदेश मंत्री भारत आएंगे

दौरा इसी हफ्ते मुमकिन, इजराइल और हमास जंग के अलावा पश्चिम एशिया पर चर्चा होगी

नई दिल्ली/रियाद, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, इजराइल और हमास के बीच जारी जंग के बीच अरब इस्लामिक देशों के विदेश मंत्री भारत दौरे पर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई है। इस दौरान पश्चिम एशिया के हालात के अलावा इजराइल और हमास की जंग पर चर्चा होगी।

डेलिगेशन को सऊदी अरब के फॉरेन मिनिस्टर प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद लीड करेंगे। माना जा रहा है कि यह दौरा इसी हफ्ते के आखिर में हो सकता है। कुछ दिन पहले इसी दल ने चीन का दौरा भी किया था।

विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात होगी

भारत दौरे पर आ रहे डेलिगेशन में सऊदी फॉरेन मिनिस्टर प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद के अलावा जॉर्डन के उप प्रधानमंत्री अयमान सफादी,

इजिप्ट के फॉरेन मिनिस्टर सामेह शौक्री और फिलिस्तीन के फॉरेन मिनिस्टर रियाद अल मालिकी शामिल होंगे। यह हाईलेवल डेलिगेशन विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात करेगा। माना जा रहा है कि बातचीत के दो से ज्यादा राउंड हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि भारत साउथ एशिया की बड़ी ताकत है और अरब देश चाहते हैं कि भारत सरकार पश्चिम एशिया में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करे। एक वजह यह भी है कि भारत के इजराइल और फिलिस्तीन दोनों से करीबी रिश्ते हैं। माना जा रहा है कि भारत दौरे के बाद यही डेलिगेशन कुछ और देशों का दौरा कर सकता है। दरअसल, अरब वर्ल्ड और वेस्ट एशिया में इस जंग की वजह से नई तरह के खतरे पेश आ रहे हैं। ईरान भी इसमें बड़ा फैक्टर है। लिहाजा, अरब वर्ल्ड की कोशिश है कि इजराइल-फिलिस्तीन मसले का कोई ऐसा समाधान निकाला जाए जो दोनों पक्षों को स्वीकार हो और जिससे इस क्षेत्र में अमन कायम किया जा सके। 7 अक्टूबर के दिन जब इजराइल पर हमास का हमला हुआ तो उसकी आलोचना करने वाले नेताओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल थे। उन्होंने लिखा था- भारत हर तरह के आतंक की कड़ी निंदा करता है। मुसीबत की घड़ी में भारत इजराइल के साथ खड़ा है। इस पूरे बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने कहीं भी हमास का जिक्र नहीं किया। इजराइल-हमास जंग के बीच पिछले हफ्ते भारत में वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ की दूसरी समिट (वीओजीएसएस) वर्चुअली होस्ट की गई थी। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा था- भारत ने पहले भी 7 अक्टूबर को हुए आतंकी हमले की निंदा की थी। हमने हमेशा बातचीत और कूटनीति से मामले सुलझाने पर जो दिया है। हम इजराइल-हमास की लड़ाई में नागरिकों की मौत होने की भी निंदा करते हैं।

अर्जेंटीना के नए चुने गए प्रेसिडेंट को चीन की वॉर्निंग

कहा- रिश्ते तोड़ना बड़ी भूल होगी, ब्रिक्स में शामिल नहीं होगा अर्जेंटीना

बीजिंग/ब्यूनस आयर्स, 22 नवंबर (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के इलेक्टेड प्रेसिडेंट जेवियर मिलेई 10 दिसंबर को शपथ लेंगे, लेकिन कैम्पेन के दौरान विदेश नीति को लेकर किए गए वादों पर विवाद शुरू हो गया है। मिलेई ने साफ कहा था कि अगर वो प्रेसिडेंट बने तो चीन और ब्राजील से रिश्ते खत्म किए जाएंगे। अब वो जीत चुके हैं तो चीन की तरफ से पहला रिएक्शन सामने आया है। चीन के मुताबिक- रिश्ते तोड़ना गंभीर गलती होगी। वर्ल्ड ट्रेड में सबको साथ लेकर चलना होता है। मिलेई की आने वाली सरकार में विदेश मंत्री पद के दावेदार ने साफ कर दिया है कि उनका देश ब्रिक्स संगठन में शामिल नहीं होगा।

अर्जेंटीना और चीन के ट्रेड रिलेशन

सोमवार को मीडिया से बातचीत में चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा- कोई भी देश बिना डिप्लोमैटिक रिलेशन्स के कारोबार नहीं कर सकता। अर्जेंटीना के हम दूसरे सबसे बड़े

ट्रेडिंग पार्टनर हैं। अगर वो चीन और ब्राजील से रिश्ते खत्म करने की बात करते हैं तो ये सही नहीं होगा। उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि ब्राजील और चीन बड़ी इकोनॉमीज हैं। लिहाजा, रिश्ते तोड़ना बड़ी गलती होगी। दूसरी तरफ, रूस की न्यूज एजेंसी नोवोस्ती से बातचीत में जेवियर की करीबी नेता डायना मोन्डिनो ने अहम बात कही। माना जा रहा है कि 10 दिसंबर को शपथ के बाद डायना ही विदेश मंत्री बनेंगी। मिलेई खुद यह बात कह चुके हैं। बहरहाल, डायना ने रशियन न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में साफ कहा- हम चीन की अगुआई वाले ब्रिक्स संगठन में शामिल नहीं होंगे। हालांकि, हमें इसके लिए न्योता मिला है। इस ग्रुप में भारत और ब्राजील भी शामिल हैं।

मिलेई की जीत और चुनावी वादे

दक्षिण अमेरिकी देश अर्जेंटीना में प्रेसिडेंशियल इलेक्शन पिछले हफ्ते हुए थे। इसके नतीजे सामने आ चुके हैं। कट्टर राष्ट्रवादी और दक्षिणपंथी नेता जेवियर मिलेई नए राष्ट्रपति बनेंगे। 53 साल के मिलेई को 58% से ज्यादा वोट मिले। वामपंथी नेता सर्जियो मासा को करीब 44% मत मिले।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक- जेवियर को उनके आलोचक अकसर 'पागल आदमी' कहते हैं। कैम्पेन के दौरान जेवियर ने ब्यूरोक्रेसी और सरकारी खर्च में जबरदस्त कटौती का वादा किया था। वो कल्चर, वुमन, हेल्थ और एजुकेशन मिनिस्ट्री बंद करना चाहते हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जेवियर को जीत की बधाई दी। कहा- वो अर्जेंटीना को फिर महान बनाएंगे। खास बात यह है कि जेवियर को अकसर लोकल मीडिया 'अर्जेंटीना का डोनाल्ड ट्रम्प' कहता है। जेवियर वेलफेयर स्कीम्स पर खर्च होने वाले पैसे में बड़ी कटौती चाहते हैं। इसके अलावा कल्चर, वुमन, हेल्थ और एजुकेशन मिनिस्ट्री बंद करना भी उनके चुनावी वादों में शामिल हैं। ब्यूरोक्रेसी में भी वो बहुत बड़ी कमी का वादा कर चुके हैं। उनके हिसाब से देश के विकास के लिए इस फिजूलखर्ची को रोकना जरूरी है। जेवियर के चुनावी वादों की फेहरिस्त यहीं खत्म नहीं होती। इस कट्टरपंथी नेता ने कुछ अजीब काम करने का भरोसा भी वोटर्स को दिलाया था। उनके मुताबिक- अर्जेंटीना में गन लॉ यानी बंदूक रखने के कानूनों को लचीला बनाएंगे। देश में 2020 में गर्भपात कानून को मंजूरी दी गई थी। वो इसे भी खत्म करेंगे और ह्यूमन ऑर्गन्स यानी मानव अंगों की खरीद-फरोख्त को मंजूरी देंगे।

राष्ट्रपति अल्वी ने फलस्तीनी मुद्दे पर दिया सुझाव

अब पड़ रहा महंगा, सदन में उठी इस्तीफे की मांग

इस्लामाबाद, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी का एक सुझाव देना उनपर महंगा पड़ता दिखाई दे रहा है। उन्होंने फलस्तीनियों के मुद्दे को सुलझाने के लिए वन स्टेट सोल्यूशन यानी एक राष्ट्र समाधान का सुझाव दिया। हालांकि, उनका यह सुझाव देना उनपर ही भारी पड़ गया। उनकी टिप्पणी से कार्यवाहक सरकार ने हाथ पीछे खींच लिए और उनके इस्तीफे की मांग कर डाली।

अगर इस्राइल टू स्टेट सोल्यूशन नहीं मान रहा

राष्ट्रपति कार्यालय ने शुरू में एक बयान जारी किया, जिसमें बताया गया कि राष्ट्रपति अल्वी ने अपने फलस्तीनी समकक्ष महमूद अब्बास के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और इस दौरान 'एक राष्ट्र समाधान' का सुझाव दिया। अल्वी ने कहा कि अगर इस्राइल टू स्टेट सोल्यूशन यानी दो राष्ट्र समाधान के लिए नहीं मान रहा है तो उसके सामने एक राष्ट्र समाधान का प्रस्ताव रखो। इस प्रस्ताव से मुस्लिम और ईसाई समुदायों के लोग बराबर हक से रह सकेंगे।

बाद में बयान लिया वापस

राष्ट्रपति कार्यालय का बयान सामने आते ही सभी टीवी चैनलों ने इस खबर को प्रसारित कर दिया। बाद में बयान को वापस लेकर नया जारी किया, जिसमें इस प्रस्ताव का कोई जिक्र नहीं किया गया था।

विवादास्पद टिप्पणी पर स्पष्टीकरण मांगा

संसद में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के सांसद रजा रब्बानी ने विवादास्पद टिप्पणी पर उनसे स्पष्टीकरण मांगा। इस पर कार्यवाहक विदेश मंत्री जलील

अब्बास जिलानी ने मंगलवार को अल्वी के प्रस्ताव को देश के सैद्धांतिक और ऐतिहासिक रुख के अनुरूप नहीं बताया। विदेश मंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करने से पहले उनके मंत्रालय को जानकारी नहीं दी थी। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें उस संदर्भ की जानकारी नहीं थी, जिसमें राष्ट्रपति ने एक राष्ट्र समाधान का सुझाव दिया था।

फलिस्तीन मुद्दे पर पाकिस्तान का रुख

जिलानी ने कहा कि राष्ट्रपति का बयान जारी होने के तुरंत बाद उनके मंत्रालय को एक स्पष्टीकरण जारी करना पड़ा, जिसमें फलिस्तीन मुद्दे पर पाकिस्तान का रुख बताया गया। उन्होंने कहा कि स्पष्टीकरण इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) सचिवालय और संयुक्त राष्ट्र निकायों सहित अन्य संबंधित संगठनों को भेजा गया। उन्होंने कहा कि फलस्तीन मुद्दे को लेकर पाकिस्तान ने हमेशा दो राष्ट्र समाधान का सुझाव दिया है।

विवाद को खत्म करने के लिए

सांसद रजा रब्बानी ने कहा कि राष्ट्रपति को इस्तीफा देना चाहिए। साथ ही उन्होंने विदेश मंत्री से सदन को यह बताने के लिए भी कहा कि सरकार ने राष्ट्रपति के बयान से पैदा हुए विवाद को खत्म करने के लिए क्या किया है?

पाकिस्तान ने ब्रिक्स की सदस्यता के लिए किया आवेदन

मॉस्को, 22 नवंबर (एजेंसियां)। विकासशील देशों के संगठन ब्रिक्स की लगातार बढ़ती लोकप्रियता के बीच अब पाकिस्तान ने इसमें शामिल होने के लिए आवेदन कर दिया है। रूस की तास न्यूज एंजेंसी ने इसकी जानकारी दी है। रूस में पाकिस्तान के राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली ने आवेदन भरने के साथ ही ब्रिक्स में सदस्यता दिलाने के लिए रूस से मदद मांगी है। रूसी न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने उम्मीद जताई है कि 2024 में ब्रिक्स संगठन की सदस्यता हासिल करने के लिए उसने रूस से मदद मिलने की उम्मीद जताई है।

गौरतलब है कि ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के मूल ढांचे वाले ब्रिक्स गठबंधन ने इसी साल अपने सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 11 करने की घोषणा की। नए सदस्यों में अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को समूह के नए सदस्यों के रूप में शामिल करने का फैसला किया था।

पाकिस्तान ने नहीं दी थी ब्रिक्स के विस्तार को तवज्जो

हालांकि, पाकिस्तान ने ब्रिक्स के विस्तार की खबर को तवज्जो नहीं देने की कोशिश करते हुए कहा था कि उसने इसमें शामिल होने के लिए अभी तक औपचारिक अनुरोध नहीं किया है।

पाकिस्तान की विदेश कार्यालय ने कहा था कि हम ताजा घटनाक्रमों की समीक्षा करेंगे और ब्रिक्स के साथ अपने भविष्य के संबंधों के बारे में दृढ़ संकल्प करेंगे। हम अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना को बढ़ावा देने और समावेशी बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने प्रयास जारी रखेंगे।

हमास लड़ाकों की बर्बरता

इजराइली महिलाओं का पीछा कर गोली मारी, नोवा फेस्टिवल का वीडियो सामने आया

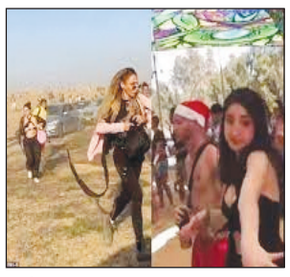

येरुशलम, 22 नवंबर (एजेंसियां)। हमास और इजरायल के बीच जंग जारी है। इस बीच हमास लड़ाकों का एक दिल दहलाने वाला वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में हमास लड़ाके इजरायली महिलाओं का पीछा करते और उन्हें गोली मारते नजर आ रहे हैं।

इजरायली फोर्सेस ने ये वीडियो जारी किया है। वीडियो 7 अक्टूबर का है, जब इजरायल में नोवा फेस्टिवल चल रहा था। इस फेस्टिवल के दौरान हमास लड़ाकों ने हमला किया और कई इजरायलियों को मार डाला। इस वीडियो में हमास लड़ाके ने एक महिला का पीछा किया, उसे बाल पकड़कर रोका और गोली मार दी।

इसके बाद दूसरी महिला के पास गया, जो जमीन पर बैठी जान की भीख मांग रही थी। लड़ाके ने उसे पॉइंट ब्लैंक पर गोली मार दी। ये तस्वीर 27 साल की मिलेट बेन हेम की है, जो फेस्टिवल के दौरान सेल्फी ले रही थीं, तभी हमास अटैक का अलार्म बजा। मिलेट उस हमले में बच गईं। उन्होंने बताया कि हर ओर हमास लड़ाके थे, वो गाड़ियों को रोककर सभी को गोली मार रहे थे। आसमान रॉकेट्स से भर गया था। नोवा फेस्टिवल में जब हमास ने हमला किया, तब वहां 4000 मौजूद थे। फायरिंग में 364 लोग मारे गए थे।

गाजा में शांति लाने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में ब्रिक्स की महत्वपूर्ण भूमिका

द. अफ्रीकी राष्ट्रपति

जोहानसबर्ग, 22 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सायरिल रामाफोसा ने कहा कि गाजा पट्टी में स्थायी शांति लाने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में ब्रिक्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बैठक के दौरान ब्रिक्स देशों से इजरायल और हमास के बीच हो रहे युद्ध में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति लाने के लिए अपने प्रयासों को एकजुट करने का आह्वान किया है। रामाफोसा मंगलवार को मध्य पूर्व के हालातों पर ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के नेताओं और आमंत्रित ब्रिक्स सदस्यों के नेताओं की एक वर्चुअल बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फलस्तीन में संयुक्त राष्ट्र रैपिड डिप्लॉयमेंट फोर्स की तैनाती का भी प्रस्ताव रखा, जिसका मकसद दुश्मनों पर निगरानी रखना और नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ फलस्तीनियों और इजरायलियों के नेतृत्व और स्वामित्व वाली व्यापक बातचीत और संयुक्त राष्ट्र द्वारा सुविधा प्रदान करना था। ब्रिक्स देशों के नेताओं के अलावा, नए ब्रिक्स भागीदारों - सऊदी अरब, अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के नेताओं और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने बैठक में वर्चुअली भाग लिया था। रामाफोसा ने कहा, 'मानवता के एक बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाले वैश्विक दक्षिण की एक महत्वपूर्ण आवाज के रूप में, हमारा मानना है कि न्यायसंगत और स्थायी शांति हासिल करने के लिए व्यापक अंतरराष्ट्रीय प्रयास में ब्रिक्स की महत्वपूर्ण भूमिका है।' उन्होंने आगे कहा, 'अलग-अलग देशों के रूप में, हमने गाजा में पैदा हुए संकटों पर हमेशा अपनी चिंता और गंभीरता को सामने रखा है। इसलिए आइए यह बैठक हमारे लिए एक स्पष्ट आह्वान के रूप में हो कि हम अन्याय का खात्मा करने के लिए अपने प्रयासों को एकजुट करेंगे और अपने कार्यों को मजबूत करेंगे। हम फलस्तीन और इजरायल दोनों के लोगों के लिए एक न्यायसंगत, शांतिपूर्ण और सुरक्षित भविष्य को साकार करने के लिए मिलकर काम करें।' 'गंभीर वैश्विक चिंता के मुद्दे को संबोधित करने' के लिए बुलाई गई बैठक में रामफोसा ने कहा कि सात अक्तूबर को हमास ने इजरायल पर हमला कर दिया था, जिसमें 1200 से अधिक लोगों की जान चली गई। उसके बाद से लेकर अबतक पूरी दुनिया गाजा में हजारों निर्दोष लोगों की विनाशकारी हत्या की गवाह रही है, जिनमें से कई महिलाएं और बच्चे हैं।

बराक ओबामा के पूर्व सलाहकार ने की इस्लाम विरोधी टिप्पणियां

वॉशिंगटन, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बराक ओबामा के पूर्व प्रशासनिक सलाहकार स्टुअर्ट सेल्डोविट्ज को इस्लाम विरोधी टिप्पणी करने पर नौकरी से निकाल दिया गया है। दरअसल, सेल्डोविट्ज के सोशल मीडिया पर दो वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें वह हलाल बेचने वाले दुकानदार पर गुस्सा करते दिख रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि सेल्डोविट्ज न्यूयॉर्क शहर के एक दुकानदार को किस तरह परेशान कर रहे। वीडियो में यह भी दिख रहा है कि उन्होंने दुकानदार पर फलस्तीन विरोधी टिप्पणियां कीं। फिर बाद में उसकी बेइज्जती की। इस फुटेज को कोलंबिया यूनिवर्सिटी के एक छात्र ने साझा किया था। बाद में एक इसी तरह का और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। इसमें सेल्डोविट्ज हलाल बेच रहे दुकानदार को आतंकवादी कहते और इस्राइल-हमास संघर्ष को लेकर उसके बारे में अन्य टिप्पणियां करते पाए गए। लोगों का गुस्सा देखते हुए अमेरिका की लॉबिंग फर्म गोथम गवर्नमेंट रिलेशंस ने ओबामा प्रशासन के पूर्व सलाहकार की टिप्पणियों की निंदा की और उन्हें नस्लवादी करार दिया। साथ ही सारे रिश्ते खत्म करने का एलान किया। फर्म ने कहा कि स्टुअर्ट से सारे नाते रिश्ते खत्म कर रहे हैं, क्योंकि उन्होंने कई वर्षों से काम में कोई योगदान नहीं दिया है।

समुद्र में तैरता दिखा यूएस नेवी का प्लेन

तैरकर किनारे पहुंचे 9 लोग सामने आई तीन बड़ी वजह

लंदन, 22 नवंबर (एजेंसियां)। समुद्री लहरों के बीच थपेड़े खाते विमान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। ये विमान यूएस नेवी का पी-8ए प्लेन था। जो सोमवार दोपहर हवाई के होनोलुलु से 10 मील दूर यूएस मरीन बेस पर लैंड करने वाला था। लेकिन लैंड करते वक्त प्लेन तय मार्क को पार कर गया और सीधा समुद्र में जा गिरा। प्लेन में उस वक्त 9 लोग सवार थे, जो तैरकर सुरक्षित किनारे पहुंचे।

2 साल पहले खुलेआम तलवारें लहराईं : योगी

यूपी में ऐसा होता तो बुलडोजर से ठीक कर देता

जोधपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार दोपहर 12 बजे जोधपुर पहुंचे। उन्होंने सरदारपुरा में बीजेएस क्षेत्र में मटकी चौराहे पर जनसभा को संबोधित किया। योगी ने जोधपुर के तीन भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में सभा की। योगी ने यहां 20 मिनट संबोधित किया।

इस दौरान यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- कांग्रेस सरकार तुष्टिकरण करती है। सिर्फ एक ही समुदाय के हित की बात करती है। कांग्रेस ऐसा करेगी तो गरीब, आदिवासी, पिछड़े, किसान और युवा कहां जाएंगे। भाजपा ने आधी आबादी को राजनीति में आरक्षण दिया है। तीन तलाक को ताला लगाया है। गरीब कल्याण की योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू की हैं। पीएम मोदी ने देशभर में 12 करोड़ टॉयलेट बनवाए। 4 करोड़ गरीबों के लिए आवास बनवाए। जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह ने 7 करोड़ परिवारों तक नल का जल पहुंचाया। भाजपा की उज्ज्वला योजना में 9 करोड़ महिलाओं को लाभ हुआ। सौभाग्य योजना में बिजली कनेक्शन दिए। यह सब करने में भाजपा ने जाति महजब का भेदभाव नहीं किया। हम गांव, गरीब, किसान, युवा और समाज के लिए काम करते हैं। इसीलिए मोदी ने कहा सबका साथ सबका विकास।

योगी ने कहा-केंद्र की भाजपा सरकार ने 100 से अधिक गरीब कल्याण की योजनाएं चलाईं। देश में रेलवे, सड़क, मेडिकल और शिक्षा के क्षेत्र में विश्व स्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है। जबकि कांग्रेस ने 5 साल में राजस्थान को भ्रष्टाचार और दंगों में नंबर वन बना दिया।

कांग्रेस ने दंगों में राजस्थान को नंबर 1 बनाया

उन्होंने कहा-जोधपुर में 2 साल पहले सड़कों पर तलवारें लहरा रही थीं, दंगाई दंगे कर रहे थे। ये दंगाई अगर यूपी में होते तो बुलडोजर से ठीक कर देता। वह कैसा नंगा तांडव था। ये मैंने जोधपुर में देखा। तब सरकार मौन थी। ये अराजकता कब तक होगी।

राजस्थान सरकार सुरक्षा नहीं दे सकती, महिलाओं को सम्मान, गरीब को कल्याण नहीं दे सकती। विकास योजना नहीं दे सकती। आस्था को भी सम्मान नहीं दे सकती। रामनवमी के जुलूस पर रोक लगाती है। यहां जोधपुर में एक वर्ष पहले संत की उपद्रवियों ने हत्या कर दी थी। सरकार ने कोई सुनवाई नहीं की। ऐसी ही घटनाएं भरतपुर, अलवर और हर जिले में दिखाई दीं। ये कर्फ्यू और दंगों वाली सरकार है। यहां माफियागिरी और अराजकता पनप रही है। पेपर लीक के जरिए युवाओं के साथ खिलावाड किया गया है। यहां के मंत्री गजेंद्र सिंह देश को साफ पानी पिला रहे हैं, उन्हें जिताकर आपने कांग्रेस को पानी पिला दिया था।

आपकी आस्था का सम्मान सिर्फ भाजपा कर सकती है

योगी ने कहा- आपकी आस्था का सम्मान सिर्फ भाजपा सरकार ही कर सकती है। कांग्रेस के लोग कहते थे कि राम मंदिर नहीं बन सकता। तब हमने नारा लगाया था रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। हमने मंदिर बनवा दिया।

एमपी के सीएम शिवराज ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, कहा-राष्ट्रीय शर्म हैं राहुल गांधी

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने पत्रकारों से बात करते हुए राहुल और प्रियंका गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि दोनों भाई-बहन लगातार झूठ बोलते हैं। शिवराज ने राहुल के प्रधानमंत्री मोदी पर दिए पनौती वाले बयान को आड़े हाथों लिया।

उन्होंने कहा कि ये बयान शर्मनाक है। राहुल गांधी की मती मारी गई है। वे भारत की हार पर खुश हो रहे हैं। राजस्थान में भी दोनों भाई-बहन झूठ का पुलिंदा परोसने की कोशिश कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में प्रियंका ने कहा कि 21 साल में 21 लोगों को भी नौकरी नहीं दे सकी है सरकार, जबकि पचास हजार लोगों को नियुक्ति पत्र तो मैंने अपने हाथ से सौंपे हैं। राजस्थान में 25 नवंबर को मतदान है। तीन दिसंबर को राजस्थान के साथ-साथ मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत पांच राज्यों में मतगणना होगी। इससे पहले जयपुर पहुंचे शिवराज ने राजस्थान सरकार पर जमकर हमले बोले। उन्होंने साफ कर दिया कि भाजपा की रणनीति हिंदू वोट लामबंद करने की है। शिवराज ने उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या का मुद्दा भी उठाया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा

मतदान उपरांत सेल्फी अपलोड करने पर मिलेगा डिजिटल सर्टिफिकेट

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि मतदान दिवस पर सीईओ राजस्थान की वेबसाइट पर मतदान के उपरांत सेल्फी अपलोड करने वाले मतदाता को डिजिटल सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य में 25 नवंबर को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होने वाले विधानसभा आम चुनाव 2023 के दृष्टिगत मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए मतदान केन्द्रों पर सेल्फी पॉइंट बनाये गये है।

डिजिटल सर्टिफिकेट किया जायेगा जारी

उन्होंने बताया कि मतदान केन्द्रों पर स्थापित सेल्फी पॉइंट से मतदाताओं द्वारा सेल्फी लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट https://ceorajasthan.nic.in/ पर प्रदर्शित लिंक पर क्लिक कर पोर्टल पर अपलोड करने पर डिजिटल सर्टिफिकेट जारी किया जायेगा। गुप्ता ने बताया कि सीईओ राजस्थान की वेबसाइट पर अन्य लिंक ₹Link to Download e-Pledge Certificate प्रदर्शित कर दिया गया है जिस पर क्लिक करने पर राज्य के समस्त जिलों के जिलेवार लिंक प्रदर्शित किये गये है। संबंधित जिले के नाम पर क्लिक करने पर उस जिले के पोर्टल से ई-प्लेज सर्टिफिकेट डाउनलोड किया जा सकता है।

सीएम गहलोत की जनता से मार्मिक अपील

आप हमारे माई बाप हैं, इस बार सरकार रिपीट करें

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे चुनाव प्रचार में तेजी आ गई है। इसको लेकर भाजपा और कांग्रेस के नेताओं ने पूरी ताकत झोंक दी है। अब इसी कड़ी में प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जनता से एक मार्मिक अपील की है।

गारंटी देने वाला है वो आपका पूरा ध्यान रखेगा

गहलोत ने कहा है कि प्रदेश की जनता यही माने कि 200 विधानसभा पर मैं ही चुनाव लड़ रहा हूँ। इतना ही नहीं गहलोत बोले कि आप स्थानीय स्तर मत देखियेगा कि कौन चुनाव लड़ रहा है आपके विधानसभा क्षेत्र से, ये समझना कि अशोक गहलोत चुनाव लड़ रहा है। इतना ही नहीं सीएम गहलोत ने ये भी कहा कि जो गारंटी देने वाला है वो आपका पूरा ध्यान रखेगा।

पवन खेड़ा की पीएम मोदी को चुनौती

48 घंटे के लिए ईडी और सीबीआई हमें दे दीजिए, फिर सारे रंग याद आ जाएंगे

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे पर जमकर हमले बोल रही है। इस बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने पीएम मोदी पर जमकर निशाना बनाया। उन्होंने पीएम मोदी को चेलेंज देते हुए कहा कि 7 दिन नहीं सिर्फ 48 घंटे ईडी और सीबीआई को हमारे हाथों में दे दीजिए। प्रधानमंत्री को सारे रंग याद आ जाएंगे। इस दौरान पवन खेड़ा ने बीजेपी की ओर से उठाए जा रहे लाल डायरी के मुद्दे को लेकर बीजेपी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कौन सी डायरी में क्या लिखा है। हमें अच्छी तरह से मालूम है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और गजेंद्र सिंह शेखावत को लेकर भी जमकर निशाने लगाए।

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बातचीत करते हुए पवन खेड़ा से जब लाल डायरी के मुद्दे को लेकर सवाल किया तो, उन्होंने उल्टा बीजेपी को ही इस मुद्दे पर घेर लिया। उन्होंने कहा कि कौन सी डायरी में क्या लिखा है? हमें अच्छे से मालूम है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और गजेंद्र सिंह शेखावत पर निशाना बनाते हुए कहा कि इन दोनों का नाम किस डायरी में लिखा है, हमें पता है। उन्होंने पीएम मोदी को चुनौती देते हुए कहा कि हमें 48 घंटे के लिए ईडी और सीबीआई दे दीजिए। हम बता देंगे कि कौन सी लाल, नीली और पीली डायरी है। प्रधानमंत्री जी को सब रंग याद आ जाएंगे।

राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीजेपी को जमकर आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी बार-बार कन्हैया लाल हत्याकांड मामले को लेकर कहती रहती है। उन्होंने भाजपा को घेरते हुए सवाल उठाया कि आखिर कोई बीजेपी का नेता यह तो बताएं कि कन्हैया लाल के हत्यारे रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद बीजेपी के पोलिंग बूथ एजेंट थे या नहीं।

हनुमान मंदिर के पुजारी पर अज्ञात बदमाशों ने किया जानलेवा हमला

धौलपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। कोतवाली थाना इलाके में रेलवे लाइन के पास हनुमान जी मंदिर पर बीती रात 65 वर्षीय पुजारी मोहनदास पर अज्ञात बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। श्रद्धालुओं से मिली जानकारी में विगत 10 साल से पुजारी मंदिर पर रहकर पूजा कर रहा था। मंगलवार सुबह श्रद्धालु हनुमान जी मंदिर पर दर्शन करने के लिए गए थे। मंदिर के प्रांगण में पुजारी खून से लथपथ अवस्था में पड़ा हुआ था।

पुलिस ने की जांच शुरू

घटना से लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय श्रद्धालुओं ने पुलिस को सूचित कर घायल पुजारी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। चिकित्सकों की टीम द्वारा मेल सर्जिकल वार्ड में उपचार किया जा रहा है। घटना के बाद जिला अस्पताल कोतवाली थाना पुलिस भी पहुंच गई है।

कांग्रेस के 7 गारंटियों के विज्ञापन पर लगी रोक

चुनाव आयोग ने मांगा स्पष्टीकरण, विज्ञापन अधिप्रमाणन समिति से नहीं करवाया मंजूर

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान निर्वाचन विभाग ने कांग्रेस की ओर से जारी 7 गारंटियों के विज्ञापन पर रोक लगा दी है। आमजन को वॉयस कॉल के जरिए गारंटियों के बारे में बताना और उनसे रजिस्ट्रेशन करवाने के विज्ञापन को आयोग ने चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की श्रेणी में मानते हुए रोक लगाई है। इसके साथ ही विभाग ने अपने नोटिस में विज्ञापन को राज्य स्तरीय विज्ञापन अधिप्रमाणन समिति से मंजूर करवाए बिना जारी करने का जिक्र किया है।

निर्वाचन विभाग ने जारी किया नोटिस

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष/महासचिव के नाम भेजे नोटिस में लिखा कि राज्य स्तरीय विज्ञापन अधिप्रमाणन समिति के संज्ञान में आया है कि आपके राजनीतिक दल द्वारा अपने चुनाव प्रचार से संबंधित 2 IVRS/OVD संदेश राज्य स्तरीय विज्ञापन अधिप्रमाणन समिति से प्रसारण प्रमाण पत्र प्राप्त किए बिना प्रसारित किए जा रहे हैं। एक संदेश अशोक गहलोत की आवाज में 7 गारंटियों के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया फोन नंबर +91 120 4477 631 के माध्यम से प्रचारित किया जा रहा है। दूसरा संदेश मोबाइल नंबर 8587070707 पर मिस्ड कॉल करने के बाद 'नमस्कार जी, आपको बधाई। आपका नंबर गारंटियों के लिए सफलतापूर्वक रजिस्टर कर लिया गया है, प्रसारित हो रहा है।

भारत निर्वाचन आयोग ने अपने 24 मार्च 2014 के निर्देश में सभी राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों को यह निर्देशित किया है कि कोई भी विज्ञापन, जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर प्रसारित किया जाना प्रस्तावित है, का पूर्व अधिप्रमाणन आवश्यक है। लेकिन आपके द्वारा उन निर्देशों की अनुपालना किए बिना इन संदेशों के माध्यम से मतदाताओं को लुभाने का प्रयास किया जा रहा है। यह आदर्श आचार संहिता के तहत अनुमत नहीं है और इस प्रकार से अधिप्रमाणन करवाए बिना राजनीतिक विज्ञापन के रूप में ऑडियो संदेश प्रसारित करना भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों की स्पष्ट अवहेलना है।

आपको आदेश दिया जाता है कि आप उक्त दोनों ऑडियो संदेशों का प्रसारण तुरंत प्रभाव से रुकवाएं और यह स्पष्ट करवाएं कि आप द्वारा किन कारणों से बिना अधिप्रमाणन के उक्त विज्ञापन संदेश प्रसारित कर आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों की अवहेलना की गई। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से प्रदेश में जनता के पास लगातार मोबाइल नंबर से रिकॉर्डेड कॉल आ रहे हैं।

किसानों को लेकर बड़े दावे, धरातल पर खाद-बीज की आफत

किसान बोले-फसल खराबे का जल्द हो आकलन; बिजली कटौती रुके

जोधपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। किसान खेत जोतता है...महंगे बीज डालता है...सिंचाई करता है और मौसम की मार पूरी फसल चौपट कर देती है। पैसा तो काफी ज्यादा खर्च होता है। ऐसे में सरकार से जल्दी सहायता मिलनी चाहिए। मदद के लिए किसान को परेशान न होना पड़े।

यह कहना है जोधपुर के किसान का। किसान को लेकर दोनों प्रमुख दलों कांग्रेस और भाजपा ने अपने-अपने दावे किए हैं और धुआंधार प्रचार में किसान को लेकर कोई न कोई दावा सामने आ ही जाता है। लेकिन धरातल पर किसान खाद-बीज की किल्लत से जूझता है। बुआई के वक्त बिजली कटौती से जूझता है। चुनावी माहौल में किसान क्या सोचता है। यह जानने हम जोधपुर के ग्रामीण इलाकों किसानों के खेत तक पहुंचे।

फसलों का मिले सही मूल्य

इलाके के किसानों का कहना है कि अनाज की पैदावार

करवाने के बाद मंडी तक किसान ही पहुंचाता है। लेकिन उस पैदावार का किसानों को सही मूल्य नहीं मिल पाता। कई बार तो किसानों को उसकी लागत का पैसा भी नहीं मिल पाता है। ऐसे में किसान की कमाई शून्य हो जाती है।

खाद-बीज का सबसे ज्यादा मुद्दा

एक किसान ने कहा- सबसे ज्यादा परेशान बुवाई के समय महंगे बीज और फसलों में डालने के लिए डीएपी व यूरिया खाद की आती है। सहकारी से नियमों के तहत खाद मिलती है। किसान को अच्छी क्वालिटी के बीच व खाद की जरूरत होती है तो महंगे दामों से बाजार से खरीद करनी पड़ती है। इसके कारण किसानों को काफी आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है।

सिंचाई के समय बिजली कटौती

एक किसान ने कहा- अभी खेतों में रबी की बुवाई कर रखी है। अब कुछ ही समय में सिंचाई की जरूरत पड़ेगी। इस दौरान डिस्कॉम दिन में बिजली कटौती करेंगे और रात में अलग-अलग समय पर बिजली सप्लाई करेंगे। रात को कड़ाके की सर्दी में सिंचाई के लिए इंतजार करना बड़ी परेशानी है।

मंच पर फूट-फूटकर रोने लगे विधायक

कांग्रेस प्रत्याशी को पायलट ने संभाला जाते-जाते अपना साफा पहना गए

भरतपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव प्रचार का अंतिम दौर चल रहा है। यहां प्रत्याशी रोजाना नए-नए पैंतरे अपना रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस के एक प्रत्याशी भरे मंच पर फूट-फूट कर रोने लगे। इस दौरान वहां मौजूद सचिन पायलट और अन्य समर्थकों ने उन्हें संभाला। उनके रोने का वीडियो सामने आने के बाद कई लोग रिएक्शन देते हुए इसे चुनाव में इमोशनल कार्ड भी बता रहे हैं। यहां विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी अमर सिंह जाटव के समर्थन में जनसभा का आयोजन किया गया था। इस सभा में सचिन पायलट समेत कई नेता मौजूद थे।

सभा में अमर सिंह भाषण दे रहे थे। इसी बीच कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष शेर सिंह सूपा के छोटे भाई मुकेश सूपा मंच से उठकर अमर सिंह की तरफ गए और उनके कान में कुछ कहा। इसके 10 सेकेंड बाद ही अमर सिंह मंच पर रोने लगे। फूट-फूटकर रोने के बाद वे मंच पर गिर गए। इस पर कुर्सी पर बैठे पायलट उठकर उनके पास आए और उन्हें संभाला। इसके बाद भावुक होते हुए अमर सिंह बोले- 'वे वचन देते हैं कि जब तक जिंदा रहेंगे, वह लोगों के सम्मान के लिए पायलट का हाथ कभी नहीं छोड़ेंगे। उनके मां-बाप, बेटा कोई नहीं है।' इसके बाद विधायक मंच से उठकर नीचे बैठ गए। इस दौरान जाते-जाते पायलट ने अपने सिर पर बंधे साफे को प्रत्याशी अमर सिंह जाटव को पहना दिया। इससे पहले पायलट ने सभा को संबोधित किया। बोले- '10 साल से केंद्र में भाजपा की सरकार है।

डॉक्टर बिना डिग्री के चला रहा था क्लिनिक

हेल्थ डिपार्टमेन्ट की टीम ने मारा छापा, दवाइयां जब्त; जवाजा थाने में कराई एफआईआर

अजमेर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने जवाजा के सारोठ-देवाता चौराहे पर अवैध क्लिनिक पकड़ा है। यहां कार्यरत कथित डॉक्टर के पास कोई डिग्री नहीं मिली। मौके से दवाइयां जब्त कर ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जवाजा थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी जवाजा डॉ. मोहित माथुर (38) ने रिपोर्ट दी कि जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के आदेश पर सारोठ देवाता चौराहे पर क्लिनिक का निरीक्षण किया। जो तापस मण्डल पुत्र मनिशान्त मण्डल चला रहा था। यहां आधुनिक चिकित्सा पद्धति से उपचार करने के लिए कोई भी डिग्री या सर्टिफिकेट प्रस्तुत नहीं कर पाया। यहां से दवाइंया भी जब्त की गई। चिकित्सक आधुनिक चिकित्सा परिषद अधिनियम 1956 की धारा 15(3) के तहत रजिस्टर्ड नहीं है ।

200 रुपये में यात्रा करवा रही थी 'कांग्रेस की सात गारंटी' वाली प्रचार बस, ड्राइवर से की गई पूछताछ

दौसा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस ने 7 गारंटी योजना अपने एजेंडे में शामिल किया और इन्हीं योजनाओं का प्रचार प्रसार बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। जिसके चलते कई सारी बसों को प्रदेश के अलग-अलग जिलों में भेजा जा रहा है। लेकिन दौसा जिले के मानपुर चौराहे के आसपास सिकराय विधानसभा क्षेत्र में एफएसटी टीम ने कांग्रेस की 7 गारंटी वाली बस को रुकवाया तो एक अजब मामला खुलकर सामने आया। बता दें कि जैसे ही प्रचार प्रसार बस को रोका गया तो अंदर से सवारियां धीरे-धीरे करके उतरने लगी। बताया जा रहा है कि लगभग तीन दर्जन के आसपास सवारियां बस के अंदर थी। जिसके बाद बस के ड्राइवर से इस बारे में पूछताछ की गई तो उसने कहा कि किसी भी तरह का कोई किराया नहीं वसूला गया है। लेकिन सवारियों का स्पष्ट रूप से कहना था कि 200 प्रत्येक सवारी से लिए गए हैं। इधर, एफएसटी टीम इंचार्ज धनाराम मीणा ने बताया कि कांग्रेस की 7 गारंटी वाली प्रचार बस बालाजी चौराहे से गुजर रही थी। चेकिंग किया गया तो आचार संहिता के उल्लंघन का मामला नजर आ रहा है। इसपर कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान में बारिश का अलर्ट : जयपुर, अजमेर में सर्द हवा से बढ़ी सर्दी; माउंट आबू में 6 डिग्री पर आया पारा

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर भारत के राज्यों में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का प्रभाव खत्म होने के साथ ही मैदानी राज्यों में सर्दी फिर से बढ़ गई। उत्तरी भारत से आ रही सर्द हवाओं से राजस्थान में 24 घंटे के दौरान तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। जयपुर, अजमेर, माउंट आबू, बीकानेर में पारा गिरने और सर्द हवाएं चलने से सुबह-शाम की सर्दी तेज हो गई। आज सबसे कम तापमान माउंट आबू में 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सीकर के फतेहपुर में भी न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- 27 नवंबर को एक नया सिस्टम उत्तर भारत में एक्टिव होगा, जिसके असर से राजस्थान के कुछ हिस्सों में बादल छाने के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इस सिस्टम के बाद राजस्थान में तापमान और गिरेगा और सर्दी बढ़ेगी।

शेखावाटी में पारा 10 से नीचे आया

शेखावाटी के चूरू, सीकर में भी न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया। चूरू में आज न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो इस सीजन में दूसरी बार 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आया। सीकर में न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इसी तरह हनुमानगढ़ में 9, पिलानी में 10 और सिरोही जिले में 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। राजस्थान में सर्द हवाओं और धुंध से दिन का तापमान भी कम हो गया। बीकानेर, चूरू, गंगानगर, जैसलमेर, अजमेर, जयपुर समेत कई शहरों में कल दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा।

एससीआर ने मलकापुरम-दोन के बीच दोहरी लाइन शुरू की

गुंटूर-गुंतकल दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजना

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने चल रही गुंटूर-गुंटकल दोहरीकरण परियोजना पर विशेष जोर दिया है और चालू वित्तीय वर्ष में 60 किलोमीटर से अधिक विभिन्न हिस्सों को चालू किया है। उसी गति को जारी रखते हुए, मलकापुरम-दोने के बीच 11.2 किलोमीटर की दूरी के लिए एक और खंड का दोहरीकरण पूरा हो गया है और विद्युतीकरण के साथ चालू कर दिया गया है। यह खंड आंध्र प्रदेश के कुर्नूल जिले में पड़ता है और इस खंड के दोहरीकरण के पूरा होने के साथ, अब गुंतकल -बेतमचेरला के बीच 105 किलोमीटर तक विद्युतीकरण के साथ-साथ निरंतर दोहरी लाइन की सुविधा होगी। गुंटूर-गुंटकल खंड आंध्र प्रदेश राज्य के गुंटूर शहर को रायलसीमा क्षेत्र और दक्षिण से परे जोड़ने वाला महत्वपूर्ण रेल लिंक है। यह लाइन गुंटूर, प्रकाशम, पालनाडु, नंद्याल और कुरनूल जिलों से होकर भीतरी इलाकों को जोड़ती है। इस खंड पर निर्बाध परिवहन प्रदान करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए, 3887 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ 401 किलोमीटर की दूरी के लिए गुंटूर-गुंटकल दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजना को वर्ष 2016-17 में मंजूरी दी गई थी। अब तक, नल्लापाडु - जग्गम्बोतला कृष्णपुरम (174 किलोमीटर), बेतमचेरला - मलकापुरम (25 किलोमीटर) और दोन - गुंतकल (71 किलोमीटर) के बीच दोहरीकरण और विद्युतीकरण पहले ही पूरा हो चुका है और चालू हो चुका है। इसके साथ ही इस परियोजना का कुल 270 किलोमीटर का हिस्सा पूरा और चालू हो गया। अब, मलकापुरम-दोन के बीच एक और 11 किलोमीटर का काम पूरा होने के साथ, गुंटूर-गुंतकल के विभिन्न हिस्सों पर विद्युतीकरण के साथ कुल 281 किलोमीटर के दोहरीकरण का काम पूरा हो गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि मलकापुरम-दोन के बीच दोहरीकरण उत्तरी ढोण रिजर्व फॉरेस्ट और घाट खंड से होकर गुजरता है, जिसमें तीखे मोड़, 8 प्रमुख पुल और 16 छोटे पुल हैं। दोहरीकरण को समायोजित करने के लिए ज़ोन को 86 निजी घरों और 20 दुकानों के पुनर्वास की दिशा में विशेष चुनौती का सामना करना पड़ा। इन सभी पर काबू पा लिया गया और मलकापुरम-दोन के बीच का यह खंड काम शुरू होने के 2 महीने के रिकॉर्ड समय में पूरा हो गया है। इसके साथ, महत्वपूर्ण दोहरीकरण लिंक और गुंतकल डिवीजन में 106 किलोमीटर तक बेतमचेरला-गुंतकल के बीच निरंतर खिंचाव पूरी तरह से दोगुना हो गया है, जिससे गुंटूर-गुंतकल खंड में अच्छी गतिशीलता मिलती है। परियोजना के शेष खंडों में कार्य तेजी से प्रगति पर है और कुछ और खंडों को डबल लाइन के अंतर्गत लाने का लक्ष्य है। इन खंडों में दोहरीकरण और विद्युतीकरण पूरा होने से न केवल खंड में भीड़भाड़ कम होगी बल्कि ट्रेनों की औसत गति बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने कई चुनौतियों से भरे काम को पूरा करने के लिए निर्माण संगठन और गुंतकल डिवीजन के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि एक बार पूरी परियोजना पूरी हो जाने के बाद देश के पूर्वी हिस्सों जैसे विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, हावड़ा और रायलसीमा क्षेत्र से आगे तक ट्रेन संचालन को अधिक प्रभावी ढंग से निपटाया जा सकता है।

श्री विट्ठलेश्वर मंदिर में प्रबोधिनी एकादशी महोत्सव आज

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस वर्ष भी श्री विट्ठलेश्वर मंदिर, सिकंदराबाद में काकड़ आरती महोत्सव का आयोजन 18 नवंबर से 12 दिसंबर तक किया गया है। प्रतिदिन प्रातः 6.30 को काकड़ आरती, 6.30 से 7.30 अभिषेक और अलंकार, 9 बजे महाआरती और 9 बजे से 12 बजे तक भगवान के दर्शन होंगे। इस वर्ष प्रबोधिनी एकादशी 23 नवंबर को है। इसी दिन सायंकाल भजन होगा। कार्तिक मास के अंदिम दिन 12 दिसंबर को अन्नकूट प्रसाद होगा। यह जानकारी देते हुए मंदिर के न्यासी श्रीनिवास पटाले, जी. सत्यनरायणा, एन. रमेश दी। मंदिर के मुख्य पुजारी एम. पढ़रीनाथ नर्सीकर ने श्रद्धालुओं ने भजन के साथ ही अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने का अनुरोध किया है।

सुचित्रा कुतबुल्लापुर स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर के शिला का अभिषेक करते हुए समस्त समाज के बंधु व उपस्थित रहे श्री विश्वकर्मा सुथार जांगिड़ ट्रस्ट के अध्यक्ष नेमीचंद जांगिड़, देवकरण, पुखराज, सियाराम, सागरराम, शंकरलाल, प्रभुराम, अमराराम, गोविंदराम, चेनाराम, विष्णुराम, सरवनराम, गजेन्द्र, सोमपुर, राधेश्याम, कानाराम, तेजाराम, पवन, गणपत, बुधराम, मोहनराम, शांतिलाल, समस्त सुथार समाज के बंधु उपस्थित रहे भव्य मंदिर बनाने हेतु शिला की पूजा करते हुए। 23 नवंबर को मंदिर के भव्य शिलान्यास का कार्यक्रम आयोजित होने वाला है। कार्यक्रम में सभी से अधिक से अधिक से संख्या में भाग लेने का अनुरोध किया गया है।

अग्रवाल समाज कुक्कटपल्ली पूर्वांचल शाखा का दीपावली मिलन 25 को

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज कुकटपल्ली पूर्वांचल शाखा की विशेष साधारण सभा का आयोजन शाखा कार्यालय सोनी परिसर में किया गया। इसमें सभी शाखा पदाधिकारी उपस्थित थे। इस सभा में यह निर्णय लिया गया की दीपावली का होने वाला अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम श्री सालासर हनुमान मंदिर जगतगिरीगुट्टा में 25 नवंबर शनिवार को किया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत सांय 6:00 बजे से भजन संध्या तत्पश्चात अन्नकूट प्रसाद का आयोजन रखा गया है। अतः सभी शाखा सदस्यों से विनम्र निवेदन है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में अपने परिवार और ईष्ट मित्रों के साथ पधार कर भजन और प्रसाद का आनंद लें।

लोहिया समता न्यास, पित्ती ट्रस्ट- अग्रवाल सेवा दल ने बालाश्रम तथा वृद्धाश्रम को सामग्री प्रदान की

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोहिया समता न्यास, बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा के प्रतिनिधि मंडल ने आज भाग्यनगर अयप्पा सेवा समिति द्वारा उस्मानगंज में संचालित अनाथाश्रम तथा शिवरामपल्ली स्थित विवेकानन्द वृद्धाश्रम जा कर वहां रह रहे वृद्धजन एवं बाल-बालिकाओं की सुविधा हेतु विभिन्न सामग्री प्रदान की। सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पित्ती ट्रस्ट तथा सेवा दल द्वारा चलाई जा रही सेवा योजनाओं के अंतर्गत आज सेवा दल के संयोजक अजित गुप्ता, विनय सी अग्रवाल दीपक गुप्ता तथा रत्नम राजू ने भाग्यनगर अयप्पा सेवा समिति द्वारा उस्मानगंज में संचालित अनाथाश्रम को लगभग डेढ़ लाख रुपये की लागत से चार लाकर अलमारी, कम्प्यूटर एवं प्रिंटर, वाशिंग मशीन, चालीस कुर्सियां तथा चार पंखे प्रदान किये। इसी अवसर पर शिवरामपल्ली स्थित विवेकानन्द वृद्धाश्रम को एक लाख रुपये की लगता से सी सी टीवी कैमरा तथा मॉनीटर, गीजर, फ्रिज, वॉटर डिस्पेंसर तथा सात पंखे प्रदान किये। इस अवसर पर शिवरामपल्ली स्थित विवेकानन्द वृद्धाश्रम के अरविंद तथा भाग्यनगर अयप्पा सेवा समिति के अध्यक्ष राधाकृष्ण उपस्थित थे। लोहिया समता न्यास, पित्ती ट्रस्ट के चेयरमेन तथा सेवा दल के परामर्शदाता शरद ब पित्ती ने बताया कि पित्ती ट्रस्ट तथा सेवा दल द्वारा नियमित रूप से अनाथालयों, वृद्धाश्रमों तथा सरकारी विद्यालयों का दौरा कर उनकी जरूरतों का पता लगाने के बाद उन्हें उनकी आवश्यकता अनुसार पंखे, ट्यूब लाइट, वाटर कूलर, अलमारी, कंप्यूटर, प्रिंटर, फर्निचर आदि प्रदान किये जाते हैं। आवश्यकता पड़ने पर जरूरत अनुसार सोलार पैनल भी लगा कर दिये जाते हैं। उन्होंने बताया कि नगर स्थित अनाथालय, वृद्धाश्रम तथा सरकारी विद्यालय इस सेवा योजना का लाभ उठा सकते हैं।

भारतीय जनता पार्टी के खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी चिंतल रामचंद्र रेड्डी ने खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र के वेंकटेश्वर नगर डिवीजन में घर-घर जनसम्पर्क किया। इस दौरान लोगों ने भारी संख्या में भाजपा प्रत्याशी का उत्साहवर्धन किया। महिलाओं ने घरों के बाहर आकर स्वागत कर आरती उतारी एवं उन्हें भारी बहुमत से विजयी बनाने का आश्वासन दिया। साथ ही बशीर बाग में चिंतल रामचंद्र रेड्डी का प्रचार करते हुए खैराताबाद विधानसभा क्षेत्र के भाषाई अल्पसंख्यक चुनाव प्रभारी सतीश कुमार जाजू, वरिष्ठ सदस्य नारायणदास हेडा, विनय जैन आदि ने राधाकृष्णा राव, चंद्रकांत राठी, श्यामसुंदर मूंदडा व नंदगोपाल भट्टड के घर जाकर उनसे मतदान की अपील की।

आसिफाबाद और कागजनगर में आयकर विभाग के अधिकारियों की तलाशी

कपास व्यापारियों के घरों और जिनिंग मिलों में जांच हुई

कुमरम भीम आसिफाबाद , 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में आयकर अधिकारियों की छापेमारी से हड़कंप मच गया है। आईटी अधिकारियों ने आसिफाबाद और कागजनगर के कई कपास व्यापारियों के घरों और जिनिंग मिलों में निरीक्षण किया है। मंगलवार सुबह 3 बजे शुरू हुआ निरीक्षण रात तक जारी रहा। इस बीच सुबह 7 बजे यह बात सामने आई कि तीन कपास व्यापारी सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के करीबी थे, यह बात जिले में जंगल की आग की तरह फैल गई। जिससे पार्टी हलकों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई।

आईटी अधिकारियों ने कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के आसिफाबाद और कागजनगर कस्बों में एक साथ निरीक्षण किया। चार टीमों में बंटे आईटी अधिकारियों ने तलाशी ली। आईटी अधिकारी सुबह 3 बजे आसिफाबाद जिला मुख्यालय के कपास व्यापारी रफीक जीवानी के घर पहुंचे। उनके वर्तमान घर और जिनिंग मिल के साथ-साथ बापूनगर स्थित उनके पुराने घर की भी तलाशी ली गई। इसी तरह आईटी अधिकारियों ने कपास व्यापारी और कागजनगर शहर के बालाजीनगर की कृषि बाजार समिति के अध्यक्ष कासम श्रीनिवास और शहर के वार्ड नंबर 2 लोयामार्ग में रहने वाले एक कपास मिलर चिलुवेरु गंगन्ना के घरों का भी निरीक्षण किया। रेबेना मंडल में कागजनगर क्रॉस रोड पर स्थित जिनिंग में भी तलाशी ली गई। इस मौके पर उनके बैंक विवरण और वित्तीय लेनदेन के बारे में पूछताछ की गई। ऐसा लगता है कि संबंधित कंपनियों के आयकर भुगतान में अनियमितताएं हुई हैं। बताया गया है कि आईटी अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान रफीक, श्रीनिवास और गंगन्ना के परिवार के सदस्यों के फोन जब्त कर लिए।

गौरतलब है कि कागजनगर और आसिफाबाद के तीन कपास व्यापारी सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के हैं। कागजनगर के कासम श्रीनिवास कृषि बाजार समिति के अध्यक्ष हैं।

आसिफाबाद के रफीक ने हाल ही में आधिकारिक तौर पर पार्टी का दुपट्टा पहना। उल्लेखनीय है कि सीएम केसीआर ने जिले के दौरे की पृष्ठभूमि में रफीक को खुद पार्टी का दुपट्टा ओढ़ाया था। इस पृष्ठभूमि में पार्टी सूत्र यह फुसफुसा रहे हैं कि मंगलवार को एक साथ उनके घरों पर आईटी छापे से सत्तारूढ़ दल में भारी भूचाल आ गया है। उनके सत्तारूढ़ दल के विधायक उम्मीदवारों के साथ बहुत करीबी, वित्तीय और व्यक्तिगत संबंध हैं। राजनीतिक गलियारों में यह मुहिम चल रही है कि चुनाव के दौरान अगर उन्हें वित्तीय संसाधनों की जरूरत होगी तो वे उसे हासिल करने में अहम भूमिका निभाएंगे और जल्दबाजी में नहीं बल्कि उसे जहां जरूरत होगी, वहां तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इतने बड़े व्यवसायियों के घर और जिनिंग मिलों पर आईटी के छापे से जिले के कई नेताओं में काफी असमंजस की स्थिति है। कुछ दिनों से यह चर्चा चल रही है कि इस महीने की 30 तारीख को होने वाले चुनाव के लिए इन नेताओं ने अपने पास कुछ नकदी रखी है।

खबर है कि संबंधित नेता इस बात को लेकर काफी चिंतित हैं कि आईटी छापों में ये बातें कहां उजागर होंगी। सुबह से दोपहर तक तलाशी लेने वाले आईटी अधिकारी दोपहर में श्रीनिवास को कागजनगर शहर में एसबीआई ले गए और उनसे पूछताछ की। वहीं, आसिफाबाद कस्बे में कारोबारी रफीक के घर आईटी अधिकारी एसबीआई से एक काउंटिंग मशीन लेकर आए। मिशन के साथ-साथ कर्मचारी सैकड़ों रबर बैंड भी घर में ले गए और ऐसा लगता है कि बड़ी मात्रा में नकदी भी बरामद हुई है। विश्वनीय सूत्रों के अनुसार पता चला कि रफीक के घर से 8.5 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम मिली है।

खैरताबाद भाषाई अल्पसंख्यक नागरिकों के बीच आज होंगे पीयूष गोयल

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद भाषाई अल्पसंख्यक नागरिकों का दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन 23 नवंबर को सांय 6:30 बजे, रामकोट ईडन बाग स्थित जैन भवन में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए संयोजक सतीश कुमार जाजू ने बताया कि इस अवसर पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री-भारत सरकार केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल मुख्य अतिथि के रूप में पधारेंगे एवं अपना संदेश देंगे। संयोजक मंडल के सदस्य रितेश नरेड़ी, पवन बंसल, सुरेश शर्मा, एवं राकेश अग्रवाल ने सभी क्षेत्र के प्रवासियों से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की।

दिव्यांगों और बुर्जुगों ने मतदान किया

निर्मल, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के निर्वाचन क्षेत्रों के लिए घरेलू मतदान बुधवार को शुरू हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सांगवान ने बताया कि 12 डी फॉर्म के माध्यम से आवेदन करने वाले अस्सी वर्ष से अधिक आयु के दिव्यांग एवं बुजुर्ग लोगों ने घरेलू मतदान प्रणाली में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। विधानसभा चुनाव के तहत चुनाव आयोग ने दिव्यांगों और अस्सी साल के बुजुर्ग जो अपने वोट देने के अधिकार का

प्रयोग करने में असमर्थ हैं, उन्हें फॉर्म 12डी के माध्यम से घर पर मतदान की सुविधा प्रदान की है और वे 30 तारीख को अपने घर पर जाकर वोट करने के लिए फॉर्म 12डी के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

जिले में 22, 23 और 24 को होम वोटिंग कराई जा रही है, इसके तहत पहले दिन विधानसभा क्षेत्र के कई हिस्सों में होम वोटिंग कराई गई। बुधवार को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक होम वोटिंग कराई गई।

नौसेना सप्ताह समारोह में बुधवार को रक्षा मशीनरी डिजाइन प्रतिष्ठान (डीएमडीई), सिकंदराबाद में स्टेशन कमांडर (नौसेना) रियर एडमिरल रवनीश सेठ की उपस्थिति में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नौसेना अधिकारियों, रक्षा नागरिकों और एनसीसी कैडेटों सहित 100 से अधिक स्वयंसेवकों ने रक्तदान किया। डीएमडीई थैलेसीमिया रोगियों की सहायता के लिए भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ नियमित रूप से इन रक्तदान शिविरों का आयोजन करता रहा है।

'आयुर्वेद का परिचय' विषय पर विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 21 नवंबर से 24 नवंबर 2023 तक "राष्ट्रव्यापी तृतीय लेखापरीक्षा सप्ताह का आयोजन महालेखा कार्यालय, हैदराबाद में किया गया है। उक्त सप्ताह के दौरान एजी कार्यालय द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यानों का आयोजन किया गया है। इस दौरान राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद की ओर से डॉ.गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक जी ने आज दिनांक 22-11-2023 को आयुर्वेद से परिचय इस विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने अत्यंत सरलता से आयुर्वेद के बारे में उपस्थितियों को जानकारी दी। उनके व्याख्यान की सराहना करते हुए और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में उन्हें राकेश सी. सज्जन, निदेशक (प्रशासन और प्रत्यक्ष कर) प्रधान लेखापरीक्षा (केंद्रीय) कार्यालय, हैदराबाद, के करकमलों से स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इस दौरान मंच पर सी.एच. वी. साई प्रसाद, निदेशक (अप्रत्यक्ष कर/केंद्रीय व्यय लेखापरीक्षा), प्रधान लेखापरीक्षा (केंद्रीय) कार्यालय, हैदराबाद तथा अन्य अतिथि वक्ता श्री मोहम्मद खान, सलाहकार, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान भी उपस्थित थे।

जीवन मूल्यों और नैतिकता की शिक्षा ही वास्तविक शिक्षा : द्रौपदी मुर्मू

राष्ट्रपति श्री सत्य साई उच्च शिक्षा संस्थान के दीक्षांत समारोह में शामिल हुई

पुट्टपर्ती, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में श्री सत्य साई इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग के 42वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया और संबोधित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि आध्यात्मिकता विश्व को भारत का अमूल्य योगदान है। समय-समय पर महान आध्यात्मिक विभूतियों ने सदाचार, करुणा और परोपकार का संदेश फैलाया है। श्री सत्य साईं बाबा एक ऐसे महान व्यक्तित्व थे जिन्होंने पुट्टपर्थी के क्षेत्र को पवित्र किया। उनके आशीर्वाद से लाखों लोग लाभान्वित होते रहे हैं और आगे भी लाभान्वित होते रहेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्तित्वों की शिक्षा की अवधारणा हमारी महान परंपराओं को जीवंत बनाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि जीवन मूल्यों और नैतिकता की शिक्षा ही वास्तविक शिक्षा है। प्रत्येक छात्र में सत्य, सदाचार, शांति, स्नेह और अहिंसा के मूल्यों को विकसित करना समग्र शिक्षा का मुख्य लक्ष्य है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि श्री सत्य साईं इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग मानवीय और आध्यात्मिक मूल्यों को मौलिक महत्व देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के प्रति संस्थान का समग्र दृष्टिकोण बहुत प्रभावशाली है। शिक्षा के स्थान पर शिक्षा-देखभाल की अवधारणा अत्यंत उपयोगी एवं सार्थक है।

कांग्रेस, भाजपा किसानों के दुश्मनः हरीश

सिद्दीपेट, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री हरीश राव ने आरोप लगाया कि भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियां किसानों की दुश्मन हैं और उन्होंने कभी भी देश में किसानों के हितों के लिए काम नहीं किया। बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, हरीश राव ने याद दिलाया कि कृषि विज्ञानी एमएस स्वामीनाथन ने किसानों के लिए बेहतर नीतियों को लागू करने के इरादे से यूपीए शासन के दौरान केंद्र को एक रिपोर्ट सौंपी थी, लेकिन न तो कांग्रेस और न ही भाजपा सरकारों ने सिफारिशों को लागू किया था। स्वामीनाथन का, यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि उनका किसानों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया है। उन्होंने बताया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने कृषि पंप सेटों पर बिजली के मीटर लगाने के लिए तेलंगाना सरकार पर दबाव डाला था और मीटर नहीं लगाने पर फंड में कटौती करने की धमकी दी थी, लेकिन मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने स्पष्ट रूप से कहा कि बीआरएस सरकार ऐसा नहीं करेगी। किसानों के हितों के लिए कृषि पंप सेटों पर कोई भी मीटर लगाएं।

बिजली के तार के चपेट में आने से युवक की मौत

भैंसा, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा मंडल के कामोल गांव के पास घास की गठरियां ले जा रही एक लॉरी बिजली के तार की चपेट में आ गई। लॉरी के सड़क किनारे बिजली के तारों से टकराने से हुए इस हादसे में महाराष्ट्र के एक युवक की मौत हो गई और दो अन्य की हालत गंभीर हो गई। यह घटना मंगलवार रात भैंसा मंडल के कामोल कुंमसरा गांवों के बीच हुई। महाराष्ट्र में मृतकों और पीड़ितों के रिश्तेदारों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के भोकर तालुका के रैनापुर गांव के कुछ किसान एक लॉरी में भैंसा मंडल के कामोल गांव आए थे। कमोल-कुमसरा गांव के बीच एक लॉरी भूसे की गांठें लादकर लौटते समय बिजली की चपेट में आ गई। आग तब लगी जब लॉरी के तार सड़क से सटी बिजली लाइन के नीचे से आ गए। यह देखते ही ड्राइवर लॉरी से उतर गया और उसमें सवार आदित्य वपन भगत (30) नामक युवक दूसरी तरफ से उतरा और लोहे की रॉड से जलती हुई घास को हटाने के लिए कदम उठाया। इस दौरान युवक करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। लॉरी के अंदर बैठे महाराष्ट्र के रोहिदास (40), आकाश (38) और कामोल ग्रामणी के शंकर (35) भी करंट की चपेट में आ गए। इसमें रोहिदास और आकाश की हालत गंभीर हो गई। इन दोनों को चिकित्सा सेवाओं के लिए बैंसा एरिया अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

आईसीसी वन डे रैंकिंग में कोहली तीसरे नंबर पर

> टॉप-4 में तीन भारतीय, गिल टॉप पर बरकार

> बॉलिंग में सिराज एक और स्थान पर फिसले

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार बैटर विराट कोहली आईसीसी वनडे रैंकिंग में तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। बुधवार को जारी हुई ताजा वनडे बैटिंग रैंकिंग के टॉप-4 में भारत के तीन बल्लेबाज शामिल हैं। शुभमन गिल पहले, विराट कोहली तीसरे और कप्तान रोहित शर्मा चौथे स्थान पर हैं। वहीं, पाकिस्तान के बाबर आजम दूसरे नंबर पर हैं। वर्ल्ड कप 2023 में कोहली ने कुल 765 रन बनाए, जिसमें 3 शतक शामिल हैं। बॉलिंग रैंकिंग में साउथ अफ्रीका के केशव महाराज टॉप पर बने हुए हैं, जबकि भारत के मोहम्मद सिराज को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे दूसरे से तीसरे नंबर पर आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड दूसरे नंबर पर आ गए हैं।

बल्लेबाजी में डेरिल मिचेल को फायदा

बल्लेबाजों में भारत के शुभमन गिल पहले नंबर पर कायम है। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को एक स्थान का फायदा हुआ है। वे 7वें से छठे नंबर पर आ गए है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को एक स्थान का नुकसान हुआ है।

बॉलिंग रैंकिंग में टॉप 10 में 4 भारतीय

बॉलिंग रैंकिंग में भारत के मोहम्मद शमी टॉप-10 में आ गए हैं, वे दसवें नंबर पर हैं। रैंकिंग में टॉप-10 में चार भारतीय है, जिसमें शमी और सिराज के साथ चौथे नंबर पर जसप्रीत बुमराह और छठे नंबर पर कुलदीप यादव है। कुलदीप पांचवें से छठे नंबर पर फिसले है, जिनके रेटिंग पॉइंट्स (667) अफगानिस्तान के राशिद खान के बराबर है। वहीं, पाकिस्तान के पेसर शाहीन अफरीदी 10वें से 9वें नंबर पर आ गए है।

ऑलराउंडर में शाकिब टॉप पर, जडेजा के एक स्थान का नुकसान

ऑलराउंडर रैंकिंग में बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन टॉप पर हैं। मोहम्मद नबी का दूसरा स्थान है और सिकंदर रजा तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। यहां भी राशिद खान हैं और उनका चौथा स्थान है। टॉप-10 में जडेजा इकलौते भारतीय है, उन्हें एक पायदान का नुकसान हुआ और वे अब 9वें से 10वें नंबर पर आ गए है।

गंभीर कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर बने

टीम को अपनी कप्तानी में दो बार चैंपियन बना चुके दो साल से लखनऊ के साथ थे

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स ने 22 नवंबर को पूर्व ओपनर गौतम गंभीर को टीम का मेंटर नियुक्त किया है। यह जानकारी गंभीर ने सोशल मीडिया पर दी। केकेआर से जुड़कर गंभीर ने लखनऊ सुपर जाइंट्स का दो साल पुराना साथ छोड़ दिया है। गंभीर दिसंबर 2021 में पहली बार आईपीएल में किसी टीम (लखनऊ सुपर जाइंट्स) के साथ बतौर मेंटर जुड़े थे।

10 साल का आईपीएल करियर

2007 और 2011 में वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली टीम इंडिया का हिस्सा रहे गंभीर का आईपीएल करियर 10 साल का रहा। उन्होंने 2008 से आईपीएल खेलना शुरू किया और 2018 में संन्यास लिया।

कोलकाता को 2 बार चैंपियन बनाया

गौतम गंभीर दो बार अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बना चुके हैं। उनकी कप्तानी में केकेआर ने 2012 में चेन्नई सुपर किंग्स को 5 विकेट और 2014 में पंजाब किंग्स को 3 विकेट से मात दी थी। गंभीर केकेआर के अलावा दिल्ली कैपिटल्स के भी कप्तान रहे। आईपीएल में बतौर कप्तान उन्होंने 129 मैच खेले और 71 जीतने में सफल रहे। 57 में उनको हार का सामना करना पड़ा।

गंभीर ने डॉक्टर संजीव गोयनका को धन्यवाद कहा

गंभीर ने बुधवार को ट्वीट किया, जैसा कि मैं लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ अपनी शानदार जर्नी की समाप्ति की घोषणा कर रहा हूं। इस पल में मैं सभी खिलाड़ियों, कोचों, सपोर्ट स्टाफ और हर उस व्यक्ति जिसने इस सफर को यादगार बनाया है, के प्रति प्यार और आभार व्यक्त करता हूं। मैं डॉक्टर संजीव गोयनका को उनकी शानदार लीडरशिप के लिए धन्यवाद कहना चाहूंगा कि उन्होंने एक शानदार फ्रेंचाइजी तैयार की। मुझे यकीन है कि यह टीम भविष्य में शानदार खेल दिखाएगी और सभी लखनऊ के फैंस का सिर गर्व से ऊंचा करेगी। एलएसजी ब्रिगेड को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

ब्राजील-अर्जेंटीना मैच के दौरान फैंस भिड़े

फीफा वर्ल्ड कप-2026 क्वालिफायर में 1-0 से जीता वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना, ओटामेंडी ने किया गोल

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना ने 22 नवंबर को खेले गए फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफायर मैच में ब्राजील को हरा दिया। ब्राजील के मरकाना स्टेडियम (रियो डि जेनेरियो) में खेले गए मैच में मेजबान को 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। मैच का इकलौता गोल अर्जेंटीना के निकोलस ओटामेंडी ने 63वें मिनट में किया।

मैच शुरू होने से पहले फैंस आपस में भिड़े

मैच शुरू होने से पहले ब्राजील और अर्जेंटीना के फैंस आपस में भिड़ गए। भीड़ को काबू करने के लिए ब्राजील पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। हालांकि, इसका मैच पर कोई असर नहीं हुआ और मैच फुल-टाइम पर खत्म हुआ। ब्राजील और अर्जेंटीना फुटबॉल राइवल्स है। ऐसा कई बार हुआ है कि दोनों टीमों के फैंस के बीच हिंसा हुई है। साल 1925 और 1937 के बीच दोनों टीमों के बीच हिंसा की वजह से कोई मैच आयोजित नहीं किया गया क्योंकि दोनों टीमों ने उन टूर्नामेंट में खेलने से इनकार कर दिया जिनमें दोनों को एक-दूसरे के खिलाफ मैच खेलना था।

पॉइंट्स टेबल में अर्जेंटीना टॉप पर

इस जीत के बाद अर्जेंटीना टीम साउथ अमेरिका फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है, जबकि ब्राजील 6 में से 2 जीत के साथ छठे स्थान पर है। अर्जेंटीना 6 में से 5 मैच जीते हैं। अर्जेंटीना का अगला मुकाबला 5 सितंबर 2024 में चिली के साथ होगा।

भारतीय फुटबॉल टीम को हार मिली

भारतीय फुटबॉल टीम को 21 नवंबर को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफायर में हार का सामना करना पड़ा।

भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में भारतीय टीम को 61वें नंबर की टीम कतर ने 3-0 से हराया। यह क्वालिफायर में भारत की पहली हार है। टीम ने पहले मुकाबले में कुवैत को 1-0 से हराया था।

भारत अब 6 महीने बाद वर्ल्ड कप खेलेगा

2024 में साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज; श्रीलंका भी जाएंगे

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। एशिया कप और वनडे वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद अब द्विपक्षीय सीरीज का दौर शुरू होने जा रहा है। 23 नवंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टी-20 सीरीज से इसकी शुरुआत होगी। यहां से न्यूजीलैंड, बांग्लादेश, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और बाकी टेस्ट प्लेइंग देशों की भी सीरीज शुरू हो जाएंगी। भारत अगले 12 महीने में 4 देशों के खिलाफ कुल 15 टेस्ट खेलेगा। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दिसंबर में टेस्ट की शुरुआत होगी और अगले साल दिसंबर में ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से साल का अंत होगा।

आईसीसी का अगला वर्ल्ड कप टी-20 फॉर्मेट में 6 महीने बाद ही होगा। तब तक टीमें ज्यादा से ज्यादा टी-20 खेलकर अपनी बेस्ट टीम चुनने पर ध्यान देंगी। इसी लिहाज से भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के लिए सीरीज अहम है। दोनों टीमें एक-एक बार टी-20 वर्ल्ड कप जीत भी चुकी हैं, इसलिए अब उनकी नजरें दूसरे खिताब पर हैं।

साउथ अफ्रीका में तीनों फॉर्मेट की सीरीज खेलेंगे

टीम इंडिया दिसंबर में साउथ अफ्रीका दौरे पर जाएगी। टीम यहां 3 टी-20, 3 वनडे और 2 टेस्ट की सीरीज खेलेगी। दौरा 10 दिसंबर से शुरू होकर 7 जनवरी तक चलेगा। 10, 12 और 14 दिसंबर को टी-20 मुकाबले होंगे। 17, 19 और 21 दिसंबर को वनडे खेले जाएंगे। 26 दिसंबर से सेंचूरियन में पहला और 3 जनवरी से केपटाउन में दूसरा टेस्ट मैच शुरू होगा। साउथ अफ्रीका और भारत के बीच आखिरी टी-20 सीरीज सितंबर 2022 के दौरान भारत में ही हुई थी। तब 3 मैचों की सीरीज भारत ने 2-1 के अंतर से जीती थी। दोनों के बीच आखिरी वनडे सीरीज पिछले साल अक्टूबर के दौरान भारत में ही हुई थी। इसे भी भारत ने 2-1 से जीता था। दोनों के बीच पिछली टेस्ट सीरीज 2021 के दौरान साउथ अफ्रीका में ही हुई थी, 3 टेस्ट में भारत को 1-2 के अंतर से हार मिली थी।

ऑस्ट्रेलिया से घर में 5 टी-20 की सीरीज

ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी पिछले सितंबर से भारत में ही हैं। वर्ल्ड कप जीतने के बाद भी देश नहीं लौट रहे, क्योंकि उन्हें 23 नवंबर से टीम इंडिया के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलनी है। मुकाबले 23, 26 और 28 नवंबर के साथ 1 और 3 दिसंबर को होंगे। सभी मैच भारत में होंगे, इसलिए शाम 7:00 बजे ही शुरू हो जाएंगे, जो रात करीब 10:30 से 11:00 बजे तक चलेंगे। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच आखिरी टी-20 सीरीज सितंबर 2022 के दौरान भारत में ही हुई थी। तब 3 टी-20 की सीरीज को भारत ने 2-1 के अंतर से जीता था।

विश्व कप जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने 'अपनी विरासत बनाई' : कमिंस

सिडनी, 22 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का मानना है कि उनकी टीम ने भारत और इंग्लैंड में छह महीने के लंबे सफर के बाद 2023 वनडे विश्व कप जीत के साथ करियर को परिभाषित करने वाली विरासत बनाई है। भारत में कई दिनों तक जश्न मनाने के बाद कमिंस और अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बुधवार सुबह घर वापस लौटने लगे।

कमिंस ने सिडनी हवाई अड्डे पर उतरते समय अपनी टीम के बारे में कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने अपनी खुद की विरासत बनाई है। एक विश्व कप, आपको हर चार साल में केवल एक मौका मिलता है और विशेष रूप से भारत जैसी जगह पर खेलना कठिन है। सेमीफाइनल और फाइनल में अपने नेतृत्व के लिए सराहना पाने वाले कमिंस ने कबूल किया कि ऑस्ट्रेलिया की भारत और दक्षिण अफ्रीका से शुरुआती हार के बाद, उन्हें लगा कि उनका टूर्नामेंट लगभग समाप्त हो गया है। कमिंस ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो (मैंने सोचा था कि हमारे बीच काफी संभावनाएं थीं)। यह वास्तव में लगभग अचानक मौत बन गई। हमने सोचा कि सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए हमें काफी हद तक दोषरहित होना होगा।

और हम काफी हद तक ऐसे ही थे। हमने जीतने के तरीके ढूंढना शुरू कर दिया , तब भी जब हमारे सबसे अच्छे दिन नहीं थे। टूर्नामेंट से पहले भी, हम जानते थे कि भारत में एकदिवसीय क्रिकेट खेलना काफी कठिन काम है। बाकी दुनिया के खिलाफ खड़ा होना और पदक लेकर आना, इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। हम ऐसा कर सकते थे।' उन्होंने इससे भी बेहतर योजना बनाई है। इसलिए काफी संतुष्ट समूह है। कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड बुधवार सुबह सिडनी पहुंचे, जबकि मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड्स और ऑलराउंडर मिशेल मार्श मेलबर्न हवाई अड्डे पर उतरे। मार्नस लाबुशेन ब्रिस्बेन में उतरे।

भारत-अफगानिस्तान की टी-20 सीरीज 11 जनवरी से

काबुल, 22 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया अगले साल घरेलू सीजन की शुरुआत अफगानिस्तान से टी-20 सीरीज खेलकर करेगी। टीम को जनवरी महीने में अफगान टीम से 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस सीरीज का शेड्यूल जारी किया है। सीरीज का पहला मुकाबला 11 जनवरी को मोहाली में होगा, जबकि दूसरा 14 जनवरी को इंदौर और तीसरा 17 जनवरी को बेंगलुरु में खेला जाएगा। बीसीसीआई युवा खिलाड़ियों की टीम उतार सकता है, क्योंकि इस सीरीज से पहले टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका दौरे में जाना है, जहां ऑल फॉर्मेट सीरीज खेलनी है।

महिला बने ट्रांसजेंडर की महिला क्रिकेट में भागीदारी पर आईसीसी ने लगाया प्रतिबंध

दुबई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अंतर्राष्ट्रीय महिला क्रिकेट में ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों और पुरुष से महिला में लिंग परिवर्तन उपचार कराने वाली खिलाड़ियों को भाग लेने की अनुमति नहीं देने का फैसला किया। आईसीसी बोर्ड द्वारा अंतर्राष्ट्रीय खेल के लिए नए जेंडर नियमों को मंजूरी देने के बाद किसी भी प्रकार के पुरुष यौवन को प्राप्त करने वाले किसी भी व्यक्ति को अनुमति नहीं देने का निर्णय प्रभावी हुआ।

खेल के हितधारकों के साथ 9 महीने की परामर्श प्रक्रिया के बाद निर्णय लिया गया। नई नीति निम्नलिखित सिद्धांतों (प्राथमिकता के क्रम में), महिलाओं के खेल की अखंडता की सुरक्षा, सुरक्षा, निष्पक्षता और समावेशन पर आधारित है। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा, इसका मतलब है कि कोई भी पुरुष से महिला प्रतिभागी जो किसी भी प्रकार के पुरुष यौवन से गुजर चुके हैं, वे किसी भी सर्जरी या लिंग परिवर्तन उपचार के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय महिला खेल में भाग लेने के पात्र नहीं होंगे। समीक्षा, जिसका नेतृत्व डॉ. पीटर हरकोर्ट की अध्यक्षता वाली आईसीसी चिकित्सा सलाहकार समिति ने किया था। पूरी तरह से अंतर्राष्ट्रीय महिला क्रिकेट के लिए लैंगिक पात्रता से संबंधित है। जबकि, घरेलू स्तर पर लैंगिक पात्रता प्रत्येक व्यक्तिगत सदस्य बोर्ड का मामला है, जो स्थानीय स्तर पर प्रभावित हो सकता है। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, लिंग पात्रता नियमों में बदलाव एक व्यापक परामर्श प्रक्रिया के परिणामस्वरूप हुए और विज्ञान पर आधारित हैं और समीक्षा के दौरान विकसित किए गए मूल सिद्धांतों के अनुरूप हैं। एक खेल के रूप में समावेशिता हमारे लिए अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है। लेकिन हमारी प्राथमिकता अंतर्राष्ट्रीय महिला खेल की अखंडता और खिलाड़ियों की सुरक्षा की रक्षा करना था।

वर्ल्ड कप जीतकर देश लौटी ऑस्ट्रेलियाई टीम का 'फीका' स्वागत, एयरपोर्ट पर नहीं दिखे फैंस

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस हार ने करोड़ों भारतीय फैंस का दिल तोड़ दिया जो अपनी टीम को विश्व चैंपियन बनता देखना चाहते थे। भारतीय फैंस का दिल तोड़ने वाले क्रिकेटर्स जब अपने देश लौटे तो उन्हें वह स्वागत नहीं मिला जिसके वह हकदार थे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को देखकर फैंस यहीं अंदाजा लगा रहे हैं कि ऑस्ट्रेलिया को इस वर्ल्ड कप जीत के कुछ खास फर्क नहीं पड़ा है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम लौटी देश

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, मिचेल मार्श समेत कई स्टार बुधवार को अपने देश लौटे। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें कमिंस अपना सामना ट्रॉली पर रखकर ले जा रहे हैं। उनके पास कुछ फोटोग्राफर और वीडियोग्राफर हैं। एयरपोर्ट पर और उसके बाहर भी फैंस नजर नहीं आए। न कोई जश्न था और न ही कोई नेता या बड़ा अधिकारी इस टीम का स्वागत करने पहुंचा। वीडियो में देखकर ऐसा लगा नहीं कि वर्ल्ड चैंपियन लौटी है। भारतीय फैंस को यह देखकर काफी हैरानी हुई। कुछ फैंस का कहना था कि अगर रोहित शर्मा वर्ल्ड कप जीतकर मुंबई लौटते तो कई किमी लंबी लाइन लगी होती। एक यूजर ने लिखा कि ऑस्ट्रेलियाई फैंस अपने क्रिकेटर्स का बहुत ज्यादा सम्मान नहीं करते लेकिन फिर भी वह हर बार खुद को साबित करते हैं। कुछ फैंस को यह देखकर दुख हुआ कि पूरी दुनिया जीतने वाली टीम को उनके अपने घर पर एक शानदार स्वागत नहीं मिला।

मुंबई इंडियंस में लौटेंगे हार्दिक पंड्या? रोहित शर्मा को मिल सकती है इस टीम की कप्तानी

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में फिलहाल चार महीने है लेकिन यह अभी से चर्चा में है। आईपीएल के 17वें सीजन का ट्रांसफर विंडो 26 नवंबर को बंद हो रहा है और अगर मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो इस बार फैंस को कुछ बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। गुजरात टाइटंस को चैंपियन बनाने वाले कप्तान हार्दिक पंड्या की घर वापसी हो सकती है वहीं मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा एक नई जर्सी में नजर आ सकते हैं।

रोहित शर्मा हैं आईपीएल के सबसे सफल कप्तान

रोहित शर्मा आईपीएल के इतिहास के सबसे सफल कप्तान हैं। वह एक दशक से भी ज्यादा समय से मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने पांच बार इस टीम को खिताब जिताया है। इसके साथ ही वह भारतीय कप्तान भी हैं। मुंबई आसानी से उन्हें जाने देगी। वहीं हार्दिक ने भी अपनी कप्तानी में पहले ही सीजन में गुजरात टाइटंस को चैंपियन बना दिया था।

हार्दिक का भी मुंबई इंडियंस के साथ खास रिश्त रहा है। उन्होंने करियर की शुरुआत इसी टीम के साथ की थी जब उन्हें 10 लाख रुपए के बेस प्राइस पर खरीदा गया। साल दर साल अच्छे प्रदर्शन के बाद साल 2016 में उनके टीम इंडिया के दरवाजें भी खुल गए थे।

रोहित-हार्दिक की टीमें बदलेंगी

न्यूज18 की खबर के मुताबिक इस बात की संभावना बहुत ज्यादा है कि गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या अपनी पुरानी टीम मुंबई इंडियंस में लौट सकते हैं। हार्दिक पंड्या की जगह मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा गुजरात टाइटंस से जुडेंगे। यानी दोनों टीमों के

कप्तानों की अदला-बदली होगी।

जोफ्रा आर्चर की जगह भी दिया जा सकता है मौका

अगर ऐसा नहीं होता है तो हार्दिक को मुंबई के लिए खेलने वाले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की जगह मुंबई इंडियंस में शामिल किया जा सकता है। हार्दिक का बिना कप्तानी के मुंबई लौटना मुश्किल है। ऐसे में उन्हें विकल्प दिया जा सकता है कि वह 2024 में आर्चर की जगह खेले और फिर 2025 में उन्हें कप्तानी दी जाएगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.